6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

मुरादाबाद

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष दशमी 09:29 उपरांत एकादशी विक्रम संवत 2082

रविवार, 30 नवंबर 2025, वर्ष 6, अंक 243, पृष्ठ 16+4 ■ मूल्य 6 रुपये

■ शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज - 14

■ महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी - 14

■ तूफान दितवा ने पकड़ी गति आज आधी रात पहुंचेगा तमिलनाडु तट - 15

■ दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ एकदिवसीय मुकाबले में रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा - 16

पासिंग आउट परेड

वाराणसी छावनी स्थित 39 गोरखा ट्रेनिंग सेंटर (जीटीसी) में शनिवार को सैन्य परम्पराओं के अनुरूप अग्निवीरों की भव्य शपथ-परेड सम्पन्न हुई। कुल 353 अग्निवीरों ने पवित्र भगवद्गीता पर हाथ रखकर राष्ट्रध्वज की मर्यादा बनाए रखने और देश की रक्षा के लिए प्राण न्योछावर करने का संकल्प लिया। समारोह में सैन्य अनुशासन, उत्साह और गौरव का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। सैन्य अधिकारियों के साथ सभी अग्निवीरों ने सामूहिक फोटोग्राफी भी कराई। ● एजेंसी

ए320 विमानों के सॉफ्टवेयर अपडेट से उड़ानें प्रभावित

वाशिंगटन, एजेंसी

- एयरबस ने कहा- दुनियाभर के 6000 विमानों को अपग्रेड की जरूरत
- जेटब्लू का विमान ऊंचाई से अचानक नीचे आने के बाद मिली थी गड़बड़ी

भारत समेत दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को व्यापक रूप से इस्तेमाल होने वाले वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा।

जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने शुक्रवार को बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। यूरोप की सुरक्षा एजेंसी ने कहा कि जापान में 65 घरेलू उड़ानें रद्द करनी पड़ी। अमेरिकन एयरलाइंस के पास ए320 बेड़े के करीब 480 विमान हैं, जिनमें से 209 को अपडेट की जरूरत है। दुनिया भर में करीब 6000 प्रभावित विमानों को सॉफ्टवेयर अपग्रेड की जरूरत है। कुछ विमानों में हार्डवेयर को भी ठीक करना पड़ सकता है। कुल 8100 से ज्यादा ए320 परिवार के विमान सेवा में हैं।

भारतीय एयरलाइंस ने बेड़े के 80 प्रतिशत विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेड पूरा किया : डीजीसीए

नई दिल्ली। इंडिगो, एयर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस ने शनिवार से ए320 बेड़े के विमानों का सॉफ्टवेयर अपग्रेड शुरू कर दिया, ताकि एक संभावित विमान नियंत्रण समस्या को ठीक किया जा सके। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बताया कि प्रभावित 338 विमानों में 80 प्रतिशत में जरूरी बदलाव कर दिए गए हैं। इस वजह से कई उड़ानों में देरी हुई, जबकि कुछ को रद्द करना पड़ा। विमानन नियामक के ताजा आंकड़ों के अनुसार इंडिगो और एयर इंडिया ने कोई उड़ान रद्द नहीं की, जबकि एयर इंडिया एक्सप्रेस ने 4 उड़ाने रद्द कीं। शनिवार शाम 5:30 बजे तक कुल 338 में 270 विमानों में सॉफ्टवेयर अपग्रेड पूरा हो चुका था। इंडिगो के 200 विमान प्रभावित हैं, जिनमें से 184 पर अपग्रेड पूरा हो चुका है। एयर इंडिया के 113 में 69 और एयर इंडिया एक्सप्रेस के 25 में 17 विमानों में अपग्रेड पूरा हो चुका था। यह अपग्रेड दिल्ली, बेंगलुरु, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, अहमदाबाद और कोलकाता में एयरलाइंस के बेस पर किया जा रहा है। सभी प्रभावित विमानों का अपग्रेड 30 नवंबर सुबह 5:29 बजे तक पूरा करना है।

इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, मातृत्व की चुनौतियां पेरेंटिंग का बदलता रूप व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

☞www.amritvichar.com

जरूरतमंद इलाज कराएं, धन की कमी को नहीं बनने देंगे बाधा : योगी

गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों को किया आश्वस्त

- अधिकारियों को निर्देश, मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि कराई जाए उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गंभीर बीमारियों के इलाज में आर्थिक सहायता की गुहार लगाने वालों को आश्वस्त किया है कि सरकार किसी भी जरूरतमंद के इलाज में धन की कमी को बाधक नहीं बनने देगी। स्पष्ट कहा कि बिना चिंता किए उच्चीकृत अस्पतालों में इलाज कराएं, भरपूर आर्थिक मदद मिलेगी। उपचार में जो भी धनराशि खर्च होगी, उसकी व्यवस्था सरकार करेगी।

सीएम योगी ने इसे लेकर अफसरों को निर्देशित भी किया कि जिन लोगों को उपचार में आर्थिक सहायता की आवश्यकता है, उनके एस्टीमेट की प्रक्रिया को जल्द से पूरा कराकर शासन को उपलब्ध कराया जाए। हर जरूरतमंद को मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष से पर्याप्त सहायता राशि उपलब्ध कराई जाएगी। शनिवार सुबह गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन के दौरान योगी ने उक्त बातें कहीं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार देर शाम गोरखपुर पहुंचे थे। गोरखनाथ मंदिर में रात्रि प्रवास के बाद शनिवार सुबह उन्होंने गोरखनाथ मंदिर में आयोजित जनता दर्शन में करीब 200 लोगों से मुलाकात की। उन्होंने मंदिर परिसर में एक-एक करके समस्याएं सुनीं और निस्तारण के लिए आश्वस्त करते हुए उनके प्रार्थना पत्र संबंधित अधिकारियों को हस्तगत किए। उन्होंने सभी लोगों को आश्वस्त किया कि किसी को भी परेशान होने या घबराने की आवश्यकता नहीं है। योगी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे जनता की समस्याओं पर पूरी गंभीरता और संवेदनशीलता से ध्यान देकर उनका त्वरित, गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपरक निस्तारण कराएं ताकि किसी को भी परेशान न होना पड़े। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील रवैया अपनाया जाए और उसकी समस्या का समाधान कर उसे संतुष्ट किया जाए। इसमें किसी भी तरह की कोताही नहीं होनी चाहिए। जनता दर्शन में हर बार की तरह इस बार भी कई लोग (खासकर महिलाएं) स्वयं या परिजनों के गंभीर बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंचे थे।

एक बिटिया ने अपनी मां के इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मनुहार की तो योगी ने कहा, चिंता मत करो, इलाज कराओ, पैसे की व्यवस्था कर दी जाएगी। अन्य को भी इसी आत्मीयता से भरोसा दिया कि इलाज के लिए सभी की पर्याप्त मदद की जाएगी।

जनता दर्शन में महिलाएं स्वयं या परिजनों के बीमारियों में इलाज के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर पहुंची।

जमीन कब्जा या दबंगई पर सख्त कानूनी कार्रवाई होगी

मुख्यमंत्री ने कहा कि यदि कहीं कोई जमीन कब्जा या दबंगई कर रहा हो तो उसके खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए। पारिवारिक मामलों के निस्तारण में दोनों पक्षों को एकसाथ बैठाकर संवाद करने को प्राथमिकता दी जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को यह निर्देश भी दिए यदि कोई पात्र व्यक्ति शासन की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित है तो उसे तत्काल योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराया जाए।

उत्तराखंड से जुड़े दिल्ली बम धमाके के तार, जांच एजेंसियों ने इमाम समेत तीन को उठाया

संवाददाता, हल्द्वानी/नैनीताल

- मुख्य आरोपी से जुड़े मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल से हल्द्वानी का सुराग मिला था
- नैनीताल के तल्लीताल के इमाम से भी पुलिस ने की तीन घंटे तक पूछताछ

अमृत विचार : दिल्ली बम धमाके की जांच कर रहीं एजेंसियों ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र से बिलाली मस्जिद के इमाम मोहम्मद आसिम कासमी और उसके सहयोगी नजर कमाल को हिरासत में लेकर पूछताछ की। वहीं, इमाम के रिश्तेदार और नैनीताल में तल्लीताल क्षेत्र की मस्जिद के इमाम मोहम्मद नईम से भी तल्लीताल पुलिस ने देर रात तक गहन पूछताछ की।

अधिकारियों ने बताया कि दिल्ली पुलिस को लाल किले के बाहर हुए धमाके के मुख्य आरोपी से जुड़े मोबाइल नंबर की कॉल डिटेल से हल्द्वानी का एक सुराग मिला था, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि बिलाली मस्जिद के इमाम मोहम्मद आसिम और बिजली मैकेनिक नजर कमाल को शनिवार भोर होने से पहले ही हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। इस दौरान एसपी सिटी हल्द्वानी मनोज कत्याल और सीओ लालकुआं दीपशिखा अग्रवाल के नेतृत्व में लालकुआं, कालाढूंगी, हल्द्वानी, मुखानी और काठगोदाम थानों से बड़ी संख्या में पुलिस बल बनभूलपुरा पहुंचा। शनिवार को बिलाली मस्जिद और इमाम के घर के आसपास कड़ी सुरक्षा रही। इमाम आसिम मूल रूप से रामपुर (यूपी) के टांडा दड़ियाल का निवासी है। एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी का कहना है कि मामला राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। सुरक्षा एजेंसियों के साथ एसटीएफ और लोकल पुलिस ने कार्रवाई की है। कुछ लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा में बिलाली मस्जिद के बाहर तैनात पुलिस फोर्स।

रामपुर के दढ़ियाल का रहने वाला है मौलाना आसिम

दढ़ियाल। एनआईए की गिरफ्तार में आया मौलाना आसिम रामपुर के कोतवाली टांडा क्षेत्र की नगर पंचायत दढ़ियाल का निवासी है। सूचना पाकर परिवार के सदस्य हल्द्वानी के लिए रवाना हो गए हैं। मौलाना आसिम पिछले दस वर्ष से हल्द्वानी में रह रहा था। मौलाना मोहम्मद आसिम 10 वर्ष पूर्व हल्द्वानी की एक मस्जिद में इमामत करते थे।

ब्रीफ न्यूज

स्वदेशी 'स्टील्थ फ्रिगेट' तारागिरि भारतीय नौसेना को सौंपा गया

नई दिल्ली। अत्याधुनिक युद्ध क्षमताओं से लैस स्वदेशी उन्नत स्टील्थ फ्रिगेट 'तारागिरी' को भारतीय नौसेना को सौंप दिया गया है। नीलगिरि-श्रेणी (प्रोजेक्ट 17ए) के चौथे पोत और मझगांव डॉक शिपबिल्डिंग लिमिटेड (एमडीएल) द्वारा निर्मित तीसरे जहाज 'तारागिरि' को 28 नवंबर को मुंबई स्थित एमडीएल में भारतीय नौसेना को सौंपा गया। यह युद्धपोत डिजाइन और निर्माण में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

प. बंगाल के राज्यपाल ने राजभवन का नाम बदल लोकभवन किया

कोलकाता। प. बंगाल के राज्यपाल बोस ने केंद्र सरकार के एक निर्देश को लागू करते हुए शनिवार को कोलकाता में स्थित राज भवन का नाम बदलकर लोक भवन कर दिया। एक आधिकारिक अधिसूचना में कहा गया है, गृह मंत्रालय के 25/11/2025 के पत्र के अनुरूप, यह अधिसूचित किया जाता है कि कोलकाता के राजभवन, फ्लैगस्टाफ हाउस और दार्जिलिंग में स्थित राजभवन परिसरों का नाम संशोधित करके लोक भवन कर दिया गया है।

सीबीआईसी के नए चेयरमैन बनाए गए विवेक चतुर्वेदी

नई दिल्ली। भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी विवेक चतुर्वेदी को केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर व सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) का चेयरमैन नियुक्त किया है।

मंत्रिमंडल की नियुक्ति समिति ने 1990 बैच के भारतीय राजस्व सेवा अधिकारी को चेयरमैन पद पर नियुक्ति को मंजूरी दी है। वह संजय कुमार अग्रवाल का स्थान लेंगे। अग्रवाल 30 नवंबर को सेवानिवृत्त हो जाएंगे। चतुर्वेदी सीबीआईसी के सदस्य बनने से पहले विभाग में प्रधान महानिदेशक 'विजिलेंस' थे। उन्होंने राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) में विभिन्न पदों पर कार्य किया है और उनके पास जांच कार्यों का अच्छा-खासा अनुभव है।

उप्र में एसआईआर प्रक्रिया तीन महीने बढ़ाने को याचिका दायर

नई दिल्ली। उप्र में जारी मतदाता सूचियों के एसआईआर की अवधि तीन महीने बढ़ाने के लिए उच्चतम न्यायालय में याचिका दायर की गई है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि राज्य में चार सप्ताह में 15.35 करोड़ मतदाताओं का एसआईआर कराना प्रशासनिक रूप से असंभव है और इससे बड़ी संख्या में लोगों के मताधिकार से वंचित होने का खतरा उत्पन्न हो सकता है। भारतीय किसान यूनियन आजाद ट्रस्ट ने याचिका में इस कवायद की अवधि तीन महीने बढ़ाने की मांग की गई है, ताकि गलत तरीके से नाम हटाए जाने से बचा जा सके, ग्रामीणों को परेशानी न हो, सूचियों का सटीक पुनरीक्षण किया जा सके।

तत्काल सुनवाई वाले मामले दो दिनों में होंगे सूचीबद्ध

नई दिल्ली, एजेंसी

- भारत के प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत बोले- 1 दिसंबर से लागू होगी यह व्यवस्था

प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत ने एक दिसंबर से मामलों की सूची को सुव्यवस्थित करने के लिए कदम उठाए हैं तथा मामलों के सूचीबद्ध और उल्लेख के लिए परिपत्र जारी किए गए हैं।

परिपत्र के अनुसार, वादियों को तत्काल सुनवाई की आवश्यकता वाले अपने मामले को सूचीबद्ध करने के लिए पीठ के समक्ष उल्लेख करने की कोई आवश्यकता नहीं है, क्योंकि नए मामले स्वतः ही सूचीबद्ध हो जाएंगे। परिपत्र में कहा गया है, व्यक्तियों की स्वतंत्रता से जुड़े सभी नए मामले और जहां तत्काल अंतरिम आदेश की मांग की गई है और मामले का सत्यापन हो चुका है, अगले दो कार्यदिवसों के भीतर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इसमें कहा गया, सभी जमानत याचिकाओं का शीघ्र निपटान सुनिश्चित करने के लिए, अग्रिम प्रति प्रतिवादी (भारत संघ/राज्य/केंद्र शासित प्रदेश) के संबंधित नोडल अधिकारी/स्थायी वकील को दी जानी चाहिए। परिपत्र के अनुसार, अग्रिम जमानत, मृत्युदंड, बंदी प्रत्यक्षीकरण, बेदखली और तोड़फोड़ की कार्रवाई से संबंधित असाधारण रूप से जरूरी मामले में, जो निर्धारित तिथि पर सूचीबद्ध होने की प्रतीक्षा नहीं कर सकते, अनुरोध सुबह 10:00 बजे से 10:30 बजे के बीच किया जा सकता है। इसमें कहा गया है, किसी भी वरिष्ठ वकील को किसी भी अदालत के समक्ष मौखिक उल्लेख करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

10 माह की बच्ची को उठा ले गया भेड़िया, क्षत-विक्षत शव मिला

संवाददाता, बहराइच

- बहराइच में कोतवाली देहात इलाके के खोरिया सफीक की घटना

अमृत विचार : जिले के कोतवाली देहात इलाके में स्थित खोरिया सफीक ग्राम में शुक्रवार की देर रात मां के साथ सो रही 10 माह की बच्ची को भेड़िया उठा ले गया। आहट पर जागी मां ने शोर मचाया तो परिजनों व ग्रामीणों ने भेड़िया का पीछा किया। घर से करीब 800 मीटर दूर खेत में बच्ची का क्षत-विक्षत शव मिला। कोतवाली देहात पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

श्रावस्ती के गिलौला इलाके के रहने वाले रामचंद्र की पत्नी रमादेवी चार दिन पूर्व अपने मायके खोरिया सफीक आई थी। शुक्रवार की रात वह अपनी 10 माह की बच्ची सुनीता के साथ फूस के मकान में सो रही थी। तभी रात करीब एक बजे भेड़िया बच्ची को जबड़े में दबाकर उठा ले गया। उसकी आहट पर जागी मां ने शोर मचाया तो परिजन जंगली जानवर के पीछे भागे। करीब दो घंटे के बाद घर से लगभग 800 मीटर दूर बच्ची का क्षत-विक्षत शव मिला। सूचना पर कोतवाली देहात पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लिया। वन रेंजर ने बताया कि पगचिह्न से यह भेड़िया नहीं, बल्कि अन्य जंगली जानवर का हमला लग रहा है। फिलहाल हम इसकी जांच कर रहे हैं।

भेड़िया के हमले में घायल बालक की मौत

कैसरगंज, बहराइच। स्थानीय क्षेत्र के ग्राम पंचायत गोड़हिया नंबर तीन के मजरे मल्लाहन पुरवा में शुक्रवार की देर शाम भेड़िया ने घर के बाहर खेल रहे स्टार (पांच वर्ष) पुत्र रोशन कुमार पर हमला कर उसे गंभीर रूप से घायल कर दिया था। बच्चे के दोनों हाथ को भेड़िया चबा गया था। घायल बालक को मेडिकल कालेज बहराइच रेफर किया गया था। वहां से गंभीर हालत में उसे लखनऊ रेफर किया गया, लेकिन रास्ते मे ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

विचार | आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा- देश की परंपरा ने सामूहिक सद्भाव पर हमेशा जोर दिया

भारत की परंपरा भाईचारे में निहित, विवाद हमारे स्वभाव में नहीं

मुंबई, एजेंसी

- नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में की शिरकत

आरएसएस के प्रमुख मोहन भागवत ने शनिवार को कहा कि विवादों में उलझना भारत के स्वभाव में नहीं है और देश की परंपरा ने भाईचारे एवं सामूहिक सद्भाव पर हमेशा जोर दिया है। भागवत ने नागपुर में आयोजित राष्ट्रीय पुस्तक महोत्सव में कहा कि राष्ट्र की अवधारणा के मामले में भारत का दृष्टिकोण पश्चिमी व्याख्याओं से मूलतः भिन्न है। उन्होंने कहा, हमारा किसी से कोई विवाद नहीं है। हम विवादों से दूर रहते हैं।

विवाद करना हमारे देश के स्वभाव में नहीं है। एकजुट रहना और भाईचारे को बढ़ावा देना हमारी परंपरा है। उन्होंने कहा कि दुनिया के अन्य हिस्से संघर्षपूर्ण परिस्थितियों में विकसित हुए हैं। भागवत ने कहा, एक बार कोई मत बन जाने के बाद उससे अलग कोई भी विचार अस्वीकार्य हो जाता है। वे अन्य विचारों के लिए दरवाजे बंद कर देते हैं और उसे 'वाद' कहकर पुकारने लगते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्र की अवधारणा को लेकर भारत का दृष्टिकोण पश्चिमी व्याख्याओं से मूल रूप से भिन्न है। उन्होंने कहा, वे राष्ट्र की हमारी अवधारणा को समझ नहीं पाते, इसलिए उन्होंने इसे 'राष्ट्रवाद' कहना शुरू कर दिया। 'राष्ट्र' की हमारी अवधारणा पश्चिमी अवधारणा से भिन्न है। उन्होंने कहा, हम राष्ट्रीयता शब्द का इस्तेमाल करते हैं, राष्ट्रवाद का नहीं।

विविधता के बावजूद हम एकजुट रहते

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि भारत की राष्ट्रीयता अहंकार या अभिमान से नहीं, बल्कि लोगों के बीच गहरे अंतर्संबंध और प्रकृति के साथ उनके सह-अस्तित्व से उपजी है। उन्होंने कहा, हम सब भाई हैं, क्योंकि हम भारत माता की संतान हैं। हमारे बीच धर्म, भाषा, खान-पान, परंपराओं या राज्यों जैसे किसी मानव-निर्मित तत्व के आधार पर विभाजन नहीं है। विविधता के बावजूद हम एकजुट रहते हैं, क्योंकि हमारी मातृभूमि की यही संस्कृति है। उन्होंने उस ज्ञान के महत्व पर भी जोर दिया जो विवेक की ओर ले जाता है। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि व्यावहारिक समझ और सार्थक जीवन जीना केवल जानकारी रखने से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि सच्ची संतुष्टि दूसरों की मदद करने से मिलती है - यह ऐसी अनुभूति है, जो क्षणिक सफलता के विपरीत जीवनभर बनी रहती है।

एआई का नियंत्रण हमारे पास हो

इस बीच, भागवत ने कार्यक्रम में युवा लेखकों से कहा कि एआई जैसी प्रौद्योगिकी का आगमन रोका नहीं जा सकता, लेकिन इसका इस्तेमाल करते हुए नियंत्रण हमारे पास होना चाहिए और हमें अपनी गरिमा बनाए रखनी चाहिए। एआई का उपयोग मानवता के हित में और मनुष्य को बेहतर बनाने के लिए होना चाहिए।

ADVERTORIAL

उत्तराखण्ड शासन

देवभूमि रजत उत्सव

सुलभ मार्ग, दिव्य दर्शन— सर्दियों में भी चारधाम का आशीर्वाद

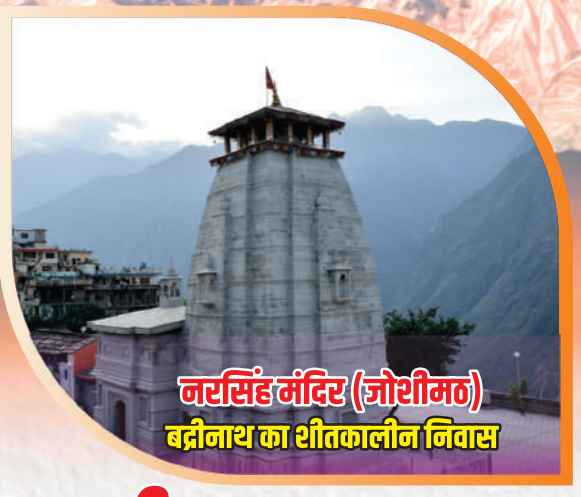

सर्दियों के दौरान जब हिमपात के कारण चारधाम (यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ) के कपाट बंद हो जाते हैं, तब उनके विग्रह प्रतिमाओं को पारंपरिक डोली यात्रा के माध्यम से नजदीकी शीतकालीन पूजा स्थलों में स्थापित किया जाता है। इन ही मंदिरों में 6 महीनों तक पूजा-अर्चना और दर्शन किए जाते हैं। इसे ही **विंटर चारधाम यात्रा** कहा जाता है। शीतकालीन पूजा के दौरान भक्तगण बिना कठिन पर्वतीय यात्रा के अधिक सुलभ मार्ग से दिव्य दर्शन का सौभाग्य प्राप्त करते हैं। इस अवधि में पारंपरिक डांडियों, ढोल-नगाड़ों की गूंज और स्थानीय सांस्कृतिक परंपराओं का अद्भुत अनुभव श्रद्धालुओं को एक अनोखी आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करता है। साथ ही, आसपास स्थित धार्मिक स्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य से भरपूर स्थानों और पर्यटन स्थलों के विशिष्ट आकर्षणों को भी करीब से देखने का अवसर मिलता है। शीतकालीन चार धाम व्यवस्था न केवल आस्था का उत्सव है, बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था, होमस्टे एवं ग्रामीण पर्यटन को भी महत्वपूर्ण रूप से बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्रीय समुदाय की आजीविका और समृद्धि को नए आयाम मिलते हैं।

"माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में हम अपने राज्य की प्राकृतिक सुंदरता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और अपार संभावनाओं का लाभ उठाते हुए समग्र विकास के लिए प्रतिबद्ध हैं। हमारा लक्ष्य स्थायी नीतियों और रणनीतिक पहलों के माध्यम से राज्य के आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, बुनियादी ढांचे में सुधार करना और नागरिकों की जीवन में गुणवत्ता को बेहतर करना है।"

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

"21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा।"

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

प्रकृति की पवित्र पहचान— GI टैग वाले उत्तराखंडी उत्पाद

Geographical Indications of Goods (Registration and Protection) Act, 1999 के अंतर्गत GI टैग उन वस्तुओं को मिलता है जो **विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र** से आती हैं और जिनमें उस क्षेत्र विशेष की **प्राकृतिक विशेषताएँ, उत्पादन पद्धति या सामाजिक-सांस्कृतिक परंपरा** जुड़ी होती है। GI टैग का मुख्य उद्देश्य है: उस उत्पाद को "सिर्फ उस क्षेत्र का असली संस्करण" बताना, नकली या अन्य स्थानों में बनाये गए समान उत्पादों से उसे अलग करना, और स्थानीय किसानों/कुशल कारिगरों को आर्थिक लाभ देना।

उत्तराखंड के GI-टैग वाले उत्पादों की सूची -

- तेजपात
- बेरीनाग चाय
- मंडुआ
- गहत
- बुरांस का शरबत
- सफ़ेद राजमा
- लीची (रामनगर)
- झंगोरा
- काला भट्ट
- पहाड़ी तोर
- लखौरी मिर्च (अल्मोड़ा)
- रामगढ़ आड़ू
- लाल चावल (पुरोला)
- माल्टा
- बिछुआ

हस्तशिल्प और अन्य उत्पाद

ऐपण कला
पारंपरिक कुमाऊँनी कला

रिंगाल शिल्प
रिंगाल बाँस से बने हस्तशिल्प

टम्टा
ताँबे के उत्पाद

थुलमा
एक प्रकार का हस्तशिल्प

भोटिया दान
भोटिया समुदाय की एक हस्तशिल्प वस्तु

लिखाई लकड़ी की नक्काशी
लकड़ी पर की गई जटिल नक्काशी

नैनीताल मोमबत्ती
नैनीताल में बनने वाली मोमबत्तियाँ

कुमाऊँनी रंगीन पिछौड़ा
पारंपरिक रूपांकनों वाला एक रंगीन कपड़ा

रम्माण मुखौटा
चमोली रम्माण उत्सव में इस्तेमाल होने वाले लकड़ी के मुखौटे

परिवार-सा अपनापन और पहाड़ों सा सुकून-उत्तराखण्ड होमस्टे

उत्तराखण्ड के होमस्टे न सिर्फ़ यात्रियों को पहाड़ों के बीच सुकून भरा ठहराव देते हैं, बल्कि स्थानीय लोगों के लिए आय का महत्वपूर्ण साधन भी बन रहे हैं। पर्यटक जब किसी गाँव या छोटे कस्बे में होमस्टे में रुकते हैं, तो उन्हें स्थानीय संस्कृति, भोजन, परंपराओं और ग्रामीण जीवन का असली अनुभव मिलता है। वहीं दूसरी ओर, होमस्टे से मिलने वाली कमाई सीधे स्थानीय परिवारों तक पहुँचती है, जिससे उनकी रोज़गार के अवसर बढ़ते हैं। इससे पहाड़ों से पलायन कम होता है, महिलाएँ आत्मनिर्भर बनती हैं और गाँवों की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है।होमस्टे की यह व्यवस्था पहाड़ के हर घर को पर्यटन से जोड़ती है—जहाँ पर्यटक को परिवार जैसा स्नेह मिलता है और स्थानीय लोगों को एक स्थायी आजीविका का मार्ग।

विंटर वंडरलैंड – बर्फ से ढ़के पहाड़ों की गोद में एक यादगार सफ़र

उत्तराखण्ड की सर्दियाँ— रोमांच, अध्यात्म और प्रकृति प्रेम का अद्भुत संगम, बर्फ से ढकी ऊँची पर्वत चोटियाँ, शांत झीलों का निर्मल सौन्दर्य, देवालयों में गूँजती घंटियों की ध्वनि और ठंडी हवाओं का मधुर स्पर्श—सर्दियों में उत्तराखण्ड अपने सबसे खूबसूरत रूप में जीवंत हो उठता है। यह मौसम पहाड़ों की असली आत्मा को करीब से महसूस करने का दुर्लभ अवसर देता है।

जब ऊँचे हिमालयी क्षेत्र बर्फ की सफेद चादर ओढ़ लेते हैं, तब राज्य के कई स्थल एक खास विंटर टूरिज़्म सीज़न के रूप में पर्यटकों का स्वागत करते हैं। विंटर चारधाम पूजा, बर्फीले बुग्याल, रोमांचकारी ट्रेकिंग मार्ग, वॉटर स्पोर्ट्स, पारंपरिक गाँवों में होमस्टे, और सांस्कृतिक उत्सव—हर अनुभव इस यात्रा को यादगार बना देता है।

यह यात्रा केवल आत्मिक शांति और प्राकृतिक सौन्दर्य का उपहार नहीं, बल्कि स्थानीय समुदायों की आजीविका, होमस्टे, और ग्रामीण पर्यटन को नई शक्ति देने वाला अवसर भी है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्था और समृद्धि को एक नया रास्ता मिलता है।

मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा उत्तराखंड आने वाले पर्यटकों से आग्रह

सिंगल-यूज़ प्लास्टिक से बचें

हिमालय के शांत परिदृश्यों की खोज करते समय, स्वच्छता को प्राथमिकता दें। पहाड़ों के नाजुक पर्यावरण की रक्षा के लिए हमेशा सिंगल- यूज़ प्लास्टिक से बचें।

यातायात नियमों का पालन करें

पहाड़ों में यात्रा करते समय, यातायात नियमों का सख्ती से पालन करें। सतर्क रहें क्योंकि हर जीवन अनमोल है। अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करें और दूसरों की सुरक्षा का सम्मान करें।

वोकल फॉर लोकल

अपनी यात्रा के दौरान, स्थानीय उत्पाद खरीदकर स्थानीय अर्थव्यवस्था का समर्थन करें। अपने यात्रा खर्च का कम से कम 5% प्रामाणिक स्थानीय वस्तुएँ खरीदने के लिए आवंटित करें।

तीर्थ स्थलों की पवित्रता का सम्मान करें

धार्मिक स्थलों पर जाते समय परंपराओं, रीति- रिवाजों और स्थानीय रीति-रिवाजों का सम्मान करें। इन पवित्र स्थलों की गरिमा बनाए रखें और नियमों को समझने और उनका उचित पालन करने के लिए स्थानीय लोगों से सहायता लें।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी | www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR

आज का मौसम

22.0⁰ अधिकतम तापमान

13.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 06.39

सूर्यास्त 05.16

न्यूज ब्रीफ

धूप ने दिखाई गर्मी, शाम को फिर बढ़ी ठिठुरन

मुरादाबाद, अमृत विचार : शनिवार को सुबह घना कोहरा था। लोग ठिठुरने पर मजबूर हो गए। हालांकि, सुबह आठ बजे के बाद कोहरा धीरे-धीरे छट गया, जिससे आसमान साफ हुआ और धूप ने फिर अपनी किरणों से तापमान को बढ़ाने का प्रयास किया। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया, जो आम दिनों के मुकाबले ठंडक को कम करने वाला था। इससे लोगों को ठंड से काफी हद तक राहत मिली। दिन में खुले आसमान के नीचे हवा में गर्माहट महसूस हुई। लोगों ने आनंद लिया। महिलाओं व अन्य लोगों ने सुबह जल्दी से अपना काम निपटाया और छत व आसपास पार्क में धूप का आनंद लिया। लेकिन, शाम होते ही तापमान में गिरावट होने लगी और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। ठिठुरन फिर से बढ़ गई।

आजम खां और परिवार पर हो रहे जुल्म: आसिम

रामपुर, अमृत विचार : सपा नेता आसिम खान ने आजम खान को दो पैन कार्ड मामले में सजा होने पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान निवासी अशोक और विकास को एनआईए अदालत ने देश से गद्दारी करने व जासूसी करने के जुर्म में मात्र 5 साल 11 महीने की सजा का एलान किया है। वहीं दूसरी तरफ 76 साल के बुजुर्ग मोहम्मद आजम खान, बेटे अब्दुल्ला को दो पैन कार्ड रखने के जुर्म में 7-7 साल की सजा सुनाई है। चरित्र में आजम खान का सारा जीवन राष्ट्र की सेवा में गुजरा। उन्होंने जौहर विवि की स्थापना कर देश के निर्माण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने मांग की कि उनकी सेहत को देखते हुए उन्हे जमानत पर रिहा किया जाए।

गैंगस्टर एक्ट के दोषी को दो वर्ष की सजा

रामपुर, अमृत विचार : मुरादाबाद के कुंदरकी के गांव बछुआ निवासी चांदबाबू पर कुछ समय पहले टांडा पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी। जिसकी सुनवाई एडीजे तृतीय कोर्ट में हो रही थी। शनिवार को कोर्ट ने दोषी को दो वर्ष का कारावास और 8 हजार का जुर्माना डाला गया है।

तेज रफ्तार कैंटर की टक्कर से बच्चे की मौत

दादी का हाथ पकड़ घर जाने को सड़क पार कर रहा था अरहान, गुस्साए परिजनों ने हाईवे किया जाम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : थाना मूंढापांडे क्षेत्र में शनिवार सुबह एक बच्चे की हादसे में मौत हो गई। वह दादी का हाथ पकड़ घर जा रहा था तभी काशीपुर से दलपतपुर की ओर जा रहे पानी की बोतलों से भरी तेज रफ्तार कैंटर ने टक्कर मार दी। जिससे बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। चालक वहां कैंटर छोड़कर भाग निकला। गुस्साए परिजनों ने मुरादाबाद-काशीपुर रोड पर जाम लगा दिया। मौके पर पहुंची पुलिस ने लोगों को समझाकर जाम खुलवाया।

मृतक अरहान।

शनिवार की सुबह मिलक बुजपुर आशा गांव निवासी अरहान(4) दादी के साथ घेर से घर जा रहा था। पिता भूरा ने बताया कि वह रात दादी के साथ घेर पर सो रहा था। भूरा का घर और घेर के बीच मुरादाबाद से काशीपुर जाने वाला नेशनल हाईवे पड़ता है। भूरा के मुताबिक रोज ही हाईवे इस पार से उस पार दिन कई चक्कर लगते है। शनिवार सुबह तेज गति से काशीपुर की ओर से आ रहे पानी की बोतलों से भरे कैंटर ने सड़क पार कर रहे अरहान को टक्कर मार दी जिसके बाद वह जमीन गिर गया और कैंटर का पहिया उसे कुचलता हुआ चला गया। लोगों ने जब बच्चे को सड़क पर पड़ा देखा तो हड़कंप मच गया। जानकारी मिलने पर परिजन रोते बिलखते पहुंच गए। अरहान की मौत की खबर सुन ग्रामीणों में आक्रोश फैल गया। लोग बड़ी संख्या में दलपतपुर काशीपुर अलीगंज मुख्य मार्ग पर उतर आए और सड़क जाम कर दी। हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि इस मार्ग पर भारी वाहन तेज रफ्तार से निकलते हैं और कई बार हादसे हो चुके हैं, लेकिन प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की। सूचना पर मुंढापांडे थाना प्रभारी मोहित चौधरी मौके पर पहुंचे और चालक के खिलाफ कड़ी कार्रवाई और पीड़ित परिवार को सहायता देने की बात कह कर लोगों को समझाया। जिसके बाद लोगों ने पुलिस के आश्वासन पर जाम खोल दिया। हादसे के मौके पर खड़े कैंटर को पुलिस ने थाने ले आई।

हाईवे पर जाम लगते परिजन और ग्रामीण। ● अमृत विचार

● पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को समझा कर आधे घंटे बाद खुलवाया जाम

अक्सर होते हैं हादसे, स्पीड ब्रेकर लगवाएं प्रशासन

आक्रोशित ग्रामीणों ने बताया कि तेज रफ्तार वाहनों के चलते अक्सर सड़क दुर्घटनाएं होती है। जिसमें लोग चोटिल होते हैं तो कही काल के गाल में समा जा जाते हैं। ग्रामीणों ने मार्ग पर स्पीड ब्रेकर व चेतावनी बोर्ड लगाने की मांग की जिससे भविष्य में ऐसे हादसों पर रोक लग सके।

> सूचना पर मौके पर गया था। परिवार और गांव के लोगों को समझा कर सड़क से हटाया गया। पिता ने किसी प्रकार कोई कार्रवाई और बच्चे के शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया। जिसके बाद बच्चे का शव परिजनों को सौंप दिया गया।
>
> – मोहित चौधरी, थाना प्रभारी मूंढापांडे

दरियापुर में रामगंगा पुल निर्माण पर वन विभाग ने लगाई रोक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● भाजपा प्रवक्ता जफर इस्लाम ने गोद लिया था गांव

● बिना अनुमति शुरू हुए कार्य पर कार्रवाई के संकेत

अमृत विचार: भाजपा प्रवक्ता जफर इस्लाम के गोद लिए गए दरियापुर गांव के पास रामगंगा नदी पर प्रस्तावित पुल निर्माण एक बार फिर विवादों में है। पुल निर्माण कार्य लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) द्वारा शुरू कराई गई थी,लेकिन अब वन विभाग ने बिना अनुमति कार्य शुरू होने पर रोक दिया है।

दरियापुर गांव में पुल निर्माण स्थल वन क्षेत्र से सटे एरिया में आता है। शनिवार को बिजनौर के डीएफओ जय सिंह कुश्वाह ने बताया कि पुल निर्माण के लिए न तो एनओसी ली गई और न ही आवश्यक वन स्वीकृति की प्रक्रिया पूरी की गई, जिसके चलते उन्होंने तत्काल प्रभाव से कार्य रोकने के आदेश दिए। लोक निर्माण विभाग के खिलाफ वन विभागीय कार्रवाई की बात सही है,लेकिन पुलिस द्वारा किसी प्रकार की दंडात्मक कार्रवाई न की गई है। क्योंकि मामला विभागीय जांच के दायरे में है। वन विभाग के मुताबिक, बिना अनुमति कार्य शुरू कराने में लोक निर्माण विभाग के जिम्मेदार अधिकारी और कार्यदायी एजेंसी के दो ठेकेदारों की भूमिका सामने आई है। इन पर विभागीय दंड निर्धारित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। डीएफओ ने कहा कि बिना एनओसी किसी भी प्रकार का निर्माण कार्य वर्जित है।

विभागीय नियमों का उल्लंघन किया गया है, इसलिए पुल निर्माण को तत्काल रोक दिया गया है। उधर पुल निर्माण स्थल क्षेत्र में लोक निर्माण विभाग के सात जूनियर इंजीनियर आते हैं उनका कहना है अगस्त के महीने में एनओसी की फाइल स्टेनो अलतमश जैदी को दी गई थी।फाइल का दो महीने तक पता ही नहीं चला कहां है। पुल निर्माण रुकने से क्षेत्र के ग्रामीणों में निराशा है, क्योंकि लंबे समय से इस पुल की मांग उठती रही है। अब आगे की कार्रवाई वन विभाग और पीडब्ल्यूडी की संयुक्त जांच रिपोर्ट पर निर्भर करेगी।

आजम और अब्दुल्ला को बैरक में किया शिफ्ट

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● 18 नवंबर को दो पैन कार्ड मामले में हुई थी पिता-पुत्र को सजा

अमृत विचार: दो पैनकार्ड मामले में 18 नवंबर को आजम खां और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को सात-सात साल की सजा होने के बाद जिला कारागार भेजा गया। 10 दिन तक उनको क्वारंटाइन बैरक में रखा गया था। जेल प्रशासन का कहना है कि दोनों को बैरक में रखा गया है। पिता पुत्र एक साथ है या अलग-अलग इस पर जेल प्रशासन ने चुप्पी साध ली है।

दो पैन कार्ड से जुड़े मामले में भाजपा के शहर विधायक आकाश सक्सेना ने 2019 छह साल पहले सिविल लाइंस थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। असत्य एवं कूटरचित दस्तावेजों के आधार पर पैन कार्ड बनवाया गया। उसके बाद उसका उपयोग में भी लाया गया था। एक पैनकार्ड में जन्म तिथि 1 जनवरी 1993 है। दूसरे में जन्म तिथि 30 सितंबर 1990 दर्ज है। पुलिस ने जांच पूरी करके आरोप पत्र न्यायालय में दाखिल कर दिए थे। 18 नवंबर को आजम खां और उनके बेटे को सात-सात साल की सजा के साथ 50 हजार का जुर्माना डाला था। पुलिस कस्टडी में दोनों जिला कारागार में चले गए थे। दोनों को 10 दिन के लिए क्वारंटाइन बैरक में रखा गया था। जेल अधीक्षक राजेश यादव ने बताया कि नियमों के अनुसार ही दोनों को बैरक में रखा गया है। इसके अलावा उन्होंने इससे आगे की कोई भी जानकारी देने से मना कर दिया। कहा कि नियमों के अनुसार सारे काम किए जा रहे हैं।

दाखिल करने होंगे दो जमानती और मुचलका

रामपुर, अमृत विचार : स्व. अमर सिंह के परिवार पर विवादित बयान देने के मामले में सपा नेता आजम खां भले ही दोषमुक्त कर दिए गए हों,लेकिन उन्हें अब दो जमानती और 20 हजार का निजी बंध पत्र दाखिल करना होगा। राज्यसभा सदस्य रहे अमर सिंह ने लखनऊ में डीजीपी के आदेश पर पांच मार्च 2020 को मुकदमा दर्ज कराया था। जिसमें आरोप लगाया था कि आजम खां ने एक निजी चैनल को इंटरव्यू में उनके परिवार पर अमर्यादित बयानबाजी की है। बयान इंटरव्यू जौहर विवि में दिया गया था, लिहाजा लखनऊ से केस रामपुर के अजीमनगर थाने में ट्रांसफर हो गया था। शुक्रवार को इस केस में एमपी-एमएलए मजिस्ट्रेट कोर्ट शोभित बंसल की अदालत ने साक्ष्यों के अभाव में आजम खां को बरी कर दिया। कोर्ट ने आदेश दिया कि आजम खां 20-20 हजार के दो जमानती और इतनी ही धनराशि का एक निजी बंध पत्र दाखिल करें। साथ ही इस कोर्ट के फैसले के अभियोजन द्वारा अपील की जाती है तो अपीलीय न्यायालय में नोटिस जारी होने पर उपस्थित होंगे।

लापरवाही: अनाधिकृत गर्भ गिराने को लेकर मांगी सूचना का सीएमओ ने नहीं दिया जवाब

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● 6 नवंबर तक भेजनी थी रिपोर्ट, जानकारी न देने पर भेजा नोटिस

● सरकारी और निजी अस्पतालों का तीन साल का मांगा गया है डाटा

अमृत विचार : शासन ने सभी सरकारी और निजी चिकित्सालयों में किए जा रहे संदिग्ध व अनावश्यक गर्भाशय-उच्छेदन (हिस्टरेक्टॉमी) की जांच के लिए बड़ा कदम उठाया है। स्वास्थ्य विभाग के निदेशक की ओर से जारी पत्र में मुख्य चिकित्सा अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि वे जिले के सरकारी अस्पताल, निजी नर्सिंग होम और निजी अस्पतालों से गर्भाशय हटाने के मामलों का ब्योरा तत्काल शनिवार तक उपलब्ध कराएं।

19 अगस्त को जारी पूर्व आदेश के क्रम में सभी सरकारी और निजी चिकित्सालयों में विगत तीन वर्षों के दौरान की गई हिस्टरेक्टॉमी का डाटा मांगा था। इसमें मरीज की उम्र, ऑपरेशन का कारण, पूर्व उपचार और अस्पताल का नाम जैसी सूचनाएं शामिल करने को कहा गया, ताकि यह पता लगाया जा सके कि किन मामलों में ऑपरेशन चिकित्सकीय रूप से वाकई जरूरी था। पत्र में स्पष्ट किया कि कहीं भी अनावश्यक या बिना उचित जांच के गर्भाशय हटाए जाने की शिकायत मिलती है तो संबंधित संस्थान की जिम्मेदारी तय की जाएगी। सीएमओ को निर्देश दिए गए कि वे 6 नवंबर तक निदेशालय को भेज दें। इसके लिए अलग-अलग प्रपत्र तैयार किए गए, जिनमें सरकारी और निजी संस्थानों से आंकड़े ऑनलाइन ईमेल के माध्यम से भेजने को कहा गया। आदेश में यह भी कहा गया है कि समय-सीमा के भीतर सही और पूर्ण डाटा न भेजने पर संबंधित अधिकारी की जवाबदेही तय की जाएगी। जबकि, सीएमओ की ओर से तय तिथि में शासन को जानकारी नहीं भेजी गई, जिस पर अब फिर बीते बुधवार को नोटिस जारी किया और शनिवार तक डाटा भेजने के निर्देश दिए गए।

अनावश्यक हिस्टरेक्टॉमी पर बढ़ती चिंता

पिछले कुछ वर्षों में देश के कई राज्यों में गरीब और कम पढ़ी-लिखी महिलाओं के गर्भाशय अनावश्यक रूप से हटाने के मामले सामने आए हैं, जिनमें निजी अस्पतालों की भूमिका पर सवाल उठे हैं। न्यायालयों और विशेषज्ञ समितियों ने पाया कि कई जगह बिना पर्याप्त जांच, केवल आर्थिक लाभ के लिए भी ऑपरेशन किए गए, जिससे महिलाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर असर पड़ा। ऐसे में सरकार ने हिस्टरेक्टॉमी के लिए सख्त मानक संचालन प्रक्रिया और निगरानी व्यवस्था लागू की है।

महिलाओं की सुरक्षा और जवाबदेही पर जोर

नए आदेश में कहा गया है कि हिस्टरेक्टॉमी केवल अंतिम विकल्प के रूप में, सभी चिकित्सकीय विकल्पों की समीक्षा के बाद ही की जानी चाहिए। स्वास्थ्य विभाग का मानना है कि जिलों से आने वाला डाटा न केवल संदिग्ध मामलों की पहचान करेगा, बल्कि भविष्य के लिए ऐसी नीति बनाने में मदद करेगा। इससे महिलाओं को अनावश्यक ऑपरेशन से बचाया जा सके। आदेश में सभी अस्पतालों को महिला रोगों के उपचार में राष्ट्रीय दिशा-निर्देशों का पालन करने और मरीज को पूर्ण जानकारी देकर उसकी सहमति लेने पर जोर दिया गया है।

ट्रैक्टर-ट्रॉली और बाइक की भिड़ंत में महिला की मौत, पति घायल

संवाददाता, सैदनगर

● खौद बाजार के पास ट्रैक्टर की टक्कर से हुआ हादसा

अमृत विचार : अजीम नगर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात आठे बजे गन्ने से भरे ट्रैक्टर-ट्रॉली की बाइक में टक्कर से महिला की मौत हो गई, जबकि पति घायल है। परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्रवाई के महिला को सुपुर्द खाक कर दिया।

शुक्रवार रात हादसा थाना क्षेत्र के स्वार रोड स्थित खौद साप्ताहिक बाजार के पास हुआ। थाना क्षेत्र के इमरता गांव निवासी वाजिद अपनी पत्नी शबाना के साथ रामपुर गए थे। रात करीब 8 बजे दोनों पति-पत्नी बाइक से घर लौट कर आ रहे थे। परिजनों ने बताया कि खौद साप्ताहिक बाजार के पास बाइक में पीछे से आ रहे गन्ने से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली ने टक्कर मार दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कुछ दूरी पर खड़े ट्रैक्टर को कब्जे में ले लिया है। हादसे के बाद पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई और पति को चोट आई। पुलिस व रिश्तेदारों की मदद से घायल महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया। हालत नाजुक होने पर डॉक्टरों ने हायर सेंटर रेफर कर दिया।

मुरादाबाद अस्पताल में डॉक्टरों ने शबाना को मृत घोषित कर दिया। परिजन शव घर लेकर पहुंचे तो कोहराम मच गया। परिजनों ने बिना किसी कानूनी कार्यवाही के महिला को सुपुर्द ए खाक कर दिया।

कार ने बाइक को मारी टक्कर युवक की मौत

बिजनौर, अमृत विचार : कोतवाली शहर क्षेत्र में डीएम कंपाउंड के पास शुक्रवार देर रात सड़क हादसे में 26 वर्षीय युवक राहुल सैनी की मौत हो गई। राहुल सैनी रामलीला ग्राउंड का निवासी था और एक कोरियर कंपनी में काम करता था।

रात करीब 11:30 बजे जैसे ही राहुल चर्च के निकट डीएम कंपाउंड के पास पहुंचा, तभी तेज गति से आई एक कार ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। राहुल की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद कार चालक वाहन को सड़क किनारे छोड़कर फरार हो गया। शहर कोतवाल धर्मेंद्र सोलंकी ने बताया कि मृतक के परिजनों द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

90 हजार की चोरी का खुलासा, एक गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

● जिगर कॉलोनी में 18 नवंबर को हुई थी वारदात

अमृत विचार : कोतवाली नगर पुलिस ने जिगर कॉलोनी में हुई 90 हजार की चोरी की वारदात का खुलासा करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने घटना को अंजाम देने वाले दो आरोपियों में से एक को पकड़ लिया है। जब कि एक आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से दूर है।

शनिवार को अपने कार्यालय में एसपी सिटी कुमार रणविजय सिंह ने बताया कि कोतवाली सदर क्षेत्र में 18 नवंबर को दो लोगों एक दुकान में सीढ़ी लगा कर गल्ले से 90 हजार की चोरी की थी। घटना के संबंध में पीड़ित से मिली तहरीर के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज चोरों की तलाश शुरू कर दी थी। जिसमें चोरी की घटना में शामिल विनय कुमार निवासी मुगलपुरा को रेलवे कॉलोनी क्षेत्र से पकड़ लिया और उसकी तलाशी लेने पर चोरी किए गए रुपयों में 15,000 नकद उसकी जेब से मिली। पूछताछ में विनय ने बताया कि उसने अपने साथी शिवम के साथ मिलकर दुकान के गल्ले से नकदी चोरी की थी। वारदात के दौरान शिवम ने दुकान पर सीढ़ी लगाई, जबकि विनय अंदर घुसकर रकम लेकर फरार हो गया था।सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार किया, जबकि उसका साथी शिवम अभी फरार है। पुलिस उसकी तलाश कर रही है।

ग्राम पंचायतों की ऑडिट समीक्षा में मुरादाबाद मंडल की स्थिति बेहद खराब

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● रामपुर में 1561 आपत्तियां लंबित मंडलायुक्त ने सभी डीपीआरओ को भेजा नोटिस

अमृत विचार : प्रदेश स्तर पर ग्राम पंचायतों में खर्च हुई धनराशि की ऑडिट समीक्षा बैठक में मुरादाबाद मंडल की स्थिति बेहद खराब पाई गई। समीक्षा के दौरान ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण में हो रही गंभीर लापरवाही पर लखनऊ में डीडी पंचायत ने अधिकारियों से जल्द निस्तारण कराने की बात की। उपनिदेशक पंचायत राज ऑडिट की आपत्तियों के स्थिति के संबंध मंडलायुक्त को अवगत कराया है। जिस पर उन्होंने सभी डीपीआरओ को नोटिस जारी किया है।

शनिवार को उप निदेशक पंचायत राज अभय कुमार ने बताया कि मंडल के पांचों जिलों में मुरादाबाद, रामपुर, संभल, अमरोहा और बिजनौर में वर्षों से लंबित ऑडिट आपत्तियों का निस्तारण नहीं हो पाया है। सबसे खराब स्थिति रामपुर जिले की मिली, जहां 1561 आपत्तियों में कुछ पिछले दस वर्षों से लंबित चली आ रही हैं।

वहीं मुरदाबाद में 1003, बिजनौर में 1503, संभल में 701 और अमरोहा में 497 आपत्तियां अभी तक अनसुलझी हैं।इस पर नाराजगी जताते हुए डीडी पंचायत ने पूरी रिपोर्ट मंडलायुक्त को भेज दी है। मंडलायुक्त ने सभी डीपीआरओ से तत्काल जवाब तलब किया है और कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। लखनऊ में हुई बैठक में साफ कहा गया कि ऑडिट आपत्तियों का लंबित रहना ग्राम पंचायतों में वित्तीय अनियमितताओं और निगरानी तंत्र की कमजोरियों की ओर इशारा करता है।

लापरवाही मिलने पर होगी कार्रवाई

उप निदेशक पंचायत राज ने बताया कि मंडल स्तर पर जल्द ही विशेष अभियान चलाकर सभी लंबित ऑडिट आपत्तियों के निस्तारण की तैयारी की जा रही है, साथ ही लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई होगी।

बैठक सर्किट हाउस में अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा चिकित्सा शिक्षा ने की समीक्षा बैठक

टीकाकरण में बिजनौर व संभल में आउटब्रेक पर जताई नाराजगी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : प्रदेश के अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण और चिकित्सा शिक्षा विभाग अमित कुमार घोष ने शनिवार को मुरादाबाद के सर्किट हाउस में बैठक में स्वास्थ्य विभाग की योजनाओं व परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा में बिजनौर व संभल में आउटब्रेक पर कड़ी नाराजगी जताई। कहा कि प्रतिक्षण पर विशेष ध्यान दें जिससे किसी क्षेत्र में आउटब्रेक की स्थिति न बने।

उन्होंने अपर निदेशक, संयुक्त निदेशक, मुख्य चिकित्सा अधिकारियों, प्रमुख चिकित्सा अधीक्षकों, मुख्य चिकित्सा अधीक्षकों, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत स्थापित मंडलीय व जनपदीय कार्यक्रम प्रबन्धन इकाई के समस्त प्रबन्धकों के साथ बैठक में योजनाओं की समीक्षा की। अस्पतालों में वेंटीलेटर की क्रियाशीलता सुनिश्चित कर उसका समुचित उपयोग करने का निर्देश चिकित्साधिकारियों को दिया।

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत व विभाग की अन्य स्वास्थ्य योजनाओं व कार्यक्रमों जैसे प्रधानमंत्री आयुष्मान जन आरोग्य योजना, क्वालिटी एश्योरेंस, आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, एफआरयू, मातृ स्वास्थ्य व बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम, वित्तीय प्रगति व टीकाकरण कार्यक्रम की समीक्षा की। उन्होंने निर्देश दिया कि जिलों में राजकीय व निजी मेडिकल कॉलेजों और अस्पतालों में उपलब्ध समस्त वेन्टीलेटर का प्रयोग सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। आयुष्मान जन आरोग्य योजना के अन्तर्गत जीरो पॉवर्टी के लक्षित लाभार्थियों का 2 दिनों में शत प्रतिशत कार्ड उपलब्ध कराने के लिए कहा। राष्ट्रीय क्षय रोग उनमूलन कार्यक्रम के अन्तर्गत रामपुर की प्रगति अच्छी होने पर उन्होंने सराहना की। जिला क्षय रोग अधिकारी को प्रशस्ति पत्र देने का निर्देश दिया। अभियान के अन्तर्गत टीबी मुक्त ग्राम पंचायत की रिपोर्टिंग को मानक के अनुसार करने के लिए कहा। अपर मुख्य सचिव ने क्वालिटी एश्योरेंस के अन्तर्गत इकाइयों की गैप एनालाइसिस कर वास्तविक सुधार सुनिश्चित करने के लिए निर्देश दिया। बैठक में एडी हेल्थ रितु कत्याल, मुख्य चिकित्साधिकारी मुरादाबाद डॉ. कुलदीप सिंह सहित अन्य जिलों के सीएमओ, एसीएमओ, डिप्टी सीएमओ, अस्पतालों के प्रमुख अधीक्षक, मुख्य चिकित्साधीक्षक और राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के जिला कार्यक्रम प्रबंधक आदि मौजूद रहे।

सर्किट हाउस में हुई बैठक में मौजूद अधिकारी। ● अमृत विचार

प्रकाशित नकारात्मक खबरों पर तुरंत उठाएं सुधारात्मक कदम

मुरादाबाद मंडल मुख्यालय की समीक्षा में एएनएम की संख्या कम होने पर प्रस्ताव शासन को भेजने, मीडिया में प्रकाशित स्वास्थ्य विभाग की नकारात्मक खबरों पर त्वरित सुधारात्मक कदम उठाने और इसकी जानकारी शासन तक भेजने, कार्यकर्ताओं व कर्मचारियों के मानदेय व इन्सेंटिव का समय से भुगतान करने और जिला अस्पतालों व सीएचसी के फायर सेफ्टी व इलेक्ट्रिक आडिट कराकर सभी जरूरी उपकरण रखने का निर्देश भी दिया। इसके अतिरिक्त जन प्रतिनिधियों के प्रस्तावों को शासन स्तर पर प्राथमिकता पर भेजने, एम्बुलेंस एएए का समुचित उपयोग कर मरीज तक पहुंचना सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।

गांव में ही बनेंगे बुजुर्गों के आयुष्मान कार्ड

मुरादाबाद, अमृत विचार : प्रधानमंत्री जन आरोग्य आयुष्मान भारत योजना के तहत अब 70 वर्ष से अधिक आयु वाले बुजुर्गों को गांव में आयुष्मान कार्ड उपलब्ध कराया जाएगा। उन्हें सीएचसी या अन्य अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे। स्वास्थ्य विभाग इसके लिए जिले की सभी 643 ग्राम पंचायतों में विशेष शिविर आयोजित कर रहा है।

शिविर की शुरुआत मंगलवार से हो चुकी है, जो 25 दिसंबर तक चलेगी। इन शिविरों में पंचायत सहायकों, आशा और एएनएम को जिम्मेदारी दी गई है, जबकि सीएचसी प्रबंधन भी सहयोग करेगा। ग्राम प्रधानों को नोडल नामित किया गया है। जिले में 75 हजार बुजुर्ग हैं, जिन्हें अभियान से जोड़ा जाना है। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि पहले आयुष्मान कार्ड केवल उन्हीं परिवारों को मिल रहा था जिनके राशन कार्ड में सदस्यों की आयु 60 वर्ष से अधिक होती थी। संशोधित नियम लागू होने के बाद हर बुजुर्ग (70 वर्ष से ऊपर) को योजना से जोड़ा गया है।

पराली में मिला युवक का जला शव, मची खलबली

कार्यालय संवाददाता,रामपुर

● केमरी थाना क्षेत्र की घटना, एचटी लाइन में शॉर्ट सर्किट से आग लगने की आशंका

अमृत विचार : शनिवार सुबह केमरी थाना में गांव हरैया कला के बाहर नहर किनारे लगे पराल के ढेर पर कुछ लोगों ने एक व्यक्ति का जला हुआ शव देखा। खबर आग की तरह गांव में फैल गई। पुलिस भी मौके पर आ गई और शव को कब्जे में लिया।

युवक की पहचान केमरी थाना क्षेत्र के पजैया गांव निवासी मुकेश शर्मा(45) के रूप में हुई है। मुकेश विवाह समारोह, अन्य कार्यक्रमों में हवन-पूजन कर परिवार का भरण-पोषण करते थे। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष हिमांशु चौहान पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम भी घटनास्थल पर पहुंची। मौका मुआयना करते हुए साक्ष्य एकत्रित किए। ग्राम प्रधान जितेंद्र पन्नू ने बताया कि मुकेश नशे की हालत में नहर में मिले थे। कुछ ग्रामीणों ने उन्हें नहर से निकालकर ठंड से बचाने के लिए पराल के ढेर पर लिटा दिया था। आशंका जताई जा रही है कि ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन में शॉर्ट सर्किट होने से पराली में आग लगी होगी।वहीं थाना हिमांशु चौहान का कहना है कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अभी तक कोई तहरीर प्राप्त नहीं हुई है, तहरीर मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस हर पहलू पर कर रही जांच

शव जला हुआ मिलने के बाद लोगों में दहशत का माहौल है कि कहीं हत्या करने के बाद तो जलाया नहीं गया। प्रधान के अनुसार ठंड से बचाने को पराली पर लिटाया था। इसी बीच बिजली की चिंगारी से वह जल गया। पुलिस हर पहलू पर जांच कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही सच्चाई सामने आएगी।

अमृत विचार
मुरादाबाद , रविवार,30 नवंबर 2025

शहर में आज

☞आर्य समाज स्टेशन रोड पर साप्ताहिक यज्ञ व सत्संग प्रात : 8 :00 बजे

☞नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर आरोग्य मेला सुबह 10 :00 बजे

न्यूज ब्रीफ

कार के लिए विवाहिता को मारपीट कर निकाला

छजलैट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र में दहेज की मांग पूरी न होने पर विवाहिता को मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने पीड़िता के भाई की तहरीर पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अमरोहा देहात थाना क्षेत्र के ग्राम एहरोई निवासी रीना की शादी 28 मई 2025 को विवेक पुत्र गुलाल सिह निवासी फोल्डा थाना छजलैट के विवेक के साथ हुई थी। विवाह में रीना के भाई ने अपनी हैसियत के हिसाब से अधिक दान दहेज भी दिया । बावजूद, ससुराल वाले संतुष्ट नहीं थे। वेर शादी के बाद से ही कार की मांग करने लगे। जब रीना ने असमर्थता जताई, तो उसके पति, सास और अन्य परिवार के सदस्यों ने उसे मारपीट कर घर से निकाल दिया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

थाने में रील बनाकर वायरल करने वाले किसान नेता पर कार्यवाही

कुंदरकी,अमृत विचार : रौब जमाने के लिए थाना प्रभारी और पुलिसकर्मियों के साथ थाने में रील बनाकर वायरल करने वाले किसान नेता के खिलाफ उच्च अधिकारियों के आदेश के बाद कुंदरकी पुलिस ने कार्यवाही की। किसान यूनियन के इस नेता ने अपने साथियों के साथ थाने में प्रवेश किया और रील बनाई, जिसमें वह थाना प्रभारी के साथ दिखाई दे रहा है और उसने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा था, सहरा में भी रब चाहेगा तो खिल के रहेगी, इज्जत मेरे हिस्से की मुझे मिलकर रहेगी। सीओ बिलारी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि थाना परिसर में रील बनाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई की गई है। इसके बाद किसान नेता ने वीडियो डिलीट कर दिया।

मारपीट में दंपती समेत तीन पर केस दर्ज

भोजपुर, अमृत विचार : प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार को दी तहरीर में गांव गनीमतनगर उर्फ सिहाली निवासी नौबत की पत्नी मीना ने बताया है कि पुरानी रंजिश को लेकर पड़ोसी नन्हे उसकी पत्नी ज्योति और भाई रंजीत उसके जेठ फूल सिंह को गालियां दे रहे थे। जेठ ने गालियां देने को मना करा तो आरोपी डंडों से पीटने लगे। जेठ को पिटता देखकर बीच-बचाव करने गई तो आरोपियों ने मुझे भी डंडों से पीटकर घायल कर दिया।

मतदाताओं को सूची में नहीं मिला नाम, हुए परेशान

मतदाता सूची के गहन पुनरीक्षण कार्य में शत प्रतिशत लक्ष्य हासिल करने को लगा था विशेष शिविर

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर शनिवार को जिला प्रशासन की ओर से बूथों पर विशेष शिविर लगवाया गया। जिसमें पहुंचकर मतदाताओं ने अपने एसआईआर फार्म भरने संबंधी प्रक्रिया में जटिलताओं के समाधान की जानकारी ली। हालांकि बहुत से मतदाताओं का नाम बूथों के कई केंद्र पर बंट जाने से परेशानी हुई। वह कभी इस तो कभी दूसरे बूथ पर चक्कर काटते रहे। कई मतदाताओं को जब बीएलओ के पास मौजूद सूची में नाम नहीं मिला तो वह प्रक्रिया की खामियां गिनाते हुए वापस लौट गए। रामगंगा विहार के सोनकपुर स्टेडियम में बने बूथ पर 11:30 बजे बीएलओ लव कुमार और विजेता मौजूद मिले। बूथ पर एक महिला मतदाता मतदाता पहचान पत्र लेकर सूची में अपना नाम तलाश कराते मिलीं। उनका नाम सूची में न होने पर उन्होंने हैरत जताई। इसी प्रकार कई अन्य मतदाता आए जिनके नाम सूची में नहीं मिलने से परेशान

सोनकपुर स्टेडियम बूथ पर सूची में नाम तलाशते बीएलओ। ● अमृत विचार

आशियाना में बूथ पर अपने फार्म जमा करते लोग। ● अमृत विचार

● 2003 की सूची में नाम तलाशने में उलझे मतदाता

थे। बीएलओ ने उन्हें बताया कि पहले सोनकपुर स्टेडियम में छह बूथ बनते थे। जो बाद में केवल दो रह गए। यहां के दो बूथ आशियाना फेज दो स्थित आरआरके स्कूल में परिवर्तित हो गए हैं और दो बूथ एक अन्य स्कूल में शिफ्ट हो गए हैं। इससे मतदाताओं का माथा चकरा गया। एक वोटर तो यह कह रहे थे कि परिवार के दो सदस्यों का नाम इस बूथ पर और अन्य नाम दूसरे बूथ पर इतनी दूर भेजने का क्या औचित्य है। इस प्रकार तो परिवार के लोग भटकते फिरेंगे। वहीं एक अन्य मतदाता जो इस बूथ पर हमेशा वोट देते रहे वह नाम न होने पर आरआरके स्कूल का चक्कर काटकर दोबारा यहां लौटे थे कोई समाधान न मिलने पर नाराज होकर बूथ से यह कहकर लौट गए कि जनवरी में नये वोटर्स बनने की प्रक्रिया चलेगी तो फिर से वोट रजिस्टर करा लेंगे। ऐसे ही कई मतदाताओं की परेशानियां सामने आईं जिनका समाधान बीएलओ भी नहीं कर पा रहे थे। इसके अलावा पिछले विधानसभा चुनाव में वोट देने वाले बहुत से मतदाताओं का नाम भी वर्तमान वोटर लिस्ट में न होने से वह बूथों पर बीएलओ से नोकझोंक भी करते रहे। बीएलओ बेचारे अपने स्तर से मतदाताओं को जानकारी देने में लगे रहे लेकिन जवाब से संतुष्ट न होने वाले लोग उन्हें झिड़क कर जाते रहे।

जोश के साथ पहुंचे मतदाता, निराश होकर लौटे

मुरादाबाद देहात विधानसभा के अन्तर्गत आने वाले आरआरके स्कूल वाले बूथ की भी रही। लोग एसआईआर फार्म भरने के लिए जोश से आते लेकिन सूची में नाम न मिलने के चलते निराश होकर लौटते रहे। हालांकि बीएलओ के पास बहुतेरे मतदाताओं का फार्म भी जमा होता दिखा। काफी संख्या में जमा किए एसआईआर फार्म बीएलओ ऑनलाइन भी फीड कर चुके थे। बीएलओ का दर्द यह भी था कि प्रक्रिया में अपने मोबाइल डेटा का ही प्रयोग करना पड़ रहा है सरकार की ओर से इसके लिए कुछ भी नहीं मिल रहा है।

बीएलओ को नहीं मिल पा रहे नाम, बूथ विभाजन भी बना वजह

बीएलओ की परेशानी यह कि गली-गली और घर-घर मतदाता सूची लेकर घूम रहे हैं लेकिन कई मतदाताओं का पता ही नहीं चल पा रहा है। पहले की सूची में मतदाताओं का मोबाइल नंबर न होने के चलते संपर्क साधना भी मुश्किल हो रहा है। कई पुराने मतदाता बूथ का विभाजन होने से यह नहीं बता पा रहे हैं कि पिछली बार चुनाव में किस बूथ पर वोट दिया था। जिससे सूची में नाम ट्रेस हो सके। हालांकि बीएलओ पूरी ईमानदारी से नाम रिकॉर्ड के अलावा नेट पर भी आयोग की वेबसाइट पर अपने मोबाइल से तलाशने में जुटे रहे। लेकिन कुछ प्रक्रियागत खामियां उनके लिए भी बेड़ियां बनी रहीं। जिसके चलते वह मतदाताओं की नाराजगी भी झेल रहे थे।

बदलते परिवेश में महिलाओं को दी कानून की जानकारी

मुरादाबाद, अमृत विचार : गोकुलदास गर्ल्स कॉलेज में राजनीतिक शास्त्र विभाग की ओर से शनिवार को मिशन शक्ति फेज 5 के अंतर्गत महिलाओं के अधिकार एवं सुरक्षा विषय पर जागरुकता व्याख्यान कराया गया। अध्यक्षता प्राचार्या प्रोफेसर चारु मेहरोत्रा ने की। उन्होंने कहा कि बदलते सामाजिक परिवेश में महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों, सुरक्षा उपायों और संवैधानिक संरक्षण की जानकारी देना अत्यंत आवश्यक है।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर अपर्णा जोशी ने महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनी प्रावधान, हेल्पलाइन सेवाओं और सहायता तंत्रों पर प्रकाश डाला। वहीं प्रोफेसर एकता भाटिया ने सामाजिक समानता, डिजिटल सुरक्षा एवं साइबर अपराधों से बचाव संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की। उप प्राचार्य एवं मुख्य अनुशासिका प्रोफेसर किरण साहू ने कहा कि महिलाएं जब अपने अधिकारों से परिचित होती हैं, तब वह किसी भी परिस्थिति में आत्मविश्वास के साथ सही निर्णय लेने में सक्षम होती हैं। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन राजनीतिक शास्त्र विभाग की प्रोफेसर मीनाक्षी शर्मा ने किया।

आज वोट, कल जमीन से काटा जाएगा नाम

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● समाजवादी पार्टी के कार्यालय पर शनिवार को एसआईआर को लेकर बैठक में बोले पदाधिकारी

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी कार्यालय पर शनिवार को एसआईआर को लेकर जिला स्तरीय बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता एसआईआर प्रभारी एवं कांठ विधायक कमाल अख्तर ने की। उन्होंने आरोप लगाया कि मतदाता सूची में हो रहे बदलाव लोकतंत्र के साथ गंभीर धोखाधड़ी हैं और जनता को इसके प्रति जागरूक रहना होगा।

बैठक में एसआईआर प्रभारी विधायक कमाल अख्तर ने जमकर केंद्र व प्रदेश सरकार को कोसा। उन्होंने कहा कि आज वोट काटा जा रहा है, कल मकान, खेत-जमीन, राशन, जाति, आरक्षण तक से नाम हटाए जाएंगे। यह देश के नागरिकों के खिलाफ बड़ी साजिश है, जो देश को अंग्रेजी हुकूमत जैसे हालातों में धकेल देगी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके सहयोगी दल चुनावी व्यवस्था को प्रभावित करने में लगे हुए हैं। कहा कि कई बूथों पर वर्ष 2003 की मतदाता सूची तक नहीं खुल रही है और कई बूथ सूची से गायब हैं। आरोप लगाया कि भाजपा सरकार एसआईआर के नाम पर कर्मचारियों पर अनावश्यक दबाव डाल रही है। पार्टी के जिलाध्यक्ष जयवीर सिंह यादव ने कहा कि बीएलओ की मौतों पर सरकार शोक प्रकट करने के बजाय उन्हें ही दोषी बता रही है, जो अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। बैठक में मौजूद नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा और उसके शह पर हो रही इस घपलेबाजी से लोकतंत्र को बचाने के लिए जनता का एकजुट होना जरूरी है। बैठक में देहात विधायक हाजी नासिर कुरैशी, बिलारी विधायक मोहम्मद फहीम, पूर्व विधायक हाजी रिजवान, हाजी यूसुफ अंसारी, महानगर अध्यक्ष इकबाल अंसारी, अतहर हुसैन अंसारी, फुरकान अली, राजीव सिंघल, केसर अली कुद्दूसी, जयपाल सिंह सैनी, जुगल किशोर वाल्मीकि, वसीम कुरैशी, पूर्व विधायक हाजी रिजवान, शोएब हसन पाशा, गुलजार अहमद, महेंद्र पाल सिंह, चौधरी अमानुल्लाह खान, नवीन यादव, नाजिम सैफी, मोईनुद्दीन, विकास चौधरी, अमित प्रजापति आदि मौजूद रहे।

विधि छात्रों में होनी चाहिए सीखने की ललक

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● वन नेशन- वन इलेक्शन के पक्ष में खुशी गुप्ता अव्वल, विपक्ष में इशू कुमार बेस्ट स्पीकर

अमृत विचार : तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के कॉलेज ऑफ लॉ एंड लीगल स्टडीज में मूट कोर्ट का आयोजन विधि विद्यार्थियों के द्वारा किया गया। इसमें मुख्य अतिथि दि बार एसोसिएशन एंड लाइब्रेरी मुरादाबाद के अध्यक्ष आनन्द मोहन गुप्ता ने कहा कि विधि के विद्यार्थी कभी अपने को पूर्ण न समझें। उनमें सीखने की उत्सुकता हमेशा बनी रहनी चाहिए। इससे आप कभी भी और कहीं से भी ज्ञानार्जन कर सकते हैं।

इससे पूर्व लॉ कॉलेज के डीन प्रो. हरबंश दीक्षित ने बुके देकर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। कहा कि लेक्स कर्निवाल- चैप्टर 2 लॉ के विद्यार्थियों के लिए मील का साबित होगा। कार्यक्रम की शुरुआत प्राचार्य प्रो. सुशील कुमार सिंह ने स्वागत भाषण से की।

दूसरी ओर वन नेशन, वन इलेक्शन पर पार्लियामेंट्री डिबेट भी हुई। बहस के दौरान विधि के विद्यार्थियों ने वन नेशन, वन इलेक्शन के पक्ष और विपक्ष में अनेक महत्वपूर्ण तर्क प्रस्तुत किए। सत्ता पक्ष ने समय, धन और प्रशासनिक संसाधनों की बचत, बार-बार मॉरल कोड ऑफ कंडक्ट के कारण रुकने वाली योजनाओं से मुक्ति, चुनावी थकान के समाधान जैसे मुद्दों पर जोर दिया। दूसरी ओर विपक्ष ने जवाबदेही कमजोर पड़ने, संघीय ढांचे पर संभावित प्रभाव, लॉजिस्टिक चुनौतियों, सुरक्षा बलों पर बढ़ते बोझ और संवैधानिक जटिलताओं से जुड़े तर्क प्रस्तुत किए। मत विभाजन में प्रस्ताव वन नेशन, वन इलेक्शन तो पारित हुआ, लेकिन प्रतियोगिता में विपक्ष को उसके सशक्त और तथ्यपरक तर्कों के आधार पर विजेता घोषित किया गया। वन नेशन, वन इलेक्शन के पक्ष में तर्क रखने पर खुशी गुप्ता जबकि विपक्ष में बहस करने पर इशू कुमार शुक्ला बेस्ट स्पीकर बने। मुख्य अतिथि व डीन ने विजेताओं को पुरस्कृत भी किया।

कार्यक्रम में बोलते बार एसोसिएशन के अध्यक्ष आनन्द मोहन गुप्ता।

प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में कॉलेज ऑफ पैरामेडिकल के प्राचार्य प्रो. नवनीत कुमार, आईक्यूएसी के डायरेक्टर प्रो. नीतीश मिश्रा, सीटीएलडी के डायरेक्टर प्रो. पंकज कुमार सिंह आदि शामिल रहे। कार्निवल में डॉ. अमित वर्मा, डॉ. अतुल कुमार, वैभव कुमार, डॉ. बिशनानंद दुबे, डॉ. सौरभ बटार, डॉ. योगेश चंद गुप्ता के अलावा लॉ के छात्र-छात्राएं मौजूद रहे। संचालन डॉ. माधव शर्मा ने किया।

अफसरों को सत्यापन में चूक न करने की नसीहत

कार्यालय संवाददाता,मुरादाबाद

● 4 व 5 दिसंबर को होगा सामूहिक विवाह कार्यक्रम, पात्रों के सत्यापन के लिए दी जिम्मेदारी

अमृत विचार : समाज कल्याण विभाग की मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह प्रोत्साहन योजना के अंतर्गत अगले महीने 4 व 5 दिसंबर को जिले में विधान सभावार सामूहिक विवाह कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसमें विकास खंडों तथा नगर निकायों से चयनित पात्र युगल सम्मिलित होंगे। इसका आयोजन जिला प्रशासन के पर्यवेक्षण में किया जा रहा है।

शनिवार को प्रभारी जिला समाज कल्याण अधिकारी पंखुरी जैन ने बताया कि मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी ने सामूहिक विवाह योजना के पात्र लाभार्थियों के सत्यापन के कार्य को गंभीरता लेते हुए जिला स्तरीय अधिकारियों को सुचारू तैयारी के लिए नगर निकायों एवं विकास खंडों द्वारा पात्र घोषित किए गए युगलों का न्यूनतम 5 प्रतिशत रैंडम सत्यापन कराने के लिए सत्यापन अधिकारी नामित किया है। उनके निर्देश के मुताबिक सत्यापन करने वाले अधिकारी पात्र आवेदिका का पूर्व में विवाह न हुआ हो, वधू की आयु 18 वर्ष या अधिक तथा वर की आयु 21 वर्ष या अधिक हो, आवेदिका के बैंक खाते का सत्यापन किया जाएगा।

वर से यह पुष्टि की जाएगी कि उसका विवाह उक्त आवेदिका से ही तय है या नहीं इन सभी बिंदुओं पर गंभीरता से सत्यापन करने का निर्देश नामित अधिकारियों को मिला है। इसके साथ ही सभी नामित अधिकारी अपने क्षेत्र से संबंधित पात्र युगलों का सत्यापन कर 30 नवंबर तक रिपोर्ट जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय तथा संबंधित विकास खंड,नगर निकाय में अनिवार्य रूप से उपलब्ध कराएंगे। सामूहिक विवाह कार्यक्रम की तिथि से 72 घंटे पूर्व इवेंट जनरेट करना अनिवार्य है। ऐसे में समय पर सत्यापन रिपोर्ट उपलब्ध कराना आवश्यक है, जिससे कार्यक्रम की प्रक्रिया निर्धारित समय सीमा में पूरी की जा सके। मुख्य विकास अधिकारी मृणाली अविनाश जोशी ने अधिकारियों को सत्यापन के कार्य में चूक न करने की नसहीत दी है।

इन अधिकारियों की लगाई गई ड्यूटी

● जिला विकास अधिकारी को नगर निगम क्षेत्र का दायित्व सौंपा गया है। ● सहायक आयुक्त, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र को विकास खंड मुरादाबाद का प्रभारी बनाया गया है। ● जिलापूर्ति अधिकारी को भगतपुर टांडा ब्लॉक और जिला पंचायत राज अधिकारी को मूंढापांडे ब्लॉक की व्यवस्था देखने का दायित्व मिला है। ● जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को छजलैट ब्लॉक और जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी को डिलारी ब्लॉक का प्रभारी नियुक्त किया गया है। ● जिला प्रोबेशन अधिकारी को ठाकुरद्वारा ब्लॉक और जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी बिलारी ब्लॉक की देखरेख करेंगे। ● जिला कार्यक्रम अधिकारी को डींगरपुर ब्लॉक, जिला समाज कल्याण अधिकारी (विकास) को नगर पंचायत भोजपुर धर्मपुर, पाकबड़ा और अगवानपुर का दायित्व सौंपा गया है। ● जिला भूमि संरक्षण अधिकारी नगर पालिका ठाकुरद्वारा एवं नगर पंचायत ढकिया की व्यवस्था संभालेंगे। ● तहसीलदार कांठ को नगर पंचायत कांठ और उमरी कला की जिम्मेदारी दी गई है। ● तहसीलदार बिलारी को नगर पालिका बिलारी एवं संबंधित नगर पंचायत का प्रभार दिया गया है।

अंडे को रंगकर देसी बनाने के कारोबार का भंडाफोड़ करने वाले अधिकारी सम्मानित

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ट्रस्ट ने खाद्य सुरक्षा विभाग के सहायक खाद्य आयुक्त राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव व उनके सहयोगियों को पिछले दिनों सफेद अंडे को रंग कर देसी बनाने के कारोबार का भंडाफोड़ करने और दोषी पर प्राथमिकी दर्ज कराकर लोगों को ठगने और सेहत से खिलवाड़ करने वाले कारोबार का खुलासा करने वालों को अधिकारियों को सम्मानित किया गया।

बता दें कि सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा राजवंश प्रकाश श्रीवास्तव, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी इंद्र बहादुर यादव व उनकी टीम के द्वारा रामपुर दोराहा स्थित वरवारा मझरा में मुर्गी के सफेद अंडों को देसी अंडे बनाने की फैक्ट्री में साढ़े तीन लाख रुपये कीमत के सफेद और रंगे हुए अंडे पकड़ कर इस काले कारोबार का भंडाफोड़ किया गया था। उत्तर प्रदेश में इस तरह का पहला मामला पकड़ में आने पर विभागीय अधिकारियों ने कारोबारी अल्लाह ख़ान पर मुकदमा पंजीकृत कराया है। इस उत्कृष्ट कार्य करने वाले अधिकारियों को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष एडवोकेट प्रदीप श्रीवास्तव नेपटका पहनाकर और भगवान श्री चित्रगुप्त जी की तस्वीर भेंट कर कर सम्मानित कर उनके कार्य की सराहना की। इस अवसर पर महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री दीपक सक्सेना, अरविंद सक्सेना ग्रीश सक्सेना, बीके सक्सेना, आशीष सक्सेना आदि लोग उपस्थित रहे।

सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा व अन्य को सम्मानित करते कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष।

● सहायक आयुक्त खाद्य सुरक्षा, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी का महासभा ने किया सम्मान

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
मो.7906815587

सूचना

मैं नदीमुल हसन पुत्र नफीसुल हसन मौहल्ला सादात टाउन और पोस्ट उझारी जिला अमरोहा ने अपना नाम नदीमुल हसन से बदलकर नदीम हसन पुत्र नफीसुल हसन मौहल्ला सादात टाउन और पोस्ट उझारी जिला अमरोहा कर लिया है। अब से मैं सभी आधिकारिक और कानूनी दस्तावेजों में अपने नए नाम का उपयोग करूंगा।

आवश्यकता है
कार्यालय हेतु 2
कार्यालय सहायक
महिला/कन्या की।
वेतन योग्यता अनुसार
सम्पर्क करें
डा. राजीव मिश्रा
गंगापुर आवास विकास कालोनी, पूर्व बच्चा जेल, रामपुर
7906278318

AMANI GROUP OF INSTITUTIONS
WALK- IN- INTERVIEW
Asst. Professors & Principal
B.B.A. & B.Sc. (PCM & ZBC)
Qualification & Salary as per UGC Norms
Interested candidates are requested to bring their detailed CV with photograph and scanned copies of documents as per following schedule.
Date- 03 December 2025 (Wednesday)
Time: 10:00 am to 05:00 pm
Venue- Amani Group of Institutions
Bijnor Road Amroha UP 244221
Contact us for more details:-
9548395563, 9759066555
Email: amanicampus@gmail.com

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

वाहन चालकों को हेलमेट और चॉकलेट देकर किया जागरूक

यातायात नियमों के प्रति राहगीरों को जागरूक करते स्वयंसेवी। ● अमृत विचार

मुरादाबाद, अमृत विचार : यातायात माह के अंतर्गत शनिवार को परिवर्तन द चेंज संस्था ने यातायात पुलिस के साथ हनुमान मूर्ति तिराहे और फव्वारा चौराहे पर ट्रैफिक नियमों व कोहरे में होने वाली दुर्घटनाओं के प्रति वाहन चालकों को जागरूक किया। गुरु जम्भेश्वर विश्वविद्यालय के छात्रों ने नियम पालन कर रहे लोगों को चॉकलेट दे कर उनका उत्साहवर्धन किया तो वहीं कुछ लोगों को हेलमेट वितरित कर उसका महत्व बताया।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार गिरीश द्विवेदी, प्रो. अदिति सिंधु और संस्था के सदस्यों ने स्वयं हेलमेट पहनकर बिना हेलमेट के दो पहिया वाहन चला रहे लोगों को रोककर उन्हें जागरूक किया। साथ ही शहर के यूट्यूबर अमान अली ने ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं करने वाले पांच लोगों को हेलमेट भेंट कर उनसे हेलमेट पहनने का आग्रह किया। इस मौके पर यातायात पुलिस की ओर से टीआई मिथलेश कुमार, टीएसआई हरिकेश सिंह, टीएसआई राम कुमार तोमर, मोहम्मद अजहर, सुनील, संस्था के अध्यक्ष कपिल कुमार, आदित्य कुमार, प्रिंस कुमार आदि मौजूद रहे।

पानी की कमी से एसिडिटी और पेट दर्द के मरीज हुए दोगुने

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

● जिला अस्पताल की ओपीडी में हर रोज पहुंच रहे 50 से अधिक मरीज

अमृत विचार : सर्दी के मौसम में कम पानी पी रहे हैं तो सतर्क हो जाएं। पेट की बीमारियों के शिकार हो सकते हैं। डॉक्टर के पास ज्यादातर मरीज पेट संबंधित पीड़ा को लेकर पहुंच रहे हैं। ओपीडी में हर दिन 40 से 50 फीसदी मरीज गैस, एसीडिटी, पेट दर्द और अन्य पेट की समस्या को लेकर पहुंच रहे हैं। डॉक्टर ने जांच में पाया की ज्यादातर मरीजों ने पानी कम पीया, इससे वह पेट संबंधी समस्या के शिकार हो रहे हैं।

डॉक्टर के पास पहुंचने वाले कुछ मरीजों ने बताया कि उन्हें ठंड की वजह से कम प्यास लगती है। चिकित्सकों का कहना है कि वे दवा लिखने के साथ ही मरीज को दिन में आठ से 10 गिलास पानी पीने व सुबह गुनगुना पानी पीने की सलाह दे रहे हैं। फिजिशियन डॉ. मनोज यादव ने कहा कि ठंड के मौसम में पानी छूने पर सर्दी का अहसास होता है। शरीर का तापमान कम होने से प्यास कम लगती है। लिहाजा, लोग पानी कम पीते हैं। भोजन करने के बाद भी कम पानी पीते हैं। इन दिनों पेट संबंधी समस्याओं का लेकर आने वाले मरीजों की संख्या 30 फीसदी से अधिक है। पेट संबंधी बीमारियों का एक प्रमुख कारण पानी कम पीना है। ऐसे में वे गैस, पेट दर्द समेत अन्य पेट के रोगों के शिकार हो रहे हैं। उन्होंने बताया कि पर्याप्त मात्रा में पानी पीने से न सिर्फ पेट संबंधी समस्याओं में आराम मिलेगा बल्कि ठंड भी अधिक नहीं लगेगी।

जिला अस्पताल की ओपीडी में दवाई लेने के लिए लाइन में लगे लोग। ● अमृत विचार

बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या में इजाफा, रोजाना 200 से अधिक मरीज पहुंच रहे अस्पताल

मुरादाबाद, अमृत विचार : जिला अस्पताल की मेडिसन विभाग की ओपीडी में बुखार से पीड़ित मरीजों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। रोजाना 200 से अधिक मरीज जांच और इलाज के लिए पहुंच रहे हैं, जिनमें हर चौथा-पांचवां मरीज बुखार की शिकायत लेकर आ रहा है। चिकित्सकों का कहना है कि लोगों में खुद से एंटीबायोटिक दवाओं का सेवन कर लेना एक बड़ी समस्या बनती जा रही है, जिससे बुखार लंबे समय तक रह रहा है और मरीजों की हालत गंभीर हो रही है। जिला अस्पताल के जनरल फिजिशियन डॉ. आशीष कुमार सिंह ने बताया कि अधिकांश मरीज खुद ही बिना किसी सलाह के एंटीबायोटिक दवाएं लेना शुरू कर देते हैं। जब एक सप्ताह तक बुखार में कोई राहत नहीं मिलती, तब वे अस्पताल पहुंचते हैं। इस देरी के कारण रोग की स्थिति बिगड़ जाती है और इलाज में अधिक समय लग जाता है। उन्होंने कहा कि एंटीबायोटिक दवाओं का अनुचित उपयोग न केवल मरीज की सेहत के लिए हानिकारक है, बल्कि इससे संक्रमण के साथ-साथ रोग प्रतिरोधकता कम होती है। बुखार के कारण जानने के लिए जांच कराना बहुत जरूरी है। बिना डॉक्टर की सलाह के दवाओं का सेवन करना बीमारी के सही निदान और उपचार में बाधा डालेगा। जिला अस्पताल में मरीजों की भीड़ बढ़ने से चिकित्सीय सेवाओं पर दबाव भी बढ़ा हुआ है। इलाज के साथ ही मरीजों को सुझाव दिया जा रहा है कि वे बुखार या किसी भी अन्य बीमारी के लक्षण दिखने पर अस्पताल या नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र पर जाकर चिकित्सक से सलाह लें। खुद से दवाएं न लें और विशेष तौर पर एंटीबायोटिक सेवन बिना जांच के न करें, ताकि बीमारी का सही उपचार समय पर हो सके। मरीजों व आम जनता के बीच स्वास्थ्य जागरूकता फैलाने की जरूरत है ताकि वे समय रहते सही कदम उठा सकें और बुखार जैसी समस्याओं से गंभीर रूप से प्रभावित न हों।

न्यूज ब्रीफ

पशु चोरी के मामले में रिपोर्ट दर्ज

छजलैट, अमृत विचार : तीन पशु चोरी होने के मामले में थाना छजलैट पुलिस ने 10 दिन बाद अज्ञात चोरों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है। छजलैट थाना क्षेत्र के ग्राम सादकपुर निवासी जोग राज सिंह पुत्र प्रवीण सिंह की पशु शाला में पीछे से नकब लगाकर 18 नवंबर की रात को अज्ञात चोरों ने उनके तीन पशु चुरा लिए थे और फरार हो गए थे। गृह स्वामी ने उसी दिन थाना पुलिस को तहरीर देकर अज्ञात चोरों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत करने की मांग की थी। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली।

एटीएम कक्ष में कूड़ा-कचरे से ग्राहक परेशान

मसवासी,अमृत विचार : नगर के काशीपुर मार्ग स्थित बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम कक्ष में गंदगी की भरमार होने से ग्राहकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन सफाई की ओर किसी का ध्यान नहीं है। बैंक ऑफ बड़ौदा के एटीएम कक्ष में पर्चियां व अन्य वस्तुएं बिखरी पड़ी है। सफाई को लेकर बैंक केजिम्मेदार गंभीर नहीं है। जिससे ग्राहकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ग्राहकों ने एटीएम कक्ष में सफाई दुरुस्त करने की मांग की है।

जर्जर पानी की टंकी से ग्रामीणों को बड़ा खतरा

28 वर्ष पुरानी है कासमपुर में टंकी, नहीं मिला ग्रामीणों को लाभ

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : क्षेत्र के ग्राम कासमपुर में लगभग 28 वर्ष पुरानी पानी की टंकी जर्जर हो गई है। इसके गिरने से कोई भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। एसडीएम ने इस टंकी को शीघ्र गिरवाने का आश्वासन ग्रामीणों को दिया है। ग्राम कासमपुर में लगभग 28 वर्ष पूर्व ग्रामीणों को शुद्ध जल की आपूर्ति हेतु जलधारा कार्यक्रम के तहत एक पेयजल टंकी का निर्माण किया गया था। पूरे गांव में टंकी की लाइन भी बिछा दी गई थी। उसमें जनरेटर तक की व्यवस्था नहीं की गई थी। ग्रामीणों को एक दिन भी शुद्ध जल टंकी से नसीब नहीं हुआ था। इस टंकी का आरंभ जनपद के आला अफसरों एवं एक पूर्व विधायक ने किया था।

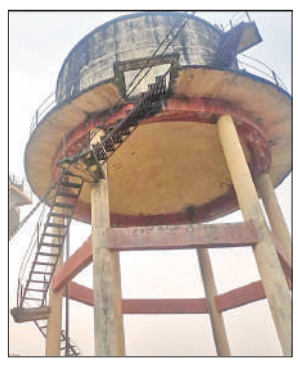

अब यह टंकी इतनी जर्जर हो गई है कि किसी भी समय धराशाई हो सकती है। कोई बड़ी दुर्घटना हो सकती है। तत्कालीन एसडीएम जगमोहन गुप्ता ने इस टंकी को गिराने के निर्देश भी दिए थे। ब्लॉक छजलैट के खंड विकास अधिकारी ने भी कासमपुर गांव में पहुंचकर टंकी का मुआयना किया था।

कासमपुर ने खड़ी पानी की जर्जर टंकी।

ग्राम प्रधान महरून निशा ने गांव में 2 वर्ष पूर्व इंटरलॉकिंग की लगभग 400 मीटर सड़कें बनाई थीं। जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना के तहत यहां शुद्ध जल के लिए बिछाई गई पाइपलाइन फट गई है और ठेकेदार ने हाल ही में बनाई गईं सड़कों को ठीक नहीं किया गया है । उधडी हुई सड़कों में ग्रामीण गिर रहे हैं। ग्राम प्रधान पति शमीम अल्वी ने बताया कि ग्राम प्रधान एवं ग्रामीण जर्जर टंकी को गिराने और जल मिशन योजना के अंतर्गत बनाई गई टंकी का शुद्ध पेयजल ग्रामीणों को उपलब्ध कराने की मांग कर चुके हैं लेकिन प्रशासन ने इस ओर ध्यान नहीं दिया है। एसडीएम संत दास पवार ने बताया कि शीघ्र ही वह इस जर्जर टंकी को गिरवाकर ग्रामीणों की समस्याओं का समाधान कराएंगे।

- **एसडीएम ने जल्द ढहाने का दिया आश्वासन,गांव में पाइप लाइन बिछाने को उखाड़ दीं सड़कें**

बच्चों को नए जमाने के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित किया

रामपुर, अमृत विचार : डीएमए स्मार्ट स्कूल बिलासपुर का आठवां वार्षिकोत्सव शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। डिजिटल डिजिटल मैजिकी थीम पर बच्चों ने मनमोहन सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किये। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख कुलवंत सिंह औलख और एसडीएम बिलासपुर अरुण कुमार ने बच्चों को नए जमाने के साथ आगे बढ़ने को प्रेरित किया।

कार्यक्रम की शुरूआत में मोदी ग्रुप की डायरेक्टर डॉ. सुमन तोमर ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि मोदी ग्रुप वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान दे रहा है। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के बाद बच्चों ने शिव आराधना प्रस्तुत की, जिसने वातावरण को भक्ति और ऊर्जा से भर दिया। आकर्षक फ्यूज़न डांस ने रोमांचित किया। अंत में सभी बच्चों द्वारा सामूहिक रूप से प्रस्तुत ग्रैंड फिनाले वी आर द वर्ल्ड की प्रस्तुति पर हॉल गगनभेदी तालियों से गूंज उठा। समापन पर हेडमिस्ट्रेस अंजलि माथुर ने अतिथियों, अभिभावकों का आभार जताया।

त्रिवेणी मिल में चलाया सड़क सुरक्षा जागरुकता अभियान

त्रिवेणी चीनी मिल में वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाते अधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, ठाकुरद्वारा

अमृत विचार : त्रिवेणी चीनी मिल के केन यार्ड परिसर में शनिवार को पुलिस क्षेत्राधिकारी और मिल प्रशासन की ओर से सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान आयोजित किया गया।

अभियान के तहत गन्ना लदे वाहनों एवं किसानों के निजी वाहनों परलाल कपड़ा और रिफ्लेक्टिव रिडियम टेप लगाए गए। क्षेत्राधिकारी अशीष प्रताप सिंह ने वाहन चालकों और किसानों को रात में कोहरे के दौरान सुरक्षित ड्राइविंग के प्रति जागरूक किया। उन्होंने गन्ना ढोने वाले वाहनों पर रिफ्लेक्टर और लाल कपड़ा लगाने की अनिवार्यता पर विशेष जोर दिया। मिल उपाध्यक्ष वेंकटरथनम् ने कहा कि बिना रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप तथा लाल कपड़ा लगाए वाहन क्रय केन्द्रों से गन्ना लेकर आएंगे, उन्हें मिल गेट पर टोकन जारी नहीं किया जाएगा।

महाप्रबंधक (गन्ना) टी.एस. यादव ने किसानों को स्वच्छ, जड़-पत्ती रहित और ताजा गन्ना आपूर्ति करने की सलाह दी। डिलारी थाना इंचार्ज कृष्ण कुमार भंगेला, रानीनांगल चौकी प्रभारी कुलदीप सिंह व अन्य मौजूद रहे।

साहित्य से जोड़ता है सृजनात्मक लेखन

रामपुर, अमृत विचार : राजकीय महिला महाविद्यालय के हिंदी विभाग के तत्वावधान में शनिवार को स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता हुई। प्राचार्य डॉ. सुनीता ने कहा कि सृजनात्मक लेखन न केवल साहित्य से जोड़ता है, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

एमए हिंदी की सभी छात्राओं ने स्वरचित, मौलिक एवं रचनात्मक कविताओं के माध्यम से सामाजिक और मानवीय विषयों पर प्रभावी अभिव्यक्ति प्रस्तुत की। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. निशात बानो ने कहा कि कविता लेखन अभिव्यक्ति का गहन साधन है, जो छात्राओं की संवेदना और रचनात्मक सोच को नए आयाम प्रदान करता है। प्रो. अनिता देवी अग्रवाल ने कहा कि छात्राओं की मौलिक रचनाएं साहित्यिक चेतना के विकास का प्रमाण हैं। प्रो. सबीहा परवीन ने कहा कि साहित्यिक प्रतियोगिताएं भाषा-बोध तथा अभिव्यक्ति क्षमता को सशक्त बनाती हैं। इस मौके पर डॉ. प्रतिभा यादव, डॉ. जया, डॉ. कासिम आदि मौजूद रहे। संचालन डॉ. निशात बानो ने किया।

5 दिसंबर को राशन वितरण नहीं करेंगे डीलर

जिलापूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

संवाददाता, बिलारी

अमृत विचार : कमीशन बढ़ाने समय कई मांगें पूरी न होने पर ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन की प्रदेश स्तरीय बैठक में 5 दिसंबर को पूरे प्रदेश में राशन वितरित नहीं करने साथ ही प्रत्येक जिले के मुख्यालय पर ई-पॉस मशीन जिला पूर्ति अधिकारी के ऑफिस में जमा करने का निर्णय लिया।

ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप राशन डीलर के पश्चिम उत्तर प्रदेश अध्यक्ष अनिल चौधरी, जिला अध्यक्ष हरवीर सिंह ने शनिवार की दोपहर जिला पूर्ति अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। बताया कि लखनऊ में हुई संगठन की प्रदेश स्तरीय बैठक हुई। सरकार को पूर्व में कई ज्ञापन दिए जा चुके हैं परंतु अभी तक सरकार ने राशन डीलरों का कमीशन नहीं बढ़ाया है,साथ ही अन्य कहीं मांगे भी पूरी नहीं की है। उन्होंने बताया कि 5 दिसंबर को प्रदेश के सभी राशन डीलर जिला पूर्ति अधिकारी के ऑफिस में अपनी ई- पास मशीन जमा करेंगे। इस दौरान तहसील अध्यक्ष अरविंद कुमार ,अर्पित कुमार ,उमंग ठाकुर, साबिर हुसैन समेत राशन डीलर मौजूद रहे।

- **कमीशन बढ़ाने समेत अन्य मांगों को लेकर लिया निर्णय**

अंबेडकर पार्क बना पार्किंग स्थल यातायात बाधित

हसनपुर,अमृत विचार: नगर का सबसे व्यस्त अंबेडकर पार्क अव्यवस्था की गिरफ्त में है। पुलिस प्रशासन द्वारा पार्क के पास से ठेलों को हटा दिया लेकिन चार पहिया वाहन कौन हटाए। पार्क के चारों तरफ पार्किंग स्थल बना दिया। जिससे नगर वासियों को आने जाने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

खास बात यह है कि अंबेडकर पार्क पर सुबह से लेकर शाम तक पुलिस कर्मी तैनात रहते हैं। बावजूद यहां बेतरतीब वाहनों की भीड़ के चलते दिन भर जाम जैसे हालात बने रहते हैं। इसी के साथ साथ यहां हर समय हादसों का अंदेशा बना रहता है तथा यातायात व्यवस्था पूरी तरह बेपटरी होती नजर आती है। अंबेडकर पार्क के चारों ओर छोटे वाहन चालकों ने अवैध स्टैंड बना रखे हैं। दिन भर यहां वाहन चालक अपने वाहनों को खड़ा कर इधर उधर काम को निकल जाते हैं। इसके बाद उनके वाहनों को हटाने, चालकों को कोई रोकने टोकने वाला नहीं होता।

जीएसटी कमिश्नर ग्रेड वन से मिले व्यापारी, बताईं अपनी समस्याएं

जीएसटी कमिश्नर ग्रेड वन अशोक कुमार को समस्या बताते व्यापारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : संयुक्त व्यापार मंडल उत्तर प्रदेश के पदाधिकारियों ने शनिवार को रामगंगा विहार स्थित राज्यकर कार्यालय पहुंचकर जीएसटी कमिश्नर ग्रेड वन अशोक कुमार सिंह से मिलकर व्यापारिक समस्याएं बताईं।

उन्हें बताया कि सचल दल इकाइयां छोटे कारीगरों का रास्ते में रोककर माल पकड़ती हैं। वह माल न पकड़ा जाए क्योंकि कारीगर अनफिनिश माल लाता है जिसे रास्ते में रोक कर चेक किया जाता है। ऐसी चेकिंग बंद करने की मांग की। साथ ही व्यापारियों ने कहा कि जो छोटे व्यापारी अपने साथ माल ले जाते हैं उन्हें रास्ते में रोक कर चेक कर उनसे हर्जाना मांगा जाता है इसे शीघ्र बंद किया जाना चाहिए। पदाधिकारियों ने कहा कि विभाग की सचल दल इकाइयों के साथ जो पुलिस स्टाफ रहता है वह व्यापारियों से सही व्यवहार नहीं करता है जिससे व्यापारियों में नाराजगी है। जीएसटी कमिश्नर ग्रेड वन ने व्यापारियों को भरोसा दिलाया कि इन सभी समस्याओं का निराकरण कराएंगे। व्यापारियों का उत्पीड़न नहीं होने देंगे। प्रतिनिधिमंडल में संयुक्त व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष अरविंद अग्रवाल, प्रदेश महामंत्री विपिन गुप्ता, वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील अग्रवाल आदि मौजूद रहे।

- **प्रतिनिधिमंडल बोला, रास्ते में रोक कर हर्जाना मांगना किया जाए बंद**

एक दिसम्बर से शुरू होगी ओटीएस योजना

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : बिजली बिल राहत योजना 2025- 26 के तहत बिजली बिलों के बकाया उपभोक्ताओं के लिए विभाग ने 1 दिसंबर से ओटीएस योजना आरंभ की है। दिसंबर माह में प्रथम चरण के लिए उपभोक्ताओं को पंजीकरण कराने होंगे।

एसडीओ सचिन रस्तोगी ने बताया कि उपभोक्ता अपने विद्युत बिलों में ब्याज में भारी छूट का लाभ उठा सकते हैं। यह योजना तीन चरणों में लागू की जा रही है। प्रथम चरण माह दिसंबर 2025, द्वितीय चरण माह जनवरी 2026 एवं तृतीय चरण माह फरवरी 2026 योजना का प्रथम चरण में अधिकतम छूट का लाभ उठाया जा सकता है। योजना की अंतिम तिथि दिनांक 28-फरवरी-2026 है। माह दिसंबर 2025 में ब्याज में सर्वाधिक छूट रहेगी एवं इसके अतिरिक्त मूलधन में भी अधिकतम 25% की छूट रहेगी जिसका लाभ तभी उठाया जा सकता है। जब उपभोक्ता द्वारा पंजीकरण करवाने के पश्चात 30 दिन के भीतर पूर्ण बकाया जमा कर दिया जाए योजना के अंतर्गत पंजीकरण कराने के लिए 2000 रुपये की पंजीकरण राशि जमा करनी होगी। विद्युत चोरी के प्रकरणों में राजस्व निर्धारण की धनराशि पर भारी छूट का प्रावधान किया गया है।

उन्होंने बताया कि उपभोक्ता जिन पर पूर्व में विद्युत चोरी में किसी कारणवश कोई कार्यवाही की गई है और उसका निस्तारण नहीं हो पाया है, वह भी भारी छूट का लाभ उठा सकते हैं। सभी कलेक्शन एजेंसी जैसे जनसेवा केंद्र, विद्युत सखी, फिंच प्रतिनिधि एवं मीटर रीडर इत्यादि के लिए प्रोत्साहन धनराशि का प्रावधान किया गया है। ऐसे सभी उपभोक्ता जिन्होंने कभी बिल जमा नहीं किया है।

- **एसडीओ ने उपभोक्ताओं से लाभ उठाने की अपील की**

युवती से छेड़खानी करने में तीन लोगों पर रिपोर्ट

रामपुर, अमृत विचार : अजीमनगर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी एक युवती का कहना है कि उसके पिता का जमीन को लेकर हबीब अहमद, नफीस अहमद व जमील अहमद से विवाद चला आ रहा है। जिसके चलते 21 नवंबर की शाम को युवती अपने जमीन के हिस्से में पराली रखने गई थी। इस बीच आरोपी वहां पर आ गए थे।

जहां पराली रखने का विरोध करते हुए युवती के साथ मारपीट कर दी थी। जिसके बाद युवती के भाई वहां पर आ गए थे। आरोपियों ने युवती के भाइयों के साथ मारपीट करते हुए उसके साथ छेड़खानी कर दी। शोर मचाने पर आरोपी चले गए। बाद में पीड़िता ने थाने में शिकायत की। जिसके बाद तहरीर के आधार पर पुलिस ने तीन लोगों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी में शामिल हुए 120 प्रतिभागी

कार्यालय संवाददाता, मुरादाबाद

अमृत विचार : एसएस इंटर कॉलेज में शनिवार को जनपद स्तरीय बाल वैज्ञानिक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इसका मुख्य विषय विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत के स्टीम रहा। जिले के विभिन्न विद्यालयों से पहुंचे 120 छात्र-छात्राओं ने अपने नवाचारपूर्ण वैज्ञानिक मॉडल प्रस्तुत किए।

प्रदर्शनी के विजयी प्रतिभागियों को जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र कुमार पांडेय, कॉलेज के प्रधानाचार्य रवि कुमार तथा प्रदर्शनी प्रभारी बबीता मेहरोत्रा ने प्रमाण पत्र और ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया। मॉडलों का मूल्यांकन केजीके महाविद्यालय की प्रोफेसर रीमा चौधरी, हिंदू महाविद्यालय के प्रोफेसर अनिल कुमार, मौलाना आजाद यूनिवर्सिटी संभल के प्रोफेसर प्रदीप कुमार एवं जीजी हिंदू इंटर कॉलेज के प्रवक्ता अरविंद मोहन पांडे द्वारा किया गया। विज्ञान प्रदर्शनी प्रभारी योगेंद्र कुमार, सहयोगी दुष्यंत कुमार, मुकेश कुमार तथा नरेंद्र सिंह ने प्रदर्शनी के संचालन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। प्रदर्शनी में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त प्रतिभागी आगामी मंडल स्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी में जनपद का प्रतिनिधित्व करेंगे। यह प्रदर्शनी 1, 2 एवं 3 दिसंबर को चित्रगुप्त इंटर कॉलेज में आयोजित की जाएगी।

विजेता छात्रा को प्रमाणपत्र देते जिला विद्यालय निरीक्षक देवेंद्र पांडेय। ● अमृत विचार

- **एसएस इंटर कॉलेज में आयोजित प्रदर्शनी की सफल प्रतिभागी मंडल स्तर के लिए चयनित**

अवसाद में फंदा लगाकर युवक ने की आत्महत्या

चंदौसी,अमृत विचार : थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव मझावली में युवक ने फंदे पर लटककर जान दे दी । मामला थाना बनियाठेर क्षेत्र के गांव मझावली का है। जहां पर राकेश पुरी पुत्र बादाम सिंह निवासी गांव मझावली चौकी आटा थाना बनियाठेर की कुछ समय पहले उसकी बीवी घर से चली गई थी। उसी की वजह से वह गुमसुम रहता था 11 वर्ष का उसका बेटा है । शनिवार 4:00 बजे उसके पुत्र ने कमरे में देखा तो पंखा पर लटका हुआ शव दिखाई दिया। उसने शोर मचाया परिजन मौके पर पहुंचे और गेट तोड़कर उसे बाहर निकाला गया। जब तक उसकी मौत हो चुकी थी। आनन फानन में युवक का अंतिम संस्कार करा दिया।

- **पत्नी के घर से चले जाने के बाद से परेशान था राकेश पुरी**

ताइक्वांडो एकेडमी में खिलाड़ियों का बेल्ट टेस्ट

टेस्ट के दौरान बच्चों से चर्चा करते आलोक कुमार। ● अमृत विचार

संवाददाता, कांठ

अमृत विचार : आकाश कोरियन ताइक्वांडो एकेडमी में बेल्ट टेस्ट परीक्षा का आयोजन किया गया। टेस्ट लेने आए मुरादाबाद ताइक्वांडो एसोसिएशन के सचिव आलोक कुमार ने कहा कि यह परीक्षा खिलाड़ियों की प्रगति का महत्वपूर्ण चरण होती है, जिसमें उनके कौशल, किक,पंच तकनीक तथा शारीरिक संतुलन का मूल्यांकन किया जाता है।

परीक्षा के परिणाम शीघ्र घोषित किए जाएंगे और परिणाम के आधार पर बेल्ट ग्रेड निर्धारित किया जाएगा। कोच हर्ष शर्मा ने कहा कि बेल्ट टेस्ट बच्चों को निरंतर अभ्यास और सुधार के लिए प्रेरित करता है। ऋतिका शर्मा, वाणी त्यागी, मधुर त्यागी, वैदिक सहगल, अक्षिता, अहाना भारद्वाज, एनी चौहान, अथर्व विश्नोई, खुशी, राजविका सिंह, श्रेष्ठ वत्स, नव्या अहलावत, मौ. अरहम अल्वी, नव्या प्रताप सिंह, कामाक्षी माहेश्वरी, साकेत मोहन अग्रवाल, उन्नति माहेश्वरी, मिस्ठी पुनिया, प्रणिका शुक्ला, शौर्य विश्नोई, शौर्य प्रताप, मृत्युंजय सिंह, मौ. अबुजर अल्वी, तेजस्व वत्स, ऋषिका शर्मा, जीविशा शर्मा सहित अनेक खिलाड़ी उपस्थित रहे।

खेल स्पर्धा का समापन, विजेता खिलाड़ी सम्मानित

गजरौला, अमृत विचार : दो दिवसीय खेल प्रतियोगिता के समापन पर मुख्य अतिथि विधायक राजीव तरारा ने विजयी खिलाड़ियों को मैडल दिए।

शनिवार को आयोजित खेलों में सब-जूनियर बालक वर्ग 55 किलो भारोत्तोलन में अनमोल कुमार प्रथम, जूनियर बालक वर्ग में अतुल प्रथम, 61 किलोग्राम सब जूनियर बालक वर्ग में मयंक नागर प्रथम, 81 किलो सीनियर बालक वर्ग में राहुल सैनी व 61 किलो में प्रणब प्रथम रहे। ऊंची कूद बालिका सब जूनियर में नीति प्रथम, सब जूनियर बालिका वर्ग में खुशी प्रथम, 45 किलो बालिका वर्ग कुश्ती में तानिया प्रथम रहे। इनके अतिरिक्त भी कईं प्रतिस्पर्धाएं आयोजित हुईं। इस मौके पर जिला युवा कल्याण अधिकारी ऋषि कुमार, क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अश्विनी कुमार, गौरव कुमार, अंकुर प्रकाश, प्रदीप कुमार, डॉ.संजीव चौहान, चंद्रमणि शर्मा, मनीष कुमार त्यागी, देवेंद्र सिंह, राजकुमार सिंह, सुमित यादव, सुनील भाटी, गौरव शर्मा, वीरेंद्र सिंह, हरविंदर सिंह, सुशील, साक्षी आदि उपस्थित रहे।

दुर्घटना में मौत, बाइक चालक पर रिपोर्ट

संवाददाता, छजलैट

अमृत विचार : थाना क्षेत्र में साइकिल सवार की बाइक से टक्कर से मौत हो जाने के मामले में थाना छजलैट पुलिस ने बाइक चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

थाना कांठ के ग्राम भैंसली जमालपुर निवासी सुभाष के ससुर रामकृष्ण सिंह निवासी ग्राम कुड़ी बांगर थाना स्योहारा जनपद बिजनौर अगवानपुर में जीन्स पेपर मिल में ड्यूटी करते थे। 27 नवंबर की शाम को 7:30 बजे पेपर मिल से ड्यूटी कर साइकिल से वह ग्राम भैंसली जमालपुर आ रहे थे। तभी रास्ते में ग्राम सराय खजूर के सामने अखिलेश ग्राम भैंडी फरीदपुर नया गांव ने उनकी साइकिल में बाइक की टक्कर मार दी थी, जिससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया था और मृतक के दामाद सुभाष की तहरीर के आधार पर आरोपी के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

- **27 नवंबर की शाम ड्यूटी से आते समय आ गए बाइक की चपेट में**

कुत्तों और बंदरों के आतंक से त्रस्त लोग

संवाददाता, छजलैट

अमृत विचार : कुत्ते और बंदरों के आतंक से क्षेत्रवासी भयभीत हैं। पकड़वाने का आश्वासन उप जिलाधिकारी ने दिया है।

तहसील क्षेत्र में कुत्तों और बंदरों का जबरदस्त आतंक है। झुंड के झुंड गली और मोहल्लों में देखने को मिल जाते हैं। शासन ने कुत्तों को अंकुश लगाने के लिए उनकी नसबंदी कराने के निर्देश जारी किए थे। यहां कोई ऐसा अभियान अभी तक नहीं चलाया गया है। कुत्तों के झुंड के झुंड स्कूली बच्चों और ग्रामीणों पर झपट पडते हैं।

यही हाल बंदरों का है। वृद्ध एवं महिलाएं और बच्चे छत पर जाने से भी डरते हैं। अनेक लोग बंदरों के झुंड का शिकार होकर छत से गिरकर अपनी जान गंवा चुके हैं। अब तो हाईवे पर भी बंदर और कुत्तों के झुंड दिखाई देने लगे हैं। बंदर अब जंगलों में भी प्रवेश कर गए हैं जो किसानों की फसल को उजाड रहे हैं। एसडीएम संत दास पवार ने बताया कि इस संबंध में उनकी अधिशासी अधिकारी कांठ रामेश्वर दयाल से बातचीत हुई थी। जिन्होंने बताया था कि बंदरों को पकड़ने के लिए एक एनजीओ से बात चल रही है। शीघ्र ही बंदरों को पकड़वाकर क्षेत्रवासियों की समस्याओं का निस्तारण किया जाएगा।

सड़कों पर घूमता आवारा कुत्तों का झुंड। ● अमृत विचार

- **एसडीएम ने दिया पकड़वाने का आश्वासन**

कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, रामपुर

पत्रांक : एस.एस.ए./जैम बिड/18419-26/2025-26 दिनांक : 29 नवम्बर 2025

जैम पोर्टल पर निविदा आमंत्रण

राज्य परियोजना निदेशक, लखनऊ कार्यालय के पत्रांक : के.जी.बी.वी./7825/2024-25 दिनांक 21.11.2024 एवं के.जी.बी.वी./3-315/10308/2023-24 दिनांक 16.11.2023 में दिये गये निर्देशों के क्रम में जनपद रामपुर में संचालित 07 कस्बूरबा गाँधी आवासीय बालिका विद्यालयों में भोजन एवं अन्य दैनिक उपभाग सामग्री क्रय हेतु वर्ष 2025-26 में जैम पोर्टल के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। आमंत्रित निविदा में इच्छुक पंजीकृत फर्म निविदादाता जैम पोर्टल के माध्यम से निविदा में प्रतिभाग कर सकते हैं। जिसका विवरण निम्नवत् है :-

क्रम.सं.	मद	जैम निविदा संख्या	प्रकाशन तिथि	अन्तिम तिथि एवं समय
01.	भोजन एवं अन्य दैनिक उपभोग सामग्री	GEM/2025/B/6935700	28-11-2025	08-12-2025, 20:00:00

(कल्पना देवी)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, रामपुर

न्यूज ब्रीफ

सड़क हादसों पर रोक लगाने के लिए टीमें गठित

रामपुर,अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र ने सड़क सुरक्षा को सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के लिए थाना सिविल लाइन, शहजादनगर एवं थाना मिलक पर तैनात पुलिस कर्मियों की संयुक्त सड़क सुरक्षा टीम का गठन किया ।सभी टीम सदस्यों को यातायात नियमों के पालन, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम, वाहन चालकों में जागरूकता बढ़ाने तथा संवेदनशील मार्गों पर निरंतर गश्त व निगरानी रखने संबंधी दिशा-निर्देश दिए।

घर-घर जाकर फार्म जमा करेंगे बीएलओ

रामपुर,अमृत विचार : एसआईआर के तहत बीएलओ 30 नवंबर को घर-घर जाकर मतदाताओं से भरे हुए गणना प्रपत्र के संकलन का कार्य किया जाएगा। उप जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप वर्मा ने बताया कि निर्वाचक नामावलियों के मतदाता से प्राप्त गणना प्रपत्रों को बीएलओ डिजिटाइजेशन करने की अंतिम तिथि 4 दिसंबर है। जनपद की सभी विधानसभा निर्वाचन क्षेत्रों के मतदाताओं से अपेक्षा है कि सभी प्रपत्र भरकर 30 नवंबर को बीएलओ को सौंपे। यदि किसी मतदाता द्वारा गणना प्रपत्र भरकर नहीं दिया जाता है तो उसका नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची से वंचित रह जायेगा।

सांसद ने लोगों की सुनी समस्याएं

टांडा,अमृत विचार : सपा सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने मोहल्ला बरगद में एसआईआर पर बैठक कर कार्यकर्ताओं से फॉर्म भरने में लापरवाही न बरतने और तुरंत मदद करने को कहा। सांसद शुक्रवार रात नगर के मोहल्ला बरगद स्थित समाजवादी कार्यकर्ता के आवास पर एसआईआर से संबंधित बैठक की। सांसद ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि एसआईआर फॉर्म भरने में किसी तरह की लापरवाही न करें और जनता को परेशानी न हो। बैठक में तस्लीम पहलवान, मोहम्मद फारूक, मुबीन अहमद, सलाहुद्दीन सहित कई अन्य उपस्थित रहे।

आपत्तिजनक पोस्ट डालने का आरोपी गिरफ्तार

रामपुर,अमृत विचार : सोशल मीडिया पर धार्मिक भावनाओ को आहत करने वाली पोस्ट डालने के संबंध में अमीन अल्वी निवासी इन्द्री के खिलाफ भोट थाने में मुकदमा दर्ज किया था। शनिवार को पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद कोर्ट में पेश किया।

एसआईआर पर सवाल उठाने पर विपक्ष पर बरसे मुख्तार अब्बास नकवी

एसआईआर से वैध वोटर की सुरक्षा और अवैध वोटर की हो रही सफाई

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

निर्माणाधीन सद्भावना मंडप का निरीक्षण करते मुख्तार अब्बास नकवी। ● अमृत विचार

अमृत विचार : पूर्व केंद्रीय कैबिनेट मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने शनिवार को शंकरपुर स्थित अपने आवास पर एसआईआर के तहत अपना मतदाता शुद्धिकरण फॉर्म बीएलओ को सौंपा। इसके बाद उन्होंने एसआईआर पर सवाल उठाने पर विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कुछ डिफीटेड डपोरशंख बिना परिश्रम परीक्षा में पास होने के पाखंड में जुटे हैं, इनकी स्थिति उस परीक्षार्थी जैसी है जो बिना पढ़े प्रमोशन, बिना लिखे प्रमाण पत्र चाहता है।

उन्होंने कहा कि यदि फेल होगा तो पेपर आउट ऑफ कोर्स कहकर अपनी नाकामी का ठीकरा पेपर और परीक्षक पर फोड़ेगा। ऐसे डपोरशंखों को बीए, बीकॉम, बीएससी के बजाय, बीडी-बैचलर ऑफ डिफीट की डिग्री मिलती है। नाच न जाने आंगन टेढ़ा की कहावत चरितार्थ करते फिरते हैं। बिहार चुनाव में एसआईआर और वोट चोरी की काल्पनिक कहानी पर विदेशी मॉडल की एंट्री भी सरकार में इनकी नो एंट्री का दौर खत्म नहीं कर पाई।

● पूर्व मंत्री ने बीएलओ को सौंपा मतदाता शुद्धिकरण फॉर्म

एसआईआर पर काल्पनिक गणना बिहार चुनाव में बुरी तरह पिट चुकी है। एसआईआर लोकतांत्रिक प्रक्रिया है, जिसके जरिए वैध वोटर की सुरक्षा और अवैध वोटर की सफाई की जाती है। कुछ राजनीतिक दल इस संवैधानिक प्रक्रिया पर सांप्रदायिक प्रतिक्रिया के जरिए भटकाने व धमकाने की आपराधिक अराजकता में लगे हुए हैं। उन्होंने आतंकवाद पर कहा कि आतंकवाद किसी एक मुल्क, मजहब की नहीं सम्पूर्ण मानवता की मुसीबत है। आतंकवाद पर किसी भी तरह का दोहरा मापदंड ठीक नहीं है।

निर्माणाधीन सद्भावना मंडप का किया निरीक्षण

मंत्री नकवी पनवड़िया स्थित निर्माणाधीन सद्भावना मंडप पहुंचे। जहां मुख्य विकास अधिकारी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी, कार्य दाई संस्था एवं लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों के साथ निर्माण कार्यों की जानकारी ली। उन्होंने पत्रकार एवं समाजसेवी मुज्तबा आब्दी के निधन पर उनके घर जाकर शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना दी। कब्रिस्तान में उनकी कब्र पर जाकर फातिहा पढ़कर खिराजे अकीदत पेश की। इस दौरान भाजपा जिला अध्यक्ष हरीश गंगवार, जिला पंचायत ख्यालीराम लोधी, मोहनलाल सैनी, अशोक विश्नोई, जागेश्वर दयाल दीक्षित, कपिल आर्य, टेक चंद्र गंगवार, विवेक पांडे, दिलीप अरोड़ा, कृष्ण लाल चंद्रा, लक्ष्मीकांत सैनी, मिथलेश सिंह, सुभाष पांडे, नरेंद्र ठाकुर, महेश चंद्रवंशी, शाइन अंसारी, सोनू लोधी, अजय सैनी, प्रदीप गुप्ता, अर्जुन रस्तोगी, संजय चौधरी, मिसाल मेहंदी, रजा आब्दी, तबरेज़, ओमप्रकाश लोधी, सैयद मुर्तजा अली, संजय चंद्रा, चंद्रपाल आदि मौजूद रहे।

लिंटर उठाने आए मिस्त्री के साथ की मारपीट, तहरीर

मसवासी, अमृत विचार : पड़ोसी ने लिंटर उठाने वाले मिस्त्री व उसके ससुर के साथ गाली-गलौज कर मारपीट कर जातिसूचक शब्द कहे। पीड़ित ने शिकायत पुलिस में की है।

सैफनी के मोहल्ला निवासी सतीश व उसके ससुर अजीत सिंह ने हर प्रसाद का लिंटर उठाने का ठेका लिया था। शनिवार को दामाद- ससुर लिंटर उठा रहे थे। तभी चाऊपुरा निवासी तीन लोग आ गए और लिंटर उठाने का विरोध कर गालियां देने लगे। मिस्त्री ने विरोध किया तो आरोपियों ने मारपीट शुरू कर दी। ससुर बीच बचाव करने आयो तो उन्हें भी पीटा। सतीश ने तीनों लोगों के खिलाफ गाली-गलौज कर मारपीट करने व जातिसूचक शब्दों का प्रयोग करने की शिकायत चौकी पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

मोबाइल से दूरी, किताबों से दोस्ती से ही मिलेगी सफलता

मिशन शक्ति 5.0 के तहत आयोजित संवाद कार्यक्रम में बोलीं महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

छात्राओं के साथ मिशन शक्ति का पंपलेट दिखाती अध्यक्ष डॉ. बबीता चौहान। ● अमृत विचार

अमृत विचार : मिशन शक्ति के पांचवें चरण के तहत शनिवार को पीएमश्री राजकीय खुर्शीद कन्या इंटर कॉलेज में संवाद कार्यक्रम हुआ। जिसमें राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने दीप प्रज्ज्वलित कर छात्राओं से संवाद किया। उन्होंने बताया कि मोबाइल से दूरी बनाकर किताबों से दोस्ती करना ही सफलता की कुंजी है।

उन्होंने कहा कि सरकार महिलाओं के सर्वांगीण विकास के लिए अनेक योजनाएं संचालित कर रही है, परंतु इन योजनाओं का वास्तविक लाभ तभी मिलेगा जब महिलाएं और छात्राएं पूरी तरह जागरूक होंगी। कहा कि बच्चों का भविष्य उनकी मुट्ठी में है इसलिए मोबाइल से दूरी बनाकर किताबों से दोस्ती करें और सफलता हासिल करें। लाइब्रेरी में ज्ञानवर्धक पुस्तकों का अध्ययन करें, क्योंकि जो ज्ञान आज प्राप्त होगा वहीं आने वाले जीवन में मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने बताया कि बेटियां दो घरों को रोशन करती हैं। अच्छे संस्कार और संस्कृति को आगे बढ़ाना हमारी जिम्मेदारी है।

उल्लेख किया कि ऑपरेशन सिंदूर में भी बेटियों ने सक्रिय भूमिका निभाकर अपनी क्षमता और साहस को सिद्ध किया है। छात्राओं से संवाद करते हुए कहा कि कई बार 12वीं कक्षा के बाद कुछ छात्राएं पारिवारिक कारणों से आगे पढ़ाई जारी नहीं रख पाती हैं।

ऐसे मामलों में विद्यालय प्रशासन को अभिभावकों के साथ काउंसिलिंग कर छात्राओं की शिक्षा को निरंतर बनाए रखने का प्रयास करना चाहिए। उन्होंने मिशन शक्ति की हेल्पलाइन सहित सुरक्षा सेवाओं और सहायता स्रोतों के बारे में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की। कार्यक्रम में राज्य महिला आयोग की सदस्य सुनीता सैनी, जिला विद्यालय निरीक्षक अंजलि अग्रवाल, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कल्पना देवी तथा प्रधानाचार्य शिव शंकर उपस्थित रहे।

आउटसोर्सिंग कर्मी पर पैसे लेने का आरोप

रामपुर, अमृत विचार : राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने शनिवार को महिला चिकित्सालय और वन स्टॉप सेंटर का किया निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रदेश में महिलाओं के स्वास्थ्य में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाएं मजबूत हुई हैं। कुपोषण के मामलों में लगातार कमी दर्ज की गई है। एक महिला ने आउटसोर्सिंग कर्मी पर पैसे लेने का आरोप लगाया, जिस पर जांच के आदेश दिए।

गर्भवती महिलाओं की गोद भरतीं राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष। ● अमृत विचार

कहा कि प्रदेश सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य, सुरक्षा एवं सम्मान के प्रति पूर्णतः कटिबद्ध है। उन्होंने नवजात बच्चों के माता-पिता से मुलाकात कर उनका हाल-चाल जाना तथा नवजात बालिकाओं को बेबी किट एवं कपड़े प्रदान किए। एएनसी कक्ष, ओपीडी कक्ष, प्रसव कक्ष, एसएनसीयू कक्ष, इमरजेंसी कक्षों का गहनता से मुआयना किया। डॉक्टरों व स्टाफ की उपस्थिति, सेवाओं, चिकित्सीय सुविधाओं के संबंध में सीएमएस डॉ. अनवर सादात से जानकारी प्राप्त की। अस्पताल कर्मी मरीजों के प्रति संवेदनशील व्यवहार रखें और उनसे मधुर संबंध बनाए रखें।

बच्चों का अन्नप्राशन संस्कार, गर्भवती की भरी गोद

वन स्टॉप सेंटर पहुंचकर मिशन शक्ति फेज-5 के तहत आयोजित कार्यक्रम में नवजात बच्चों को अन्नप्राशन संस्कार कराया तथा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की। उन्होंने वन स्टॉप सेंटर में सहायता प्राप्त करने वाली पीड़ित महिलाओं की कानूनी सहायता व्यवस्था की जानकारी ली और संबंधित अधिकारियों को प्रभावी एवं संवेदनशील सहयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिला कार्यक्रम अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा, वन स्टॉप सेंटर की केंद्र प्रबंधक चांद-बी उपस्थित रहीं।

पंचायत मतदाता सूची में 39241 वोट निकले डुप्लीकेट, हटाए गए

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● चिह्नित किए 2,36,002 में से 196620 मतदाता जांच में वैध मिले

अमृत विचार : जिला निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार द्विवेदी के निर्देश पर पंचायत निर्वाचन नामावली वृहद पुनरीक्षण 2025 के अंतर्गत राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा जनपद के पंचायत क्षेत्र में समान नाम वाले एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत कुल 236002 मतदाताओं को डुप्लीकेट मतदाता के रूप में चिन्हित किया गया था। इसमें से जांच के बाद 39241 वोटों को हटा दिया गया है।

अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ. नितिन मदान ने बताया आयोग ने इन मतदाताओं का सत्यापन करते हुए एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत मतदाताओं को एक स्थान पर छोड़कर अन्य स्थानों से विलोपित करने के निर्देश दिए है। आयोग के निर्देशों के क्रम में बीएलओ तथा ग्राम स्तरीय कर्मचारियों द्वारा चिन्हित मतदाताओं का सत्यापन करते हुए मतदाताओं के आधार कार्ड के अंतिम चार अंक प्राप्त किये। जिसमें से सामान आधार कार्ड वाले मतदाता मृतक मतदाता शिफ्टेड मतदाता के रूप में पाए मतदाताओं को विलोपित किया। जांच में 236002 मतदाताओं में से 196620 मतदाता जांच में वैध पाए गए तथा इनमें से 11385 डुप्लीकेट मतदाताओं को बीएलओ द्वारा प्रारंभिक स्तर पर घर-घर सर्वे के दौरान जांच में विलोपित किया। 27856 मतदाताओं को डी डुप्लीकेशन प्रक्रिया के अंतर्गत जांच में विलोपित किया। इस प्रकार डी डुप्लीकेशन प्रक्रिया के तहत कुल 39241 मतदाताओं को विलोपित किया। कुल 354297 मतदाता का परिवर्धन संशोधन एवं विलोपन किया। जिसके तहत बीएलओ द्वारा ऑनलाइन एप पर 301000 मतदाताओं का ऑनलाइन एंट्री की गई। परिवर्धन के लिए 171075 एंट्री, संशोधन के लिए 21316 तथा विलोपन के लिए 108609 एंट्री की गई। इसके अतिरिक्त 53297 मतदाताओं की ऑफलाइन एंट्री की गई, जिसमें 30826 परिवर्धन, 3766 संशोधन तथा 18705 विलोपन किए गए। जिनका उप जिलाधिकारी द्वारा जांच करके निस्तारण किया जा रहा है। अपर जिलाधिकारी प्रशासन ने बताया कि पुनरीक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत कुल 301 निर्वाचकों द्वारा ऑनलाइन एप्लीकेशन दी गई, जिसमें से 224 परिवर्धन हेतु , 37 संशोधन के लिए 40 विलोपन हेतु प्रार्थना पत्र ऑनलाइन प्राप्त हुए। ऑनलाइन प्राप्त सभी प्रार्थना पत्रों का निस्तारण संबंधित उप जिला अधिकारियों द्वारा भौतिक सत्यापन करते हुए किया जा चुका है। आयोग द्वारा पंचायत निर्वाचन नामावली का अनंतिम प्रकाशन 23 दिसंबर को किया जाएगा। जिसका निरीक्षण मतदाताओं द्वारा किया जा सकता है। अनंतिम प्रकाशन के बाद 24 से 30 दिसंबर तक नाम संशोधन का दावा किया जा सकता है। इस अवधि में ऐसे निर्वाचक जिन्होंने 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, उनके द्वारा भी आवेदन किया जा सकता है। अंतिम प्रकाशन 6 फरवरी को किया जाएगा।

टांडा में 22 प्रतिशत प्रक्रिया शेष

टांडा,अमृत विचार : नगर में विशेष गहन पुनरीक्षण कार्य तीव्र गति से संचालित है। नगर टांडा का तकरीबन 78 प्रतिशत कार्य निष्पादित हो चुका है। 22 प्रतिशत प्रक्रिया अभी शेष है। बीएलओ एवं सुपरवाइजरों की टीम सतत रूप से घर-घर पहुंचकर फॉर्म प्राप्त कर रही है। नगरपालिका अध्यक्ष प्रतिनिधि सरफराज आलम ने सभी नगरवासियों से अपील की है कि वे इस एसआईआर कार्य में सहयोग करें।

न्यूज डायरी

राशन कार्ड से संबंधित समस्याओं को लेकर डीएसओ से मिले पदाधिकारी

रामपुर, अमृत विचार : जनसेवा समिति के प्रदेश अध्यक्ष वसीम उल हसन खान के नेतृत्व में जन सेवा समिति के पदाधिकारी पीड़ितों के साथ राशन कार्ड से संबंधित समस्याओं को लेकर जिला पूर्ति अधिकारी से मिले। शनिवार को प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि नए राशन कार्ड के लिए कई महीने पहले जिन लोगों ने ऑनलाइन आवेदन किया था, उनके कार्ड आज तक नहीं बन पाए है जबकि उनका सर्वे भी हो चुका है। पुराने कार्ड में लोगों के यूनिट नाम काटे जा रहे हैं। संज्ञान लेते हुए जिला पूर्ति अधिकारी ने समस्याओं को दूर कराया।आश्वासन दिया कि किसी का बिना वजह नाम नहीं काटा जाएगा। आधार पर आयकर और जीएसटी लिंक होने वालों के ही नाम हटाए जा रहे हैं। इस बात का ख्याल रखें जो पात्र है वही राशन लें। अन्यथा अगर वह इसके योग्य नहीं है तो वह अपने नाम कटवा लें। वसीम उल हसन खान, हारिस शमसी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष चंद्र प्रकाश रस्तोगी, वसी खां, नजमी खां, शिराज शमसी, सनी गुप्ता, हरविंदर सिंह, मुकर्रम मियां, मुकर्रम मियां उमेर अहमद, शीबू खां, मनी सिंह, काशिफ शम्सी, शहाब, अरविंद फैजान खां, मुजम्मिल हम्माद खान, महिला विंग शमनाज बी मेहनाज बी, अंजुम आरा, हूर बी, आबिदा नजीर,गुलनाज आदि लोग मौजूद थे।

भाकियू के प्रदेश सचिव का किसानों ने किया स्वागत

टांडा, अमृत विचार : तहसील क्षेत्र के गांव शहपुरा में भारतीय किसान यूनियन के तत्वावधान में किसान समीक्षा बैठक एवं प्रदेश सचिव सरदार मनजीत सिंह अटवाल के स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अटवाल का किसानों ने ढोल-नगाड़ों, पुष्प वर्षा और जयकारों के साथ उत्साहपूर्वक स्वागत किया। प्रदेश सचिव ने कहा कि संगठन पदाधिकारियों के मार्गदर्शन के साथ-साथ कार्यकर्ताओं की मेहनत और विश्वास से आगे बढ़ता है। जिले में धान खरीद में हो रही कालाबाजारी पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि जल्द ही भाकियू धरना-प्रदर्शन करेगी। प्रतिनिधि मंडल डीएम रामपुर से मुलाकात कर तत्काल रोकथाम की मांग करेगा। कार्यक्रम के दौरान सात युवाओं ने भाकियू की सदस्यता ग्रहण की। इस मौके पर जिला सचिव साबिर अली, फरीद खान,मजहर लाला, वारिस चौधरी, हसीन खान मांड्या, लखविंदर सिंह, कुलदीप सिंह, गुरमुख सिंह, इमरान अंसारी, बलजीत सिंह, गुरप्रीत अटवाल, इंतजार, रफीक, हसीब सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पात्रों का नाम मतदाता सूची में जोड़े बीएलओ

रामपुर, अमृत विचार : सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने शाहबाद क्षेत्र का किया दौरा किया। इस दौरान एसआईआर कार्य की समीक्षा की। मतदाता बूथों में जाकर जानकारी ली। साथ ही बीएलओ से सभी पात्रों का नाम मतदाता सूची में जोड़ने को कहा। उन्होंने कहा कि आगामी चुनाव के तहत पूरे देश में एसआईआर का काम चल रहा है। जिसके तहत पात्रों के नाम सूची में जोड़े जा रहे हैं एसआईआर में हो रही मनमानी के आरोप में शनिवार को सांसद मोहिब्बुल्लाह नदवी ने शाहबाद क्षेत्र के ग्राम पटवाई परोता, रुस्तमपुर, महेबा, शाहपुर देव और खदेली, बड़ा गांव, भगवतीपुर, दिबियापुर, धरमपुर, चदोली के अलावा कई अन्य बूथों का निरीक्षण किया। बीएलओ के साथ मतदाताओं से भी बात की। बीएलओ ने बताया घर-घर जाने के साथ ही कैंप लगाकर मतदाताओं के नाम सूची में जोड़े जा रहे हैं। इस दौरान राम बहादुर सागर,बदन सिंह यादव, नरेश यादव, महबूब अली पाशा, रफी,नूरी,कलवे अली,जमील सैफी,आसिफ अली मौजूद रहे।

एसी ट्रांसपोर्ट ने किया परफेक्ट टेस्ट हाउस का निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : सहायक आयुक्त परिवहन मयंक ज्योति ने शनिवार को शहजादनगर जीरो प्वाइंट स्थित परफेक्ट टेस्ट हाउस का निरीक्षण किया। वह रामपुर निजी कार्यक्रम से आए थे। इस दौरान उन्होंने एआरटीओ राजेश श्रीवास्तव व परिवहन विभाग की टीम के साथ परफेक्ट टेस्ट हाउस में रजिस्ट्रेशन काउंटर से लेकर क्लास रूम, ऑटोमेटिक ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक का निरीक्षण किया। जिसे देखकर उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त की। परफेक्ट टेस्ट हाउस के स्वामी शलभ गुप्ता ने उन्होंने ट्रेनिंग से लेकर टेस्टिंग तक के तरीके बताए। जिस पर उन्होंने बेस्ट सेंटर करार दिया।

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY
Rohilkhand Medical College Campus, Pilibhit Bypass Road,
Bareilly-243006 (UP) India, Phone : 0581-2526051, 053, 153
Email : registrar@biu.edu.in, Website : www.biu.edu.in
For any query contact : 9520876189, 9105500202, 9105500404

Applications are invited from Indian/NRI/Foreign National Students for Admission to Ph.D. Programmes January 2026 session in the following disciplines

- Faculty of Medical Sciences (All Clinical and Non-Clinical Specialities)
- Faculty of Nursing M.Sc. (N) with 3 years teaching or clinical experience
- Faculty of Dental Sciences (All Specilities)
- Humanities and Journalism English
- Faculty of Pharmacy
- Faculty of Management
- Faculty of Allied Health Sciences (Faculty of Paramedical Sciences) (Ph.D. in Medical Laboratory Technology/Physiotherapy)

Application Fee
- For Indian Candidate Rs. 2000/-
- NRI/Foreign National Candidate Rs. 5000/- or $60 USD

Last Date of Receiving Application : 30th November, 2025

Application Submission Address : To, The Registrar, Administrative Block, Bareilly International University, Bareilly-243006 (U.P.) India
For more details and application form & application fee, visit univerisity website : www.biu.edu.in
(https://biu.edu.in/reseach/Latest-Application-form-for-PHD-programme.pdf)

श्री गुरु तेग बहादुर के शहीदी दिवस पर निकाली संध्या फेरी

शनिवार को संध्या फेरी निकालती संगत। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● सिमरन जत्था की महिलाओं ने किया गुरबाणी कीर्तन

अमृत विचार : सिविल लाइंस स्थित गुरुद्वारा संत भाई जी बाबा से शनिवार को श्री गुरु तेग बहादुर जी महाराज एवं भाई मति दास जी, भाई सती दास एवं भाई दयाला जी के 350वें शताब्दी शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में संध्या फेरी निकाली गई।

सिंह सेवक जत्थे के तत्वावधान में बीपी कॉलोनी में ओंकार सिंह खजांची वाली गली से होते हुए मंदिर वाली गली से मदनलाल अरोड़ा वाली गली में भ्रमण करते हुए गुरु नानक दरबार वाली गली में पहुंची। वहां से चलकर जसमीत सिंह के घर होते हुए अतर सिंह के घर तक उसके पश्चात श्री गुरु गोविंद सिंह पार्क से होते हुए सुरेंद्र सिंह चावला की गली से विभिन्न विभिन्न मार्गों से होती हुई गुरुद्वारा पहुंची। संध्या फेरी में नाम सिमरन जत्था की महिलाओं द्वारा गुरबाणी कीर्तन किया गया। संध्या फेरी में गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी एवं सिंह सेवक जत्थे के प्रधान दर्शन सिंह खुराना, गुरचरण सिंह आहूजा, भूपेंद्र सिंह, त्रिलोचन सिंह वाधवा, मीत सेक्रेटरी महेंद्र सिंह होरा, पपिंदर सिंह,हरजीत सिंह, राज सिंह, जसमीत सिंह, अमरजीत सिंह, प्रेम अरोड़ा, संतोख सिंह खालसा,धनवंत सिंह आदि शामिल रहे।

न्यूज ब्रीफ

एसपी ने महिला सिपाहियों को किया सम्मानित

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्यासागर मिश्र ने शनिवार को पुलिस कार्यालय में पुलिस कर्मियों की बीट बुक एवं बीट संबंधी अभिलेखों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान बीट अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में निगरानी रखने, महिला सुरक्षा के प्रति जागरुकता कार्यक्रम संचालित करने एवं स्थानीय नागरिकों के साथ बेहतर जनसंपर्क बनाए रखने के लिए आवश्यक निर्देश प्रदान किए। बीट बुक के उत्तम संधारण, बीट से संबंधित पूर्ण, सटीक एवं अद्यतन जानकारी उपलब्ध रखने तथा बीट प्रबंधन में उत्कृष्ट कार्य के लिए पटवाई थाने की महिला मुख्य आरक्षी स्वदेशना और भोट थाने की महिला आरक्षी निक्की को पुरस्कार दिया।

गोवंशीय अवशेष मिलने से संगठनों में रोष

सैफनी, अमृत विचार : शनिवार को थाना क्षेत्र के मड़ैयान गौर गांव के जंगल में गोवंशीय अवशेष मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पाकर हिन्दू संगठन के लोगों ने जानकारी थाना पुलिस को दी। विश्व हिंदू परिषद के शाहबाद नगर अध्यक्ष शोभित गुप्ता ने बताया कि गांव निवासी कार्यकर्ता प्रशांत ने घटना के संबंध में दोपहर में जानकारी दी। जिस पर संगठन के लोग एकत्र होकर मौके पर पहुंच गए और सूचना पुलिस को दी। दोपहर में सूचना देने के बाद भी पुलिस ने मौके पर पहुंचने में कई घंटे लगा दिए। करीब साढ़े 3 बजे पुलिस पहुंची और अवशेष पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जिससे लोगों में आक्रोश है। पुलिस ने अज्ञात में रिपोर्ट दर्ज करने की बात कही है। मामले में कार्रवाई न होने पर संगठन प्रदर्शन करेगा। थाना प्रभारी निरीक्षक अजय कुमार मिश्रा ने बताया कि वह मौके पर गए थे किसी जानवर के अवशेष मिले हैं, उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। रिपोर्ट आने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

वरिष्ठ नागरिक बचत योजना 1 दिसंबर से शुरू

रामपुर, अमृत विचार : जिला सहकारी बैंक के सचिव व मुख्य कार्यपालक अधिकारी प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष 2025 के मद्देनजर बैंक द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को सहकारिता क्षेत्र से जोड़ा जाएगा। बैंक से वरिष्ठ नागरिकों को जोड़ने और बैंक के निक्षेप में वृद्धि के लिए 1 दिसंबर से 31 जनवरी तक वरिष्ठ नागरिक बचत योजना चलाई जाएगी। बताया कि 1 दिसंबर को पूर्वाह्न 11:30 बजे सिविल लाइंस स्थित बैंक मुख्यालय के सभागार में वरिष्ठ नागरिक बचत योजना का आरंभ किया जाएगा।

महिला व उसकी बेटियों के साथ मारपीट

मसवासी, अमृत विचार : मोहल्ले के के दो लोगों ने बिना वजह घर में घुसकर महिला व उसकी बेटियों के साथ मारपीट कर चोटिल कर दिया। महिला ने दो लोगों के खिलाफ चौकी पुलिस को तहरीर दी है। मोहल्ला चाऊपुरा निवासी पुष्पा रानी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि गांव के ही कुछ लोग उसके घर घुसकर बिना वजह उसे व उसके बच्चों को गालियां देने लगे। जब उसने मना किया तब यह लोग मारपीट पर आमादा हो गये। आरोपियों ने महिला सहित उसकी बेटी शिखा प्रयांशी, गुंजन को लात-घूसों से मारपीट कर चोटिल कर दिया। उसे गुम चोटें लगी है। देवर महेश बचाने आया तो उसे भी मारापीटा।

हॉकी फाइनल में आगा इलेविन ने जीती ट्रॉफी

हसन आगा मेमोरियल स्टेट हॉकी टूर्नामेंट में प्रतापगढ़ की टीम को 3-1 से हराया

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : स्वार रोड स्थित महात्मा गांधी स्टेडियम में हसन आगा मेमोरियल स्टेट हॉकी टूर्नामेंट के फाइनल में आगा इलेविन ने एक-तरफा मुकाबले में 3-1 से मैच जीतकर ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। मुख्य अतिथि भारतीय टीम के कप्तान जफर इकबाल ने विजेता व उप विजेता कप्तानों को ट्रॉफी सौंपी। ट्रॉफी के अलावा विजेता टीम को 50 और उपविजेता टीम को 35 हजार रुपये का नकद पुरस्कार दिया गया। इस दौरान स्टेडियम में आतिशबाजी की गई।

फाइनल मैच प्रतापगढ़ और आगा इलेविन की टीमों के बीच खेला गया। आगा इलेविन के यूसुफ ने पहला गोल कर बढ़त दिलाई इसके बाद सुमित और सूरज ने गोल कर हाफ टाइम तक 3-0 की बढ़त बना ली। मैच के दूसरे हॉफ में 43वें मिनट में प्रतापगढ़ के दिवयांशु ने गोल कर

महात्मा गांधी स्टेडियम पर फाइनल में भिड़तीं टीमें। ● अमृत विचार

● भारतीय हॉकी टीम के पूर्व कप्तान जफर इकबाल ने वितरित किए पुरस्कार

लीड कम की। आगा इलेविन ने 3-1 से मुकाबला जीत लिया। बेस्ट ऑफ द टूर्नामेंट प्रतापगढ़ के दिव्यांशु रहे। मैच देखने के लिए पालिकाध्यक्ष सना खानम, मामून शाह खां, इश्शू मियां, प्रो. एजाज अली, मेराज आगा, जावेद जाफरी, शम्मी बेग, डॉ. अजीम नकवी, खालिद खां, इरफान खां, जुनैद खां, संजय नूर खां, जावेद खां, इकबाल अली खां, गुलवेज खां, इमरान खां, राकेश श्रीवास्तव, डॉ. अनूप सिंह, मारिया फरहत, आदिल हसनैन, वकार खां, आसिम खां, मुकर्रम शाह खां, फरहत अली खां, फैयाज अली खां, यूसुफ अली खां, नासिर खां, नूर खां, फहीम कुरैशी, जिया खां, शमीम खां, शकील गौस आदि मौजूद रहे।

विजेता टीम के कप्तान को 50 हजार रुपये का चेक देते मुख्य अतिथि जफर इकबाल एवं अन्य।

छोटे बच्चों का शो मैच करा बढ़ाया हौसला

अंपायरिंग बृजेश कुशवाहा और मुशीर अहमद ने की। टेक्निकल टेबिल का कार्य अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खिलाडी महेंद्र बोरा ने देखा। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी जमशेद आगा, फैजान आगा और अलीगढ़ ओल्ड बॉयज ने मुख्य अतिथि को बुके देकर और शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। फाइनल मैच से पूर्व छोटे बच्चों का एक शो मैच करा हौसला बढ़ाया और सम्मानित किया। कमेंट्री नासिर खां ने की।

लक्ष्य की ओर बढ़ें, एक दिन जरूर मिलेगी सफलता

छात्र-छात्राओं द्वारा लगाए स्टॉल का अवलोकन करते अतिथि। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

● जीआईसी में आयोजित करियर मेले में बोले अतिथि

अमृत विचार : राजकीय इंटर कॉलेज टांडा में शनिवार को करियर मेले का आयोजन किया गया। मुख्यातिथि सीएचसी चिकित्सा अधीक्षक डॉ. सतपाल सिंह ने कहा कि छात्र-छात्राएं हाईस्कूल में आते ही जिस क्षेत्र में जाना चाहते हैं उसके लिए लक्ष्य निर्धारित कर लें। धीरे-धीरे लक्ष्य की ओर बढ़ते रहें, एक दिन सफलता जरूर मिलेगी।

इससे पहले मुख्यातिथि व विशिष्ट अतिथि शरद कुमार सागर और कॉलेज प्रधानाचार्य अरविंद भास्कर ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का आरंभ किया। छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। सरकार द्वारा छात्र-छात्राओं के करियर के लिए संचालित पंख पोर्टल के बारे में जानकारी दी। छात्र-छात्राओं क्लीनिक, फार्मेसी, यूपीएससी, पुलिस, इंजीनियर, होटल मैनेजमेंट, ब्यूटीशियन, नर्सिंग एवं अन्य व्यवसाय के स्टॉल लगाए गए। इस अवसर पर डॉ. अनूप कुमार सिंह प्रवक्ता राजकीय शारीरिक प्रशिक्षण महाविद्यालय, राकेश सक्सेना सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य, संतोष कुमार, शादाब अजीम आदि उपस्थित रहे।

रुद्र-बिलास चीनी मिल के सुचारु नहीं चलने से किसान आक्रोशित, प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : रुद्र-बिलास सहकारी चीनी मिल के सुचारु रूप से न चलने पर किसानों ने मिल प्रबंधन के खिलाफ प्रदर्शन किया। किसानों ने महा प्रबंधक का घेराव कर अपनी नाराजगी जताई। बाद में आश्वासन मिलने पर किसान शांत हुए।

बिलासपुर में भारतीय किसान यूनियन-चढूनी से जुड़े किसानों द्वारा जिलाध्यक्ष हरदीप सिंह के नेतृत्व में किया गया। किसान हाईवे स्थित रुद्र-बिलास सहकारी चीनी मिल पर एकत्रित हुए और नारेबाजी की। आक्रोशित किसानों ने बताया कि पेराई सत्र 20 नवंबर से शुरू हुआ था। लेकिन मिल प्रबंधन अब तक केवल चार सौ ट्रॉली गन्ने की ही तौल कर पाया है। किसानों का आरोप है कि बगास की कमी के कारण मिल

खेत तक कृषि यंत्र ले जाने में हो रही दिक्कत

रामपुर, अमृत विचार : उप जिलाधिकारी बिलासपुर को सौंपे ज्ञापन में किसानों ने कहा है कि 15 नवंबर को तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में अधिकारियों को एक प्रार्थना पत्र सौंपा था। जिसमें कहा था कि गाटा संख्या 392 पर चकरोड को कुछ पड़ोसी काश्तकारों ने काटकर अपनी आराजी में मिला लिया है। जिसकी वजह से अन्य खेत स्वामियों को अपने खेतों पर कृषि यंत्र लाने ले जाने में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उनका कहना है कि समाधान दिवस में दिए गए प्रार्थना के आधार पर शुक्रवार को संबंधित लेखपाल मौके पर पहुंचे थे। आरोप है कि लेखपाल ने चकरोड की पैमाइश करने के बजाए कब्जाधारियों से साठ-गांठ करने के बाद उन ही लोगों को धमकाने लगे। मांग है कि चकरोड की पैमाइश कर उसे कब्जामुक्त कराया जाए और संबंधित लेखपाल के विरुद्ध कार्रवाई की जाए। ज्ञापन पर दीपक कुमार, अकील अहमद, छिद्दन, जमना, अहमद नबी, रामपाल, सनी राठौर, विक्की राठौर, मोनू कुमार, रफीक आदि के हस्ताक्षर हैं।

● चीनी मिल प्रबंधन के खिलाफ किसानों ने की जोरदार नारेबाजी जीएम का घेराव किया

सुचारु रूप से नहीं चल पा रही है, जिससे उनका गन्ना मिल परिसर में सूख रहा है।

किसानों ने यह भी शिकायत की है कि सर्दी के मौसम में उन्हें मिल में रातें गुजारनी पड़ रही हैं, लेकिन उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं की गई है।

इस अवसर पर गुरविंदर सिंह, कुलदीप सिंह, हरजिंदर सिंह, काबुल सिंह, गुरमुख सिंह, जमील अहमद, मुकुट, देवेंद्र, अशोक, हरीश और कृपाल सिंह सहित कई किसान मौजूद रहे।

छात्र-छात्राओं के नाटक और गजलों पर खूब बजीं तालियां

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में तीन दिवसीय युवा महोत्सव उमंग के कार्यक्रमों में बेहतर प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के मुख्यातिथि एसडीएम सदर कुमार गौरव, प्राचार्य प्रो. जागृति मदान धींगड़ा ने सरस्वती प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

मुख्यातिथि ने कहा कि हमें सच्चाई को सामने लाने के लिए सदैव तत्पर रहना चाहिए अन्यथा झूठ सच पर हावी हो जाता है। असफलताओं को निरंतर प्रयास से दूर किया जा सकता है। छात्र-छात्राओं ने गीत, गजल, नाटक और फैंसी ड्रेस शो प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरीं। एकल गायन में स्वालेहा मिर्जा ने प्रथम, तरुणा जोगेश ने द्वितीय एवं वसीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। फैंसी ड्रेस में मुस्कान ने रानी लक्ष्मीबाई

प्राचार्य एवं प्राध्यापक के साथ पुरस्कृत छात्र-छात्राएं। ● अमृत विचार

● राजकीय रजा स्नातकोत्तर महाविद्यालय में उमंग कार्यक्रम संपन्न

का अभिनय करते हुए प्रथम, तनु ने द्वितीय एवं कृतिका शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। निबंध में अनीसा ने प्रथम, अमर प्रकाश ज्योति ने द्वितीय, शुमाएला शोएब ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पुष्प सज्जा में आरती, वैशाली गुप्ता एवं अंजलि बीएड ने प्रथम स्थान, उरुबा इरम, बुशरा मोहसिन एवं इलमा मोहसिन बीएससी ने द्वितीय तथा बुशरा अंजुम, अल्फिया ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मुशायरा-कवि सम्मेलन में इंतेखाब आलम न प्रथम, स्वालेह मिर्जा एवं आलिया आरिफ ने द्वितीय तथा मनीषा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रश्नोत्तरी में जीशान अली ने प्रथम, विकास ने द्वितीय करन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में बीएड विभाग से रविंद्र सिंह ने प्रथम, निधि कुमारी ने द्वितीय एवं अंजलि ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अंत में समारोहक डॉ. अरशद रिजवी ने सभी का आभार जताया। इस मौके पर डॉ. सोमेंद्र सिंह, डॉ. बेबी तबस्सुम, डॉ. मुजाहिद अली, डॉ. नरेश, डॉ. मोनिका खन्ना, डॉ. अब्दुल लतीफ, डॉ. मीनाक्षी गुप्ता, डॉ. अरुण कुमार आदि मौजूद रहे।

अनुपयोगी सामग्री से बनाई उपयोगी वस्तुएं

रंगोली में शहरीन सदफ, दीक्षा सागर, अंजलि, वैशाली गुप्ता एवं आरती ने प्रथम, अरीबा हनीफ, फलक नाज, हुमा, रहनुमा और जोगेंद्र ने द्वितीय, अमरीन शाहिद, सानिया महबूब, प्रीति, खुशी और काजल सागर ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। अनुपयोगी सामग्री से उपयोगी वस्तुओं का निर्माण में तनु दिवाकर ने प्रथम, सिंबर ने द्वितीय, आलिया आरिफ ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। नुक्कड़ नाटक में बीएड संकाय ने प्रथम, विज्ञान संकाय ने द्वितीय एवं कला संकाय ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

हाईकोर्ट बेंच की स्थापना को लेकर प्रदर्शन

कार्यालय संवाददाता, रामपुर

अमृत विचार : पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना को लेकर शनिवार को बार अध्यक्ष सतनाम सिंह मट्टू के नेतृत्व में अधिवक्ता बार सभागार में एकत्रित हुए। उसके बाद नारे बाजी करते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचे। प्रदर्शन कर प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा।

जिसमें बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य में इलाहाबाद हाईकोर्ट प्रयागराज में स्थित है। जिसकी एक बेंच लखनऊ में स्थित है। लखनऊ बेंच में आस-पास के 15 जिलों का क्षेत्राधिकार दिया गया है। लेकिन पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सभी 22 जिलो का क्षेत्राधिकार इलाहाबाद हाई कोर्ट को दिया गया है। सुगम एवं सुलभ न्याय पाना प्रत्येक नागरिक का अधिकार है, लेकिन उप्र के सहारनपुर जनपद से प्रयागराज, इलाहाबाद हाईकोर्ट

कलेक्ट्रेट में प्रदर्शन करते अधिवक्ता। ● अमृत विचार

● प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा

की दूरी 850 किमी से अधिक है। प्रयागराज से सबसे नजदीक रामपुर व आगरा पड़ते हैं उनकी भी दूरी 500 किमी से अधिक है ऐसे में वादकारियों का पैरवी करना बहुत मुश्किल है। उत्तर प्रदेश में अधिवक्ताओं के साथ आए दिन अप्रिय घटनाएं घटती हैं। उनकी सुरक्षा के लिये कोई कानून नहीं है। मांग है कि पश्चिमी उत्तर प्रदेश के अधिवक्ताओं व वादकारियों को सुगमता व सुलभ न्याय प्रदान करने के लिए पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईकोर्ट बेंच की स्थापना करने के लिये सरकार को निर्देशित करें। एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करें और शस्त्र लाइसेंस दिए जाए। इस मौके पर रोहित कुमार शर्मा, विनय शर्मा, ठाकुर कौशलेंद्र सिंह, रईस अहमद, जाहिद खां, फारूक अहमद, अरविंद्र कुमार सैनी, राहुल गुप्ता, रिजवान अली आदि मौजूद रहे।

एसपी ने किया निरीक्षण

रामपुर, अमृत विचार : पुलिस अधीक्षक विद्या सागर मिश्र और अपर पुलिस अधीक्षक अनुराग सिंह ने शनिवार को थाना बिलासपुर का निरीक्षण। अपराध, त्योहार, मालखाना, विवेचना रजिस्ट्रर देखा। फ्लाई शीट आदि एवं उनके रख रखाव, साफ-सफाई, उनमें अंकित की जाने वाली प्रविष्टयों देख थाना परिसर में बने कार्यालय, मालखाना, भोजनालय, हवालात, कम्प्यूटर कक्ष, मिशन शक्ति केंद्र, साइबर सेल आदि की साफ- सफाई का जायजा लेकर संबंधित को दिशा निर्देश दिए।

4 वाहन सीज

रामपुर, अमृत विचार : डीएम के निर्देश पर परिवहन विभाग ने वाहनों की चेकिंग की। वरिष्ठ सहायक सम्भागीय परिवहन अधिकारी राजेश कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि शनिवार सुबह 5 बजे चलाए गए चेकिंग अभियान में परिवहन विभाग की टीम द्वारा ओवरलोड 3 डंपर व 1 पिकअप को नवीन मंडी और अजीतपुर चौकी में सीज किया। जिन पर 2 लाख का जुर्माना लगाया गया। इसके अतिरिक्त 7 अन्य बड़े वाहनों पर बिना रिफलेक्टर टेप, हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट न लगाने पर और टैक्स जमा न करने पर चालान की कार्रवाई की गई।

न्यूज डायरी

ग्रामीण क्षेत्र की मेधावी छात्राओं को किया सम्मानित

रामपुर, अमृत विचार : स्वार टांडा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं पूर्व मंत्री हाजी निसार हुसैन की पत्नी हज्जन सकीना बेगम की 15वीं बरसी पर गांव मीरापुर में कब्र पर फूल व दुआ फातिहा कर खिराजे अक़ीदत पेश की गई। उनके बेटे जिला पंचायत सदस्य मुस्तफा हुसैन ने ग्रामीण क्षेत्र की मेधावी छात्राओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जिला पंचायत सदस्य ने गांव सारावा की मेधावी छात्रा नगमा व साजिया, गांव दलेलनगर की छात्रा नजमीश व मेहरीन जहां, अंजू सिंह, रेखा आदि को विशेष पुरस्कार देकर सम्मानित किया।जिला पंचायत सदस्य ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में गरीबी के कारण उन्हें पढ़ने का मौका नहीं मिल पा रहा है। उन्हें शिक्षा दिलवाया जाना बहुत जरूरी है। पूर्व जिला पंचायत सदस्य जुल्फिकार हुसैन, पूर्व प्रधान रामचंद्र दिवाकर, मास्टर सजाबुल अली, मिक्की पाशा, अहसान अली, भूरा अली, अयूब अली आदि मौजूद रहें।

मिस फ्रेशर बेबी उरूज और मिस्टर फ्रेशर चुने गए अहमद रजा

रामपुर, अमृत विचार : इम्पैक्ट कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी में शनिवार को फ्रेशर पार्टी में छात्र-छात्राओं ने नृत्य, गायन, नाटक और फैशन वॉक कर खूब तालियां बटोरीं। कॉलेज के चेयरमैन डॉ. सुल्तान सैफी ने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले छात्र-छात्राओं का स्वागत कर उनमें उत्साह, आत्मविश्वास को बढ़ावा देना है। कड़ी प्रतिस्पर्धा के बाद मिस फ्रेशर का खिताब बेबी उरूज को दिया गया। जबकि मिस्टर फ्रेशर के रूप में अहमद रजा चुने गए। विजेताओं को मुख्य अतिथियों ने सम्मानित किया। सभी सेमेस्टर के टॉपर्स को मेडल और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। अच्छी परफॉरमेंस देने वाले फैकल्टी मेंबर्स को पुरस्कृत किया गया। गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में इम्पैक्ट कॉलेज ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के डायरेक्टर डॉ. कौशल कुमार समेत विशिष्ट अतिथियों में एमडी सरताज अहमद, प्राचार्य प्रो. आसिम अहमद व उस्मान सैफी मौजूद रहे।

मांगों को लेकर सेवानिवृत कर्मचारियों ने निकाला कैंडल मार्च

रामपुर, अमृत विचार : सेवानिवृत कर्मचारी एवं पेंशनर एसोसिएशन से जुड़े लोग शनिवार को अध्यक्ष नरेंद्र पाल सिंह के नेतृत्व में आंबेडकर पार्क में एकत्रित हुए। मांगों को लेकर पदाधिकारियों ने कलेक्ट्रेट परिसर तक कैंडल मार्च निकाला। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन प्रशासनिक अधिकारी को सौंपा। जिसमें कहा कि केंद्रीय आठवें वेतन आयोग के गठन भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के संकल्प पत्र 3 नवंबर को देखते हुए देशभर के पेशनरों में निराशा एवं क्षोम व्याप्त है। इसका मुख्य कारण यह है। पूर्व में भी वेतन आयोग द्वारा पेशनरों को शामिल किया जाता रहा है, लेकिन मौजूदा आठवें वेतन आयोग के संकल्प पत्र में इस विषय को छोड़ दिया है। ऐसा पहली बार हुआ है। हमें शामिल किया जाना चाहिए। मांग की है कि पूर्व वेतन आयोग की भांति आठवें वेतन आयोग का भी तत्काल संदर्भित किया जाए। ज्ञापन देने वालों में परवेज अहमद, जसराज सिंह सागर, ओमवीर सिंह, वेदप्रकाश शर्मा, राम मोहन लाल सक्सेना मौजूद रहे।

रामपुर भी आते रहे पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल

रामपुर, अमृत विचार : पूर्व केंद्रीय गृह राज्यमंत्री श्रीप्रकाश जायसवाल कई बार रामपुर आए थे। पूर्व सांसद बेगम नूरबानो और पूर्व मंत्री नवाब काजिम अली खां उर्फ नवेद मियां से उनके अच्छे संबंध थे। उनके निधन पर नवाब परिवार ने दुख जताया है। कानपुर से तीन बार सांसद, केंद्रीय कोयला मंत्री और केंद्रीय गृह राज्यमंत्री रह चुके श्रीप्रकाश जायसवाल का शुक्रवार रात्रि निधन हो गया। वह 81 वर्ष के थे। बतौर केंद्रीय मंत्री वो कई बार रामपुर आए थे। बेगम नूरबानो और नवेद मियां से उनके संबंध थे और वो शाही परिवार का बहुत सम्मान करते थे उस समय बेगम नूरबानो के मीडिया प्रभारी रहे काशिफ खां ने बताया कि जब श्रीप्रकाश जायसवाल रामपुर आए थे, तब केंद्रीय गृह राज्यमंत्री थे। नूर महल में लोगों से मुलाकात की थी और जनसमस्याएं सुनी थीं।

50 मीटर दौड़ में आर्यन प्रथम

विजयी छात्रा को पुरस्कार देते मुख्य अतिथि। ● अमृत विचार

संवाददाता, टांडा

अमृत विचार: शनिवार को न्याय पंचायत बादली के पूर्व माध्यमिक विद्यालय कारखेड़ा में दिव्यांग बच्चों के ब्लॉक स्तरीय खेलों का आयोजन किया। शुरुआत मुख्य अतिथि जूनियर हाईस्कूल पूर्व माध्यमिक शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष डॉ राजवीर सिंह ने हरी झंडी दिखाकर किया। 50 मीटर दौड़ में यूपीएस करखेड़ा के आर्यन प्रथम व प्राथमिक विद्यालय करखेड़ा के यूवी द्वितीय रहे।

नींबू दौड़ के बालक वर्ग में मोनिश प्राथमिक विद्यालय करखेड़ा प्रथम व आर्यन यूपीएस करखेड़ा द्वितीय रहे। बालिका वर्ग नींबू दौड़ में मानू यूपीएस बदली प्रथम व यूपीएस करखेड़ा की शना द्वितीय रही। कुर्सी दौड़ बालक वर्ग में आर्यन यूपीएस करखेड़ा और बालिका वर्ग में चंचल यूपीएस करखेड़ा प्रथम रहे। जू. हाई स्कूल शिक्षक संघ के ब्लॉक अध्यक्ष जय प्रकाश सिंह, प्रधानाध्यापक हिमदीप सिंह, सुनील कुमार, एडीओ विकास कुमार, नरेश कुमार, कृष्णपाल सिंह, नईम खान, अर्जुन सिंह आदि उपस्थित रहे। बच्चों को मुख्य अतिथि डॉ. राजवीर सिंह ने मेडल पहनाकर और गिफ्ट देकर सम्मानित किया। आयोजक नरेंद्र कुमार यादव, मनोज कुमार और कपिल कुमार रहे।

आज अजीतपुर सहित कई जगहों पर बंद रहेगी बिजली

रामपुर, अमृत विचार: अधिशासी अभियंता पीके के शर्मा ने बताया कि रविवार को प्रातः 10 बजे से 14 तक 33 केवी विद्युत उपकेंद्र अजीतपुर प्रथम एवं द्वितीय रामपुर से पोषित 11 केवी के अजीतपुर 1,2 व ज्वालानगर 1,2, इंडस्ट्रियल, रायपुर 1 और रायपुर 2 फीडर पर लाइनों के मरम्मत का कार्य शिफ्टिंग का कार्य प्रस्तावित है।

जिससे उपकेंद्र अजीतपुर प्रथम एवं द्वितीय बिजलीघर से पोषित क्षेत्र विष्णु विहार, साईं विहार, ज्वालानगर, रफत कॉलोनी, मायादेवी धर्मशाला, बजरंग बिहार, राम विहार, लक्ष्मी नगर, विकास नगर, आगापुर, मंसूरपुर, राजा टेक्सटाइल, कृष्णा विहार, लेबर कॉलोनी, रफत कॉलोनी अजीतपुर, सैनी बस्ती, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी, पसियापुर, टिकट गंज, शाहाबाद रोड, रायपुर ग्राम, पनवड़िया, अहमद नगर जागीर रोशन बाग, गोकुलधाम इंडस्ट्रियल एरिया अजीतपुर आदि की विद्युत आपूर्ति पूर्ण रूप से बंद रहेगी।

ई-बस शुरू करने की मांग

संवाददाता, टांडा

अमृत विचार: नगर पालिका अध्यक्ष साहिबा सरफराज और पूर्व अध्यक्ष पति सरफराज आलम ने मंडलायुक्त आंजनेय कुमार सिंह से भेंट कर टांडा से मुरादाबाद के बीच इलेक्ट्रॉनिक ई-बसों के संचालन को पुनः सुचारू करने की मांग की।

शनिवार को दिए पत्र में पालिका अध्यक्ष ने कहा कि ई-बस सेवा बंद होने से रोजाना यात्रा करने वाले नगर व क्षेत्रवासियों को असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। बताया कि गत वर्ष मंडलायुक्त के निर्देश पर टांडा-मुरादाबाद मार्ग पर ई-बसों का संचालन शुरू कराया था। जिससे आमजन को किफायती, सुरक्षित यातायात सुविधा मिली थी। लेकिन ई-बस सेवा बंद होने से लोगों में निराशा व्याप्त है। टांडा की लगभग 25 प्रतिशत आबादी प्रतिदिन रोजगार, व्यापार, शिक्षा के उद्देश्य से मुरादाबाद आवागमन करती है। उच्च स्तरीय

ज्ञापन देतीं पालिका अध्यक्ष।

● पालिका अध्यक्ष ने मंडलायुक्त को सौंपा ज्ञापन

चिकित्सा सुविधाएं भी मुरादाबाद में ही उपलब्ध हैं। पालिका अध्यक्ष ने मंडलायुक्त से आग्रह किया कि जनहित को ध्यान में रखते हुए पूर्व की भांति ई-बसों के संचालन को तत्काल बहाल कराया जाए, जिससे यात्रियों को राहत मिल सके। वहीं अक्टूबर माह में शुरू ई-बस सेवा से मुरादाबाद व बाजपुर रूट पर सुविधा प्रदान की थी। बीते सप्ताह से सेवा न होने से यात्रियों में निराशा है।

अमृत विचार

मुरादाबाद , रविवार,30 नवंबर 2025

10 दंपतियों ने किया विवाद समाप्त

बहजोई,अमृत विचार: पुलिस लाइन के सभागार में आयोजित पुलिस परिवार सुलह समझौता केंद्र पर 10 दंपतियों ने समझौते के आधार पर अपना विवाद समाप्त कर दिया और पुलिस लाइन से ही अपने घर वापस लौट गए। उनकी जिंदगी एक बार फिर से पटरी पर लौट आई।

परामर्श केंद्र प्रभारी रुकम सिंह ने बताया कि 81 पत्रावली सुनकर 30 पत्रावली का निस्तारण किया गया है। 10 दंपतियों ने अपना विवाद समझौते के आधार पर समाप्त कर दिया है। वहीं 17 पत्रावली आवेदक द्वारा बाल न दिए जाने के कारण बंद कर दी गई है। तीन पत्रावली में विधिक कार्रवाई को अग्रेषित की गई है।

निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे पर बेखौफ होकर बाइकें दौड़ा रहे लोग, लोगों की जान की परवाह नहीं

गंगा एक्सप्रेस-वे पर छह मौतों के बाद भी नहीं थम रही रफ्तार

कार्यालय संवाददाता,संभल/सौंधन

अमृत विचार: मेरठ से प्रयागराज को जोड़ने के लिए बन रहे गंगा एक्सप्रेस-वे पर वाहनों का अवैध आवागमन थमा नहीं है। गुरुवार शाम सब्जी से भरी पिकअप और कार की आमने-सामने टक्कर में छह लोगों की मौत के बाद भी स्थिति में खास सुधार नहीं दिख रहा है। शनिवार को एक्सप्रेस वे पर एआरटीओ की मौजूदगी के बाद भी वाहन दौड़ते रहे।

गंगा एक्सप्रेस-वे के निर्माण का कार्य अभी पूरा नहीं हुआ लेकिन वाहन दौड़ रहे हैं। गुरुवार को इसी अवैध आवागमन की वजह से पिकअप व कार की टक्कर में छह लोगों की मौत हो गई थी। अगले ही दिन निर्माण कार्य कर रही एजेंसी ने खिरनी से मेरठ और प्रयागराज की ओर जाने वाले कट को कंक्रीट बैरियर लगाकर बंद कर दिया था, ताकि वाहन एक्सप्रेस-वे पर न चढ़ सकें। इसके बावजूद शनिवार को एक्सप्रेस-वे पर वाहनों की आवाजाही जारी रही। कई बाइक सवार बहजोई और आसपास के क्षेत्रों से तेज रफ्तार में एक्सप्रेस-वे पर फर्राटा भरते दिखाई दिए। जहां गुरुवार को दुर्घटना हुई थी, वहां शनिवार को एआरटीओ व उनकी टीम मौजूद रही।

अधिकारियों ने एक्सप्रेस-वे पर चढ़ने की कोशिश कर रहे बाइक चालकों को रोकने की कोशिश की, लेकिन कई लोग नियमों की अनदेखी करते हुए नए रास्ते तलाशकर एक्सप्रेस-वे पर फर्राटा भरते रहे। लोगों का कहना है कि एक्सप्रेस-वे के आसपास कई छोटे रास्ते हैं, जिनके माध्यम से लोग बैरियर हटाए बिना भी सड़क पर पहुंच जाते हैं।

गंगा एक्सप्रेस-वे पर एआरटीओ के सामने से गुजरते बाइक सवार। ● अमृत विचार

सख्त कदम उठाने की जरूरत

निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे के हर प्रवेश बिंदु पर सुरक्षा कर्मी तैनात किए जाएं और अवैध चढ़ाई रोकने के लिए स्थायी बैरियर लगाए जाएं। साथ ही स्थानीय प्रशासन को भी गश्त और निगरानी बढ़ानी चाहिए, ताकि मौतों का यह सिलसिला थम सके। छह लोगों की मौत के बाद भी जिस तरह एक्सप्रेस-वे पर रफ्तार जारी है, उससे फिर कोई बड़ा हादसा हो सकता है। स्थानीय लोगों और प्रशासन के बीच समन्वय बनाकर ही इस खतरनाक स्थिति पर रोक लगाई जा सकती है।

युवक करते हैं रेसिंग

ग्रामीणों का कहना है कि जब तक निर्माणाधीन एक्सप्रेस-वे पर पूरी तरह रोक नहीं लगेगी और पुलिस की नियमित निगरानी नहीं बढ़ेगी, तब तक हादसों का खतरा बना रहेगा। शाम होते ही युवक रेसिंग के लिए एक्सप्रेस-वे का इस्तेमाल करते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका और बढ़ जाती है। निर्माणाधीन होने के बावजूद इस सड़क को हाईवे की तरह इस्तेमाल किया जा रहा है। निर्माण सामग्री, मशीनें और मजदूरों के बीच तेज गति से दौड़ते वाहन कभी भी किसी बड़े हादसे को जन्म दे सकते हैं।

टेंपो की टक्कर से बुजुर्ग की मौत

बहजोई,अमृत विचार: सड़क किनारे खड़े बुजुर्ग की टेंपो की टक्कर से मौत हो गई।

बहजोई के गांव पुरा मझोला निवासी मोहन सिंह शुक्रवार को गांव के तिराहे पर घर जाने के लिए खड़े थे। बहजोई की ओर से जा रहे तेज रफ्तार टेंपो ने टक्कर मार दी जिससे वह गंभीर घायल हो गए। परिजन उन्हें निजी अस्पताल चंदौसी ले गए। जहां से उन्हें मुरादाबाद रेफर किया गया। मुरादाबाद से मेरठ रेफर कर दिया गया। शनिवार को उन्होंने मेरठ में उपचार के दौरान अपना दम तोड़ दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। जबकि टेंपो चालक टक्कर मार कर फरार हो गया था।

मुठभेड़: दो बदमाशों को पैर में गोली मार दबोचा

शराब कारोबारी के मैनेजरों से 7.98 लाख की लूट का मामला, हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में पुलिस से मुठभेड़

कार्यालय संवाददाता,संभल

अमृत विचार: थाना हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में शनिवार शाम पुलिस की बदमाशों के साथ हुई मुठभेड़ में शराब कारोबारी के मैनेजरों से हुई 7.98 लाख रुपये की बड़ी लूट का खुलासा हो गया। कार से फरार हो रहे दो बदमाश पुलिस की जवाबी फायरिंग में पैरों में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों को पुलिस ने दबोच लिया। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई और सीओ आईपीएस आलोक भाटी घटनास्थल और अस्पताल पहुंचे।

25 नवंबर को शाम 6 बजे शराब कारोबारी के मैनेजर सौरभ चौधरी व राजेंद्र भाटी शराब की दुकानों से बिक्री का पैसा इकट्ठा कर वापस लौट रहे थे तभी संभल मुरादाबाद मुख्य मार्ग पर फिरोजपुर पुल के पास पीछे से आए दो बाइक सवार बदमाशों ने उनकी बाइक को रुकवाकर 7.98 लाख रुपये से भरा बैग लूट लिया था। इस वारदात के खुलासे के लिए एसपी ने पुलिस की पांच टीमों को लगाया था। पुलिस को जानकारी मिली थी कि शनिवार को संभल-मुरादाबाद रोड पर कुछ संदिग्धों की आवाजाही देखी गई थी। पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक भाटी ने बताया कि पुलिस ने दोपहर से ही संदिग्धों की तलाश के लिए वाहन चेकिंग शुरु कर दी थी। चेकिंग के दौरान बिना नंबर प्लेट की संदिग्ध बाइक को रोकने का इशारा किया गया, लेकिन सवार भागने लगा। पीछा कर पुलिस ने बाइक सवार को पकड़ा तो उसकी बाइक चोरी की निकली।

पूछताछ में युवक ने खुलासा किया कि वह 25 नवंबर को हजरतनगर गढ़ी क्षेत्र में हुई लूट में शामिल था। यह भी बताया कि उनका गिरोह आज फिर से लूट की एक बड़ी वारदात के लिए की आया था और रेकी करने जा रहा था। उसके दो साथी कुछ देर में सिरसी फाटक से अल्टो कार एचआरएम 51 ए.जेड 4123 से आ रहे हैं।

इस सूचना पर पुलिस ने नाकाबंदी कर दी। पुलिस क्षेत्राधिकारी आलोक भाटी ने बताया कि कुछ देर बाद संदिग्ध कार दिखी तो पुलिस ने रोकने का संकेत दिया। खुद को घिरा देखकर बदमाशों ने पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी और खेतों की ओर भागने लगे। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गये। बदमाशों के नाम गौरव पुत्र मुंशीलाल निवासी डिरौली डिबाई थाना अनूपशहर जनपद बुलन्दशहर हाल पता बजीपुर नगली सेक्टर 134 नोएडा व मुकेश पुत्र रामौतार निवासी भारद्वाज कालोनी थाना अनूपशहर जनपद बुलन्दशहर बताए गए हैं। पुलिस ने दोनों बदमाशों को इलाज के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय पहुंचा दिया।

मुठभेड़ के बाद घटनास्थल का निरीक्षण करते एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई।

● 25 नवंबर की देर शाम दुकानों से रुपये लेकर आ रहे शराब कारोबारी के मैनेजरों को लूटा

लूटी गई नकदी व हथियार बरामद

बदमाशों से पुलिस की मुठभेड़ की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार विश्नोई भी मौके पर पहुंच गए। घटनास्थल पर जानकारी लेने के बाद वह जिला अस्पताल पहुंचे और मुठभेड़ में घायल बदमाशों ने पूछताछ की। एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई ने बताया कि आरोपियों के पास से 5 लाख 3 हजार रुपये की नकदी, दो तमंचे व कार बरामद की गई है। दोनों ने 25 नवंबर की लूट में शामिल होने की बात स्वीकार की है। पुलिस इनके आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है।

बदमाशों की कार व उनसे बरामद नकदी दिखाता पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

विवाद के बाद पत्नी को फंटी से पीटकर मार डाला

कार्यालय संवाददाता, संभल/बहजोई

अमृत विचार: विवाद के बाद पति के सिर पर ऐसा खून सवार हुआ कि उसने लकड़ी की फंटी से पीट-पीटकर पत्नी की जान ले ली। पत्नी की हत्या करने के बाद पति मौके से फरार हो गया। सीओ और कोतवाल ने मौका मुआयना किया।

बहजोई के गांव भवन निवासी विपिन कुमार तथा उसकी पत्नी नेमवती शनिवार को अपनी दो साल की बेटी के साथ घर पर अकेले थे। अन्य बच्चे स्कूल गए हुए थे जबकि ननद व सास पशुओं को चारा लेने लेने गए थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर पति-पत्नी में विवाद हो गया। विवाद इतना बढ़ा कि विपिन ने नेमवती को लकड़ी की फंटी से पीटना शुरू कर दिया। इस बीच बच्चे स्कूल से आ गए तब भी विपिन पत्नी को पीटता रहा। एक फंटी नेमवती के सिर में लगी तो वह निढाल होकर गिर गई । इसके बाद विपिन भाग गया। बेटे सनी सागर ने भागकर अपनी दादी व बुआ को बताया। ग्रामीणों की मदद से नेमवती को बहजोई में निजी चिकित्सक के यहां लाया गया। डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। धनारी के गांव भिरावटी में नेमवती के मायके वाले भी पहुंच गए। उन्होंने इसकी सूचना कोतवाली पुलिस को दी।

कोतवाल संत कुमार व सीओ चंदौसी ने गांव जाकर घटना के बारे में जानकारी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक महिला के भाई अमरीश ने अपने बहनोई विपिन कुमार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने को कोतवाली में तहरीर दी है। महिला के 12 वर्षीय बेटे सनी सागर ने पुलिस को बताया कि उसका पिता पहले भी विवाद में मां के साथ मारपीट करता था। आजउसके पिता ने लकड़ी की फंटी से पीट कर मां की हत्या कर दी।

महिला की हत्या के बाद मौके पर पड़ताल करते सीओ व कोतवाल।

● बच्चों के सामने हो गई मौत,पत्नी से अक्सर करता था मारपीट

मानसिक बीमार बताया जा रहा विपिन

कांति देवी ने बताया कि उसका बेटा विपिन मानसिक रूप से बीमार था और उसका इलाज चल रहा था। पहले भी वह दिमाग खराब होने के कारण किसी न किसी के साथ मारपीट करता रहता था। अब कुछ दिन से ठीक हो गया था। लेकिन आज उसने अपनी पत्नी की ही पीटकर हत्या कर दी।

एसपी के सामने गिड़गिड़ाया बदमाश

भीष्म सिंह देवल ,संभल

अमृत विचार: हजरतनगर गढ़ी थाना क्षेत्र में मुठभेड़ में पुलिस की गोली से घायल बदमाशों से पूछताछ करने एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई जिला अस्पताल पहुंचे तो दोनों बदमाश रहम की भीख मांगने लगे। बुलंदशहर निवासी मुकेश ने एसपी के सामने हाथ जोड़कर कहा-साहब जिंदा रहने की तो बात छोड़िए,मरूंगा भी तो गंगा के उस पार ही मरूंगा,इधर नहीं आऊंगा। दूसरी ओर नोएडा निवासी गौरव ने कबूल किया कि वह करोड़ों की लूट की योजना बनाकर संभल आए थे।

बदमाश मुकेश हाथ जोड़कर रो पड़ा। उसने कहा-साहब जो कुछ भी हुआ अनजाने में हुआ है। बस एक बार माफ कर दो गलती हो गई, लेकिन अब कभी यहां नहीं आऊंगा। एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने सख्त लहजे में जवाब दिया-ध्यान रखना दोबारा संभल में दिखना नहीं चाहिए। इसके बाद एसपी ने दूसरे बदमाश गौरव से पूछताछ की तो गौरव ने स्वीकार किया कि वह शराब कारोबारी से लूट के बाद अब फिर से बड़ी रकम लूटने की योजना बनाकर संभल आए थे। उसने बताया कि हमें पता लगा था कि संभल में शराब सेल्समैन रोज भारी कैश लेकर चलते हैं। जानकारी मिली थी कि दो से तीन करोड़ रुपये तक रहते हैं। उसी बैग को छीनने के लिए हम दौबारा आए थे। एएसपी आलोक भाटी ने बताया कि पकड़ में नहीं आता तो यह गिरोह संभल ही नहीं आसपास जिलों में भी वारदातें करता। पुलिस अब गिरोह के बाकी सदस्यों और इनके नेटवर्क की जांच में जुटी है।

जिला अस्पताल में एसपी कृष्ण कुमार विश्नोई के सामने हाथ जोड़े बदमाश मुकेश।

● साहब कभी नहीं आऊंगा संभल एसपी ने दिखाई सख्ती

फर्जी सिपाही बन रचाई शादी कई लोगों से वसूले रुपए

संभल/ओबरी,अमृत विचार: एक युवक द्वारा खुद को सिपाही बताकर युवती से शादी रचाने और कई ग्रामीणों से ठगी का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

असमोली के ग्राम शाहबाजपुर कला के एक ग्रामीण ने पुलिस को तहरीर दी कि डेढ़ माह पहले उसने अपनी बेटी की शादी ऐंचोड़ा कंबोह थाना क्षेत्र के नेहरौला गांव निवासी सलमान उर्फ मुबारक से की थी। युवक ने खुद को यूपी पुलिस में सिपाही बताया था। शादी के बाद युवती ने पिता को बताया कि पति कभी ड्यूटी पर नहीं जाते और कहते हैं कि लंबी छुट्टी पर हैं। परिजनों ने जानकारी जुटाई तो पता चला कि सलमान पुलिस में नहीं है। ग्रामीणों के अनुसार, वह अपनी गाड़ी में लाल-नीली बत्ती लगाकर फर्जी सिपाही बनकर घूमता है। इसी गांव के भोलू ने भी सलमान के खिलाफ मामला दर्ज कराया है। उसका कहना है कि 26 नवंबर को सलमान उसके घर पहुंचा और पुलिसकर्मी बताते हुए 30 हजार रुपये की मांग की और झूठे मुकदमे में फंसाने, जान से मारने की धमकी दी। एक अन्य ग्रामीण ने भी सलमान पर इसी तरह सिपाही बनकर वसूली करने का आरोप लगाया है। सीओ कुलदीप कुमार का कहना है कि एक मुकदमा दर्ज किया गया है। अन्य शिकायतें सामने आएंगी तो उन पर भी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, सलमान उर्फ मुबारक के खिलाफ एक वर्ष पूर्व संभल कोतवाली में भी फर्जी सिपाही बनकर दुकानदारों से मुफ्त सामान लेने का मुकदमा दर्ज हुआ था।

बरात में गए भाइयों में बड़े भाई का मिला शव

संवाददाता,बहजोई

अमृत विचार: मामा की शादी में मौसेरे भाई की बाइक पर सवार होकर निकले दो भाई लापता हो गए। तीन दिन बाद बड़े भाई का शव गन्ने के खेत में पड़ा मिला। जबकि छाटे का पता नहीं लगा। मृतक के पिता ने मौसेरे भाई पर अपहरण कर हत्या का आरोप लगाया है।

बहजोई के गांव मैथरा धर्मपुर निवासी रामौतार के बेटे 16 वर्षीय अमरपाल और 11 साल के कमल सिंह धनारी थाने के गांव मझोला में अपने चचेरे मामा शिवम की शादी में शामिल होने 25 नवंबर को गए थे। 26 नवंबर को मामा की बरात जानी थी। बरात में जाने के लिए अमरपाल तथा कमल सिंह पिकअप में सवार हो गए थे लेकिन बच्चों का मौसेरा भाई दानवीर बाइक लेकर पहुंच गया और दोनों को पिकअप से उतार कर अपने साथ ले गया। न दोनों भाई तथा मौसेरा भाई बरात में नहीं पहुंचे और न ही अपने घर वापस लौटे। पिता ने बहजोई कोतवाली तथा धनारी थाने में गुमशुदगी की सूचना दी।

29 नवंबर को राजपुरा थाने के गांव देऊपुरा में एक किसान के गन्ने के खेत में बड़े भाई अमरपाल का शव पड़ा मिला।अपर पुलिस अधीक्षक अनुकृति शर्मा ,सीओ गुन्नौर आलोक कुमार सिद्धू के साथ राजपुरा व धनारी पुलिस मौके पर पहुंची। पिता रामौतार ने बताया कि दानवीर उसके दोनों बेटों को बहला फुसलाकर बाइक से ले गया था। उसने ही बड़े बेटे अमरपाल की हत्या कर दी। छोटे बेटे कमल सिंह को ले कर उसे डर है।

बेटे का शव मिलने के बाद बेहाल पिता। ● अमृत विचार

● छोटा भाई लापता, पिता ने मौसेरे भाई पर हत्या करने की जताई आशंका

पुलिस ने नहीं दिखाई गंभीरता

रामौतार ने बेटों कोअपनी रिश्तेदारी तथा अपनी ससुराल में तलाश किया ।कहीं नहीं मिले तो बहजोई पुलिस को गुमशुदगी लिखने के लिए तहरीर दी। लेकिन बहजोई पुलिस ने घटनास्थल धनारी थाने का बताते हुए उन्हें टाल दिया और परिजनों ने धनारी थाने पर भी गुमशुदगी लिखने के लिए पत्र दिया। पुलिस की टाल मटोल के बीच एक बेटे की हत्या हो गई दूसरा गायब है।

जीएससीसी को हराकर फाइव स्टार फाइनल में

चंदौसी, अमृत विचार: मॉडल पब्लिक लॉ कॉलेज में चल रहे एसपीएस कप के पहले सेमीफाइनल मुकाबले में फाइव स्टार ने जीएससीसी टीम को 84 रन से मात दी।

पहले बल्लेबाजी करते हुए फाइव स्टार टीम ने 20 ओवर में 254 रन का विशाल स्कोर खड़ा किया। आर्यन चौधरी ने 86 जबकि राजा ने 53 रन बनरए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी जीएससीसी की टीम 19वें ओवर में 169 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। बल्लेबाज अक्कू ने 43, अनमोल ने 30 और मयंक राघव ने 26 रन का योगदान दिया। आर्यन चौधरी को मैन ऑफ द मैच चुना गया।अंपायर की भूमिका बॉबी यादव और अंकुर ठाकुर ने निभाई। वहीं स्कोरिंग रोहित ठाकुर द्वारा की गई। प्रवीण फरहाद, मोनू पंडित, आलोक, अनंत मोहन, हसिंल, अशोक, रोहित पंजाबी, अभिषेक सहित कई खेलप्रेमी मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

आरआरके रेड ने आरआरके ग्रीन को दी मात

चंदौसी,अमृत विचार : चंदौसी के सीता आश्रम रोड स्थित आरआरके स्कूल प्रांगण में आरआरके क्रिकेट अकादमी के तत्वावधान में त्रिकोणीय क्रिकेट श्रृंखला का आयोजन किया गया। फाइनल में टॉस जीतकर आरआरके ग्रीन ने पहले गेंदबाजी का निर्णय लिया। पहले बल्लेबाजी करते हुए आरआरके रेड ने कप्तान निशा के नेतृत्व में शानदार खेल दिखाया और 20 ओवर में 166 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी आरआरके ग्रीन टीम कप्तान निलय के नेतृत्व में 159 रन ही बना पाई। रूद्र प्रताप को मैन ऑफ द मैच, युग अग्रवाल को बेस्ट बॉलर, अनुराग यादव को मैन ऑफ द सीरीज, मनीष को फाइटर ऑफ द मैच और निलय को बेस्ट बैट्समैन का खिताब दिया गया। अमन और अनंत ने अंपायर की भूमिका निभाई। मुख्य अतिथि जिला खेल संघ के ज्वाइंट सेक्रेटरी बदरुद्दीन सिद्दीकी ने स्वागत के बाद प्रधानाचार्य डॉ. संजय कुमार पाण्डेय और उप प्रधानाचार्य डॉ. अर्चना शर्मा मौजूद रहे।

बदमाशों ने लूटपाट कर किशोरी को किया घायल

संभल/ कुढफतेहगढ़,अमृत विचार : थाना कुढफतेहगढ क्षेत्र के दो गांवों में शुक्रवार की रात बदमाशों ने दो घरों को निशाना बनाकर जेवर व कीमती सामान लूट लिया। महिलाओं के साथ मारपीट की। एक किशोरी घायल हो गई। शुक्रवार की देर रातबदमाश बाबेपुर में पुष्पेन्द्र के घर में घुस घुसे। कमरे में सो रही पुष्पेंद्र की पत्नी कान्ती व उसकी छोटी बहन रूपा जाग गईं। उन्होंने शोर मचाने का प्रयास किया तो नकाब लगाए चार बदमाशों ने दोनों के साथ मारपीट की। रूपा को सिर में तमंचे की बट मारकर घायल कर दिया। इसके बाद तमंचा दिखाकर दोनों के कुंडल, सोने की लौंग व बाली निकलवा लीं। शोर मचाने पर जान से मारने की धमकी देकर बदमाश चले गए। वहीं गांव भगतपुर मिर्जा में बदमाशों ने रजनेश के घर को निशाना बनाया। घर के पीछे दीवार में नकब लगाकर बदमाश अंदर दाखिल हुए। घर में सो रही रजनेश की पत्नी बबीता की आहट होने पर आंख खुल गई। बबीता की आंख खुलने पर बदमाश नगदी व चांदी की पाजेब लेकर भाग गये।

घायल किशोरी व बहन।

बुलंदशहर में ट्रैक्टर ट्राली पलटने से संभल के युवक की मौत

संभल/ओबरी, अमृत विचार : बुलंदशहर में सीमेंट की ईंटों से भरी ट्रैक्टर ट्राली पलटने से असमोली थाना क्षेत्र अन्तर्गत गांव टांडा कोठी निवासी एक युवक की मौत हो गई। जबकि तीन मजदूर साथी घायल हो गए। असमोली थाना क्षेत्र के गांव टांडा कोठी निवासी नजारुल शुक्रवार को ट्रैक्टर ट्राली से सीमेंट से बनीं ईंटें लेकर बुलंदशहर से आ रहा था था। उसके साथ ट्रैक्टर ट्राली में गांव के ही जाहिद, उस्मान और रिजवान भी थे। बुगरासी और रुखाली गांव के आस-पास रात करीब दो बजे ट्रैक्टर ट्राली सड़क किनारे ईख के खेत में पलट गई। हादसे में ट्राली में बैठे जाहिद, उस्मान और रिजवान ईंटों के नीचे दब गए जिसमें जाहिद की मौत हो गई जबकि उस्मान, रिजवान और ट्रैक्टर चालक नजारुल घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। युवक की मौत होने से परिवार में कोहराम मचा हुआ है।

मृतक जाहिद।

रेलवे लाइन पर मिला पेट्रोल पंप सेल्समैन का शव

संभल/ओबरी, अमृत विचार : असमोली थाना क्षेत्र में दो दिन से लापता पेट्रोल पंप सेल्समैन का शव बनियाठेर थाना क्षेत्र में अलीगढ़ मुरादाबाद रेल ट्रैक पर पड़ा मिला। सेल्समैन पर पेट्रोल पंप से 32 हजार रुपये लेकर गायब होने का आरोप लगा था। असमोली थाना क्षेत्र के गांव चंदवार निवासी 25 वर्षीय तीरथ सिंह पुत्र कैलाश सिंह का शव शनिवार को बनियाठेर थाना क्षेत्र की रेलवे लाइन पर मिला। तीरथ सिंह 24 नवंबर को असमोली थाना क्षेत्र के मातीपुर स्थित ताज पेट्रोल पंप पर सेल्समैन के पद पर नियुक्त हुआ था। उसने पेट्रोल पंप पर दो-तीन दिन ही काम किया था। पेट्रोल पंप मालिक ने आरोप लगाया था कि शुक्रवार सुबह करीब 5 :16 बजे तीरथ पेट्रोल पंप से लगभग 32 हजार रुपये लेकर गायब हो गया था जिसकी असमोली थाना पुलिस से शिकायत की थी। शिकायत के बाद पुलिस ने तीरथ के परिजनों को थाने बुलाया। परिजनों ने पेट्रोल पंप मालिक को 10 हजार रुपये वापस कर दिए और शेष राशि तीरथ के लौटने पर देने की बात कही थी। इसी बीच शनिवार को बनियाठेर थाना पुलिस की ओर से तीरथ के परिवार को सूचना मिली कि रेलवे लाइन पर एक युवक का शव मिला है, जिसकी पहचान तीरथ सिंह के रूप में हुई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। तीरथ सिंह के साथ क्या हुआ और वह कैसे और किन परिस्थितियों में घर से 35 किमी दूर रेलवे लाइन पर पहुंचा, यह अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

न्यूज ब्रीफ

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक घायल

अमरोहा, अमृत विचार : अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा नौगांवा सादात रोड पर अकरबुर पट्टी गांव के पास हुआ। दरअसल अमरोहा शहर के मोहल्ला कटरा निवासी आरिफ शुक्रवार की रात नौगांवा किसी काम से गया था और काम निपटाने के बाद अपने घर लौट रहा था। आरिफ जब गांव अकबरपुर पट्टी के पास पहुंचा तभी एक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के लोग मौके पर जमा हो गए। उन्होंने तत्काल निजी एंबुलेंस और डायल 112 पुलिस को सूचित किया। मौके पर पहुंची निजी एंबुलेंस ने घायल आरिफ को नगर के एक निजी अस्पताल पहुंचाया। टक्कर मारने वाला वाहन चालक घटना स्थल से फरार हो गया। वहीं घायल की हालत नाजुक बनी हुई है।

किशोरी लापता गुमशुदगी दर्ज

अमरोहा, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव निवासी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी बिना बताए घर से कहीं चली गई। परिवार ने पहले अपने स्तर पर आसपास और जान-पहचान वालों के यहां उसकी तलाश की, लेकिन किशोरी का कोई सुराग नहीं मिला। पिता ने अमरोहा देहात थाने में तहरीर दी। थाना प्रभारी निरीक्षक सनोज प्रताप ने बताया कि पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार की मौत

बिजनौर, अमृत विचार : अज्ञात ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार एक युवक की मौत हो गई। कारवाई की मांग को लेकर ग्रामीणों ने सड़क पर जाम लगा दिया। दीपावाला गांव निवासी हरवीर सिंह पुत्र मोहर सिंह बिजनौर की ओर आ रहे थे। बैराज रोड पर मेरिटा पब्लिक स्कूल के पास ट्रक ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। इस दुर्घटना में हरवीर सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। गुस्साए ग्रामीणों ने जाम लगा दया जिससे एनएच-34 बैराज रोड पर लंबा जाम लग गया। पुलिस टीम ने मार्ग को सुचारू कराया और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अपराध निरीक्षक धीरेंद्र गंगवार ने बताया कि परिजनों की तहरीर मिलने के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

प्रेमिका के भाई को गोली मारने का आरोपी दबोचा

आरोपी पर 25 हजार का इनाम घोषित था, 20 दिन से फरार था

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी तावेस रजा। ● अमृत विचार

अमृत विचार: प्रेमिला के भाई को गोली मारकर जानलेवा हमला करने वाले आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। वह काफी दिनों से फरार चल रहा था। पुलिस ने आरोपी पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया था। पुलिस ने आरोपी से एक तमंचा कारतूस बरामद कर उसे जेल भेज दिया है।

घटना करीब 20 दिन बाद पहले डिडौली कोतवाली क्षेत्र में 8 नवंबर को जोया में हुई थी। दरअसल डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव निवासी तावेस रजा का जोया की एक लड़की से प्रेम प्रसंग था। दोनों को जाते हुए प्रेमिका के भाई ने देख लिया था। जिसके बाद गुस्साया भाई अपनी बहन के प्रेमी तावेस रजा से रिश्ते की बात करने गया था। उसने कहा या तो मेरी बहन से शादी कर ले या उसे छोड़ दे। इसी दौरान दोनों के बीच कहासुनी हो गई। इसके बाद तावेस रजा ने युवक पर दो गोलियां दाग दी। एक गोली युवक के हाथ को छूकर निकल गई, जबकि दूसरी गोली उसके गले में लगी। घायल युवक स्वयं डिडौली कोतवाली पहुंचा और घटना की जानकारी दी। पुलिस ने तत्काल घायल को मुरादाबाद के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया। मामले में युवक की मां की तहरीर पर पुलिस ने तावेस रजा के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसकी गिरफ्तारी के लिए दबिशें शुरू की थीं। मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी अमित कुमार आनंद ने आरोपी तावेस रजा पर 25 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। शनिवार को डिडौली कोतवाल हरीशवर्धन सिंह ने जोया के नारंगपुर गांव के पुल के पास से फरार आरोपी 25 हजार के इनामी तावेस रजा को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त तमंचा और कारतूस भी बरामद किए हैं। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने तावेस रजा को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। प्रभारी निरीक्षक हरीशवर्धन सिंह ने बताया कि आरोपी तावेस रजा को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

साइबर धोखाधड़ी की शिकार महिला के पैसे वापस

हसनपुर, अमृत विचार: नगर में साइबर धोखाधड़ी का शिकार हुईं सरिता सिंह को उनके 3,45,000 वापस मिल गए।

4 अक्टूबर की रात उनके एचडीएफसी बैंक खाते से एक ओटीपी जनरेट होने के बाद यह राशि कट गई थी। राशि कटने का संदेश मिलते ही, सरिता सिंह के बेटे अभिनव कुमार ने तत्काल बैंक को सूचित किया। उन्होंने साइबर क्राइम हेल्पलाइन 1930 पर भी शिकायत दर्ज कराई। पुलिस और साइबर क्राइम टीम की त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप, यह पूरी राशि 29 नवंबर को सरिता सिंह के खाते में वापस जमा हो गई। पीड़ित परिवार ने इस मामले में पुलिस टीम का आभार व्यक्त किया है।

इस पूरे प्रकरण में कोतवाल प्रेमपाल सिंह, अपराध निरीक्षक अमरपाल सिंह, वरिष्ठ उप निरीक्षक अमित कुमार, और साइबर टीम के सदस्य अनिल कुमार व अंकुर कुमार की भूमिका सराहनीय रही।

पेंशनर्स की समस्याओं को लेकर प्रदर्शन

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते पदाधिकारी। ● अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, अमरोहा

● कलेक्ट्रेट पर गरजे एसोसिएशन के लोग, निकाला कैंडल मार्च

अमृत विचार: शनिवार को प्रांतीय आवाहन पर पेंशनर्स एसोसिएशन अमरोहा के तत्वाधान में कलेक्ट्रेट पर प्रदर्शन किया। इस दौरान सदस्यों ने विभिन्न मांगों को लेकर कैंडल मार्च निकाला। प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिला प्रशासन को सौंपा।

शनिवार को ज्ञापन के माध्यम से पेंशनर्स कर्मचारियों ने बताया कि आठवें वेतन आयोग के लिए सरकार द्वारा जो टर्म का रिफरेंस दिए गए हैं। उनमें पेंशनर्स के लिए कोई दिशा निर्देश नहीं दिए गए हैं। उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया गया है जिससे पेंशनर्स में संदेह पैदा हो रहा है कि उन्हें आठवें वेतन आयोग का लाभ नहीं दिया जाएगा। कहा कि यदि सरकार नहीं मानती है 15 दिसंबर को देशव्यापी एक दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरना में अध्यक्ष अनूप सिंह पैसल ने ज्ञापन पढ़कर सुनाया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष शिवेंद्र सिंह चिकारा ने संचालन किया। इस दौरान धरना प्रदर्शन में सोमनाथ सिंह, जयपाल सिंह, रामपाल सिंह, लोकेंद्र सिंह, शिवनाथ सिंह प्रजापति, जाबिर अली, धर्मपाल सिंह, चरण सिंह , सुनील त्यागी, धर्म सिंह, गुरनाम सिंह, गजेंद्र पाल सिंह आदि रहे।

दो छात्राओं ने एक-दूसरे को लात-घूंसों से पीटा

हसनपुर, अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के रहरा कस्बे में दो छात्राओं के बीच सरेराह मारपीट हुई। इस घटना का एक सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। रहरात कस्बे में दो छात्राओं के बीच किसी बात को लेकर कहासुनी हुई, जो जल्द ही हाथापाई में बदल गई। सीसीटीवी फुटेज में स्पष्ट दिख रहा है कि दोनों छात्राएं एक-दूसरे पर लात-घूंसे चला रही हैं और उनके बीच तीखी बहस हो रही है। आसपास मौजूद लोगों ने उन्हें शांत करने और लड़ाई रोकने का प्रयास किया, लेकिन वे नहीं रुकीं। स्थिति बिगड़ती देख, किसी ने पुलिस को सूचना दी। रहरा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों छात्राओं को अलग किया। पुलिस दोनों को थाने ले आई, जहां उनसे पूछताछ की गई। थाना अध्यक्ष अतवीर सिंह ने बताया कि दोनों छात्राएं आपस में दोस्त हैं और एक राजकीय कॉलेज में पढ़ती हैं। किसी बात पर हुई कहासुनी के बाद उनके बीच मारपीट हुई। पुलिस ने दोनों छात्राओं के परिजनों को बुलाकर उन्हें सौंप दिया। इस मामले में कोई लिखित शिकायत प्राप्त नहीं हुई है। यह घटना शुक्रवार शाम की बताई जा रही।

किशोरी से दुष्कर्म के दोषी को सात साल की सजा

● 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया

अमरोहा, अमृत विचार: किशोरी का अगवा कर उसके साथ दुष्कर्म के दाषी को अदालत ने सात साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर 10 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है।

यह घटना नगर कोतवाली क्षेत्र में 20 अप्रैल 2018 को हुई। यहां केएक कारोबारी की नाबालिग बेटी को मोहल्ले का ही रहने वाला शिवम बहला-फुसलाकर ले गया था। मामले में कारोबारी ने शिवम के अलावा उसके पिता मनोज, दोस्त सलीम और विपिन के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। बाद में पुलिस ने किशोरी को बरामद कर मुख्य आरोपी शिवम समेत चारों आरोपियों को गिरफ्तार करते हुए चालान कर दिया था। कोर्ट में दिए गए पीड़िता के बयानों के आधार पर शिवम के खिलाफ दुष्कर्म की धारा बढ़ाई थी। मुकदमे की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश पॉक्सो एक्ट तृतीय की कोर्ट में विचाराधीन थी।

ट्रायल के दौरान दुष्कर्म पीड़िता पूर्व में दिए गए अपने बयानों से पलट गई थी। शनिवार को कोर्ट में मुकदमे में अंतिम सुनवाई हुई। पत्रावली के अवलोकन व साक्ष्यों के आधार पर कोर्ट ने शिवम को अपहरण व दुष्कर्म में दोषी करार दे सात साल जेल की सजा सुनाई तथा 10 हजार रुपये का जुर्माना लगाया।

आईएएस का बयान कुंठित मानसिकता

अमरोहा, अमृत विचार: ब्राह्मण सभा ने मध्य प्रदेश के आईएएस अधिकारी संतोष वर्मा द्वारा दिए गए ब्राह्मण विरोधी बयान की निंदा की। शुक्रवार देर शाम नगर के मोहल्ला कोट स्थित ब्राह्मण सभा के महामंत्री पंडित मनु शर्मा एडवोकेट के आवास पर आयोजित बैठक में अध्यक्ष पवन कौशिक ने कहा कि आईएएस संतोष वर्मा ने ब्राह्मण बेटियों के बारे में कुंठित मानसिकता का परिचय दिया।

महामंत्री मनु शर्मा ने कहा कि संतोष वर्मा को बर्खास्त कर देना चाहिए। कपिल शर्मा, अतुल पंडित, योगेंद्र कुमार शर्मा, शैलेंद्र कुमार शर्मा, वरुण त्रिवेदी, रवि वशिष्ठ, पवन कुमार शर्मा, नीरज शर्मा, राजन शर्मा, गौरव दीक्षित, रिशु दीक्षित, महेंद्र कौशिक, प्रदीप शर्मा, अरविंद पाराशर आदि ब्रह्म बंधु उपस्थित रहे।

ग्रामीणों ने हाथों से उखाड़ दी सड़क, प्रदर्शन

संवाददाता, हसनपुर

सड़क उखाड़ने के बाद प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

● सड़क मरम्मत में मानकों की अनदेखी और लापरवाही का लगाया आरोप

अमृत विचार: हसनपुर तहसील क्षेत्र के गांव खैलिया की मढ़ैया से ईटा मार्ग पर चल रहे सड़क मरम्मत कार्य में गंभीर अनियमितताओं के आरोपों ने पीडब्ल्यूडी विभाग की कार्यप्रणाली पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। ग्रामीणों का कहना है कि विभाग द्वारा मानकों की अनदेखी और लापरवाही के चलते सरकार के लाखों रुपये के बजट का दुरुपयोग हो रहा है। पिछले तीन दिनों से चल रहे मरम्मत कार्य की गुणवत्ता को लेकर ग्रामीणों में भारी नाराजगी है।

शनिवार को ग्रामीणों ने सड़क पर डाली जा रही नई परत को हाथों से उखाड़कर उसकी स्थिति उजागर कर दी। वायरल हुए वीडियो में देखा जा सकता है कि मरम्मत में इस्तेमाल की जा रही सामग्री इतनी कमजोर है कि साधारण हाथ लगाने पर ही उखड़ जा रही है। ग्रामीणों का आरोप है कि पुरानी रेत-मिट्टी हटाए ही मरम्मत कार्य कर दिया गया, जिससे नई परत टिक नहीं पा रही। साथ ही मिश्रण भी बेहद घटिया गुणवत्ता का उपयोग किया गया है, जिससे सड़क दोबारा जल्दी खराब होने की आशंका है। ग्रामीणों ने बताया कि जब उन्होंने मरम्मत कार्य कर रहे कर्मचारियों से मानक के अनुसार कार्य करने की बात कही, तो कर्मचारियों ने उल्टा जवाब देते हुए कहाकृ"जैसा हमारा दिल चाहेगा, वैसा ही काम करेंगे।"

गांव के राजकुमार, समरपाल, सुबोध, खुबी, धर्मपाल, देवराज, कुमरपाल, नन्हुआ, महेश, चरण सिंह, राजपाल और विजेंद्र सहित दर्जनों ग्रामीणों ने एकजुट होकर विरोध प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से इस मार्ग की मरम्मत की मांग कर रहे थे, जिसकी कुल लंबाई एक किलोमीटर से अधिक है। लेकिन अब जब मरम्मत शुरू हुई है तो गुणवत्ता इतनी खराब है कि सड़क की ऊपरी परत पहले ही दिन हाथ से उखड़ रही है। ग्रामीणों का कहना है कि इस पूरे मामले में विभागीय कर्मचारियों की मिलीभगत भी हो सकती है। उन्होंने मांग की है कि मरम्मत कार्य की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और जिम्मेदारों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो।

पूर्व मंत्री रमाशंकर कौशिक को अर्पित की श्रद्धांजलि

संवाददाता, गजरौला

● समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य थे कौशिक

अमृत विचार: समाजवादी पार्टी के संस्थापक सदस्य एवं पूर्व मंत्री स्व.रमाशंकर कौशिक की 17वीं पुण्यतिथि पर शनिवार को उनके आवास पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया।

उनके पुत्र व समाजवादी पार्टी के प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य राहुल कौशिक ने कहा कि बाबू जी ने जीवन भर समाजवादी विचारधारा को आत्मसात किया और सुचिता की राजनीति की। उनका कहना था कि पिछड़ों, दलितों, अल्पसंख्यकों, वंचित और शोषित वर्ग को समाज की मुख्यधारा के साथ लाना हमारी राजनीतिक प्राथमिकता होनी चाहिए। उनके बताए मार्ग पर चलना ही बाबू जी को सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सपा जिला कोषाध्यक्ष विपिन कौशिक, पूर्व विधायक अशफाक अली खां, पूर्व जिलाध्यक्ष डॉ.जितेंद्र यादव, सतेंद्र शर्मा, जितांबर सिंह यादव, आलोक भारती, रविशंकर शर्मा, चंचल सिंह, सुधाकर सिंह, अनिरुद्ध रस्तोगी, पंकज कौशिक, डॉ.निरंजन प्रसाद गर्ग, सचिन यादव, इश्तियाक मालिक, नरेंद्र शर्मा, जयविंदर यादव, रामप्रकाश गर्ग, सोनू गर्ग, सतपाल चौहान, संजय प्रजापति, राजकुमार सिंघल, पवन तांत्रिक, किशोर खड़गवंशी, विष्णु शर्मा, विक्रम, सुदीप वाल्मीकि आदि मौजूद रहे।

प्रेमी युगल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

स्योहारा,अमृत विचार: ग्राम पीपला निवासी 21 वर्षीय विपुल स्योहारा क्षेत्र के एक गांव में शादी समारोह में आया था। समारोह में उसकी एक रिश्तेदार भी आई थी जिसके साथ उसका काफी समय से प्रेम संबंध बताया जा रहा है।

शनिवार सुबह ग्रामीणों ने उसे गांव के बाहर अचेत अवस्था में पड़ा देखा और परिजनों को सूचना दी। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां युवक की मौत हो गई। उधर, युवती की भी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए कब्जे में लेने का प्रयास किया।लेकिन परिजनों एवं ग्रामीणों ने पोस्टमार्टम न कराने की मांग की। आखिरकार पुलिस ने शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। जिसका बाद में अंतिम संस्कार किया गया।

चीनी मिल के प्रदूषण से निजात की मांग

संवाददाता, हसनपुर

एसडीएम को ज्ञापन देते एआईएमआईएम कार्यकर्ता। ● अमृत विचार

● एआईएमआईएम ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

अमृत विचार: एआईएमआईएम एससी-एसटी के प्रदेश अध्यक्ष के नेतृत्व में ग्रामीणों ने एसडीएम को ज्ञापन सौंपा। चीनी मिल के द्वारा किए जा रहे प्रदूषण से निजात दिलाने की मांग की और चेतावनी दी कि अगर जल्द मांग पूरी नहीं हुई तो ग्रामीण धरना प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे।

शनिवार को गांव करनपुर माफी स्थित तहसील कार्यालय पर एआईएमआईएम एससी-एसटी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ टीपी सिंह के नेतृत्व ग्रामीण एकत्र हुए और उप जिलाधिकारी पुष्कर नाथ चौधरी को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई की नगर के संभल मार्ग स्थित चीनी मिल के पेराई सत्र के दौरान मिल की चिमनियों से निकलने वाले धुएं के साथ राख,छाई उड़ रही है जिससे ग्रामीणों को काफी परेशानी हो रही है। खुले में बैठना एवं खाना खाना भी दुश्वार हो गया है। खेती पर भी इसका गलत प्रभाव पड़ रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि चीनी मिल द्वारा फैलाए जा रहे इस प्रदूषण को तत्काल रोका जाए। ज्ञापन देने वालों में प्रदेश अध्यक्ष डॉ टीपी सिंह, आदिल मलिक, मोहम्मद शोएब, इरशाद,गुफरान, अकरम अली, शाहनवाज, नसीम, फरजान, साजिद अली, कासिम,नबी हसन आदि ग्रामीण मौजूद रहे।

जाम में फंसने पर भड़के विधायक राजीव तरारा

संवाददाता, गजरौला

अमृत विचार: जाम में फंसने पर विधायक राजीव तरारा भड़क गए। चौपला पर अपनी कार रुकवाई और वहां मौजूद पुलिसकर्मियों को यातायात व्यवस्था सुचारू रखने के निर्देश दिए। वहां मौजूद टीएसआई भी चौकी पर पहुंचे। विधायक ने उनसे भी यातायात सुचारू करने को कहा।

शादियों के सीजन में रात के समय में चौपला पर जाम लग रहा है। हाईवे के सर्विस मार्गों पर भी जाम के हालात बने रहते हैं। कुल मिलाकर यातायात व्यवस्था धड़ाम पड़ी है। शुक्रवार की रात चौपला पर भी जाम लग गया। इसी बीच विधायक राजीव तरारा का काफिला भी चौपला पर पहुंचा। जाम में विधायक की कार भी फंस गए। काफी देर तक जाम में फंसे रहने पर विधायक भड़क गए तथा कार से उतरकर चौपला चौकी पहुंचे और सिपाहियों से नाराजगी जताकर यातायात व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसी बीच टीएसआई अनुज कुमार मलिक भी चौकी पर पहुंच गए।

विधायक तरारा ने कहा कि चौपला पर वाहन गलत तरीके से खड़े हैं। चौकी के आसपास भी पार्किंग बनी हुई है। जिसके चलते जाम लग रहा है। सभी वाहनों को हटवाकर यातायात सुचारू कराया जाए।

पड़ोसी बाग मालिक पर पेड़ काटने का आरोप लगा दी तहरीर

हसनपुर, अमृत विचार: नगर निवासी एक बाग मलिक ने कोतवाली में तहरीर देकर बाग के पड़ोसी पर आम एवं जामुन के हरे पेड़ काटने एवं जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। पुलिस से आरोपी के खिलाफ कार्रवाई करने की भी मांग की है। नगर के मोहल्ला कोट पूर्वी निवासी मोहम्मद इमरान पुत्र अब्दुल हफीज का नगर के कनेटा रोड पर एक बाग है जिसमें आम एवं जामुन के हरे पेड़ हैं। बाग मलिक का आरोप है कि उसके बाग के पड़ोसी द्वारा 27 नवंबर को उसके बाग से आम एवं जामुन के हरे पेड़ों को चोरी से काट लिया गया। जब वह अपने भतीजे इंतजाम एवं जीशान के साथ बाग में पहुंचा तो आरोपियों द्वारा उसके साथ गाली गलौज की गई। जान से मारने की धमकी भी दी गई। वही पीड़ित मोहम्मद इमरान ने शनिवार को कोतवाली पहुंचकर आरोपियों के खिलाफ नाम दर्ज तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

अंतिम दिन का न करें इंतजार ,जल्द जमा कर दें एसआईआर फार्म

कार्यालय संवाददाता अमरोहा

एसआईआर फार्म जमा करने की अपील करते विधायक महबूब अली। ● अमृत विचार

● सदर विधायक महबूब अली ने लोगों से की अपील

अमृत विचार: सदर विधायक व लेखा समिति के सभापति महबूब अली ने समाजवादी पार्टी द्वारा लगाए गए मतदाता सघन पुनरीक्षण कैंप का दौरा किया। उन्होंने लोगों से एसआईआर फॉर्म सही तरीके से भरकर अपने बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के पास जमा करने का आग्रह किया।

शनिवार को विधायक महबूब अली ने नगर के मोहल्ला कुरैश चौपाल में समाजवादी पार्टी द्वारा लगाए गए मतदाता सघन पुनरीक्षण कैंप का दौरा किया। उन्होंने कहा कि फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि नजदीक आ रही है, इसलिए अंतिम क्षण का इंतजार किए बिना जल्द से जल्द फॉर्म जमा किए जाएं। उन्होंने मतदाताओं को सूचित किया कि यदि किसी को फॉर्म भरने, जमा करने या बीएलओ से सहयोग न मिलने में कोई समस्या आती है, तो वे उनके कैंप कार्यालय में संपर्क कर सकते हैं। मतदाता फोन या व्यक्तिगत रूप से भी अपनी समस्या बता सकते हैं ताकि उसका समय पर समाधान हो सके।

पूर्व एमएलसी परवेज अली, इकरार असारी, सलीम अंसारी, अंसार मेंबर, शाहनवाज पहलवान, मोबिन नेता, ताहिर अंसारी सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सैदनगली पुलिस ने चलाया जन जागरुकता अभियान

सैदनगली, अमृत विचार: सैदनगली पुलिस ने शनिवार को घंटाघर चौराहे पर विशेष जागरुकता अभियान चलाया।

थाना अध्यक्ष विकास कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने वाहन चालकों को यातायात नियमों का पालना करने के लिए प्रेरित किया। पुलिस टीम ने हेलमेट, सीट बेल्ट, नो पार्किंग, ओवर स्पीड, शराब पीकर वाहन न चलाने, ट्रिपल राइडिंग न करने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का उपयोग न करने जैसे महत्वपूर्ण नियमों की जानकारी दी। साथ ही यातायात संकेतकों एवं सड़क चिह्नों का पालन करने की शपथ भी दिलाई गई। कहा कि एक छोटी सी लापरवाही से बड़ा हादसा हो सकता है। अभियान के दौरान पुलिस ने पम्पलेट भी बांटे और मौके पर ही कई वाहन चालकों को हेलमेट पहनाकर तथा सीट बेल्ट लगवाकर प्रोत्साहित किया।

ट्रांसफार्मर का विवाद, महिलाओं ने छिड़का डीजल

कार्यालय संवाददाता, बिजनौर

महिला को समझाते पुलिस कर्मी। ● अमृत विचार

● पुलिस ने महिलाओं से कनस्तर छीनकर स्थिति को संभाला

अमृत विचार: हल्दौर क्षेत्र के गांव कूकड़ा इस्लामपुर में सात माह से फुंका पड़ा ट्रांसफार्मर बदलने की मांग को लेकर शनिवार को माहौल तनावपूर्ण हो गया। ग्रामीणों ने नए ट्रांसफार्मर को पुराने स्थान पर लगाने का विरोध किया, जिसके चलते विद्युत विभाग की टीम और ग्रामीणों के बीच जमकर नोकझोंक हुई। इसी दौरान विवाद इतना बढ़ गया कि दो महिलाओं ने डीजल छिड़ककर आत्मदाह का प्रयास कर दिया। मौके पर अफरातफरी मच गई। पुलिस और विभागीय कर्मचारियों ने तत्परता दिखाते हुए कनस्तरी छीन ली और स्थिति को नियंत्रण में ले लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

ग्रामीणों का आरोप है कि लगातार दो ट्रांसफार्मर फुंकने से 12 किसानों के नलकूप बंद हैं, जिसके कारण सिंचाई पूरी तरह ठप है। आठ माह पहले ट्रांसफार्मर उतारते समय वाहन कर्मी घायल हो गया था। उसी घटना का हवाला देकर ट्रांसफार्मर फिर से वहीं लगाने का ग्रामीण विरोध कर रहे हैं। मौके पर पहुंचे जेई गौतम कुमार ने बताया कि शिफ्टिंग का स्टीमेट विभाग को भेजा जा चुका है और समस्या का जल्द समाधान किया जाएगा। वहीं पुलिस ने कार्य में बाधा डालने पर चार लोगों को हिरासत में लिया और बाद में चेतावनी देकर छोड़ दिया।

उधर, बिजलीघर परिसर में ट्रांसफार्मर बदलने की मांग को लेकर राष्ट्रीय किसान मजदूर संगठन का छह दिन से चल रहा धरना, आश्वासन मिलने पर समाप्त कर दिया गया।

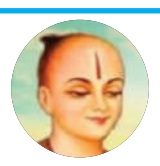

दया धर्म का मूल है पाप मूल अभिमान।
तुलसी दया न छोड़िये जब तक घट में प्राण।।

तुलसीदास जी कहते हैं, धर्म का असली मूल दूसरों पर दया करना है और अभिमान नहीं करना चाहिए। अभिमान ही पाप की बुनियाद है। जब तक जीवन है इंसान को दया करना नहीं छोड़नी चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा पर शब्द संयम भी जरूरी

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। यह दोधारी तलवार है। जानकारियों का स्रोत है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आम जनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत-संगीत भी हैं। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। इसकी लोकप्रियता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि जब सोशल मीडिया नहीं था, तब मोबाइल फोन इस्तेमाल करने वालों की संख्या बहुत कम थी। घर में बहुधा एक या दो फोन होते थे। अब परिवार में सभी के पास अपना मोबाइल है। मोबाइल केवल दूरभाष वार्ता का काम नहीं देता। वह चलता फिरता टीवी है। बहुत सुंदर नोटबुक है। ज्ञात विश्व के सभी अनुशासनों का जीवन तंत्र है।

सोशल मीडिया पुराकथाओं जैसा हीरो बन गया है। सोशल मीडिया में मनोरंजन है। जानकारियों का स्रोत है। ज्ञान है। पुस्तकें हैं। गीत संगीत भी है। जीवन को सुखमय बनाने वाले तमाम तत्व सोशल मीडिया का अंग हैं। यह दोधारी तलवार है। भौतिक जीवन के प्रपंच सोशल मीडिया के माध्यम से आमजनों तक पहुंचते हैं। उन्हें जरूरी या गैरजरूरी मानना व्यक्तिगत पसंद की बात हो सकती है। कुल मिलाकर सोशल मीडिया अनिवार्य बुराई के रूप में लिया जा रहा है।

विश्व का समूचा ज्ञान सोशल मीडिया का भाग है। इसका एक बड़ा हिस्सा मनुष्य जीवन को क्षति पहुंचा रहा है। छोटे-छोटे बच्चे मोबाइल से चिपके रहते हैं। इस नुकसान को लेकर अनेक शोध हुए हैं। मैंने निजी जीवन में देखा है कि एक ही परिवार के सात सदस्यों के पास अलग-अलग मोबाइल हैं। किसी के पास दो या तीन मोबाइल भी हैं। मैं ऐसे ही एक मित्र के घर में मेहमान था। मैंने उनको बताया कि चाय में शक्कर नहीं रहेगी। उन्होंने हमारे पास बैठे-बैठे अपनी पत्नी को फोन मिलाया। हमने पूछा चाय कहां बन रही है। उन्होंने कहा, पीछे कमरे में। मैंने कहा, आप जाकर भी बता सकते थे। उन्होंने कहा, फोन है, तो क्यों जाएं?

सोशल मीडिया से प्रसारित झूठी सूचनाएं समाज को क्षति पहुंचती हैं। दंगे फसाद भी हो जाते हैं। सोशल मीडिया से पुलिस और प्रशासन को सुविधा हो रही है। वहीं अपराधी भी इसी के दुरुपयोग से बड़ी घटनाएं करके निकल जाते हैं। सोशल मीडिया में अराजकता है। कोई अपना नंगा चित्र पोस्ट करता है। कोई अश्लील चैट करता है। कोई देवी-देवताओं पर अपनी भड़ास निकालता है। सुप्रीम कोर्ट ने इस अराजकता के विरुद्ध केंद्र से कहा है कि कोई नियामक संस्था बनाई जाए। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को चार सप्ताह का समय दिया है। इस सूचना से लोगों को राहत मिली है, लेकिन यह आसान नहीं है। भारतीय संस्कृति के पक्षधर तो सोशल मीडिया के नियमन की खबर से खुश हैं, लेकिन वामपंथी ऐसी किसी नियामक आयोग जैसी संस्था का विरोध करेंगे।

हम ऑस्ट्रेलिया से सीख सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की संसद ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया से दूर रखने वाले कानून पर एक साल पहले सम्यक विचार किया था। अधिनियम पारित किया था। अगले महीने से कानून प्रभावी होने जा रहा है। भारत में अधिकांश परिवारों के बच्चे पूरी रात मोबाइल से चिपके रहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय ने उचित समय पर अपना निर्देश दिया है। सोशल मीडिया के विनियमितिकरण पर ठोस विचार समय की मांग है।

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष
उत्तर प्रदेश

संविधान में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है। संविधान निर्माताओं ने आदर्श लोकतंत्र के लिए अभिव्यक्ति की आजादी को मौलिक अधिकार बनाया है, लेकिन यह अधिकार असीम नहीं है। संविधान के अनुच्छेद 19 में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता है, लेकिन इसी अनुच्छेद के खंड-2 में इस अधिकार की मर्यादा भी बताई गई है। इसमें कहा गया है कि भारत की संप्रभुता, अखंडता, सुरक्षा, दुनिया के अन्य देशों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध, लोक व्यवस्था, शिष्टाचार या सदाचार के हितों में अथवा न्यायालय अवमान के संबंध में विद्यमान किसी भी विधि के प्रवर्तन पर फर्क नहीं पड़ेगा। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग हो रहा है।

भारत प्राचीन राष्ट्र है। भारत के लोगों के परिश्रम से राष्ट्र का सतत् विकास हो रहा है। नरेंद्र मोदी की सरकार ने 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर बनाने की घोषणा की है। सरकार अपना काम कर रही है। समाज भी अपना काम करे। देश के सभी नागरिकों से भाषा संयम की न्यूनतम अपेक्षा तो कर ही सकते हैं। निःसंदेह विचार अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का स्वागत होना चाहिए, लेकिन अभिव्यक्ति में सुंदरता चाहिए। वाक् संयम चाहिए। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता आदरणीय है, लेकिन इसके साथ ही संयम में रहने की भी आवश्यकता है।

यह अस्तित्व सुंदर है। हमारे होने का स्रोत और आधार यही संसार है। अस्तित्व प्रतिपल व्यक्त हो रहा है। प्रकृति में फूलों का खिलना, शिशुओं का हंसना, सूर्य का आना जाना, रात और दिन की गति अभिव्यक्ति की आजादी का हिस्सा है। गीता में श्री कृष्ण ने अर्जुन को बताया, "संसार का जितना व्यक्त भाग है, उतना ही अव्यक्त भी है। व्यक्त, अव्यक्त होता रहता है और अव्यक्त से व्यक्त।" इसीलिए मनुष्य को व्यक्ति कहते हैं। प्रकृति की सारी शक्तियां अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का आनंद उठाती प्रतीत होती हैं, इसलिए प्रकृति की कोई भी शक्ति नियम नहीं तोड़ती। सूरज निर्धारित समय पर उदित होता है। निर्धारित समय पर अस्त होता है। चंद्रमा भी नियम नहीं तोड़ता। पूर्णमासी से अमावस्या तक सारी गति नियमित है। हम मनुष्यों को भी जीवन का आनंद लेते हुए अपना कर्तव्य पालन करते रहना चाहिए।

वाक् स्वातंत्र्य का अधिकार बड़ा है। शब्द सत्ता बड़ी है- शब्द संयम में प्रीति होती है, रस होता है। शब्द दुरुपयोग में उत्तेजना है, भावना और आस्था पर आक्रमण है। विश्वविख्यात कलाकार एमएफ हुसैन ने सरस्वती व सीता के अश्लील चित्र बनाए थे। इसे विचार अभिव्यक्ति कहेंगे या विकार अभिव्यक्ति? सोशल मीडिया में आपत्तिजनक सामग्री की आंधी है। शब्द संयम में ही सौंदर्य प्रकट होता है और शब्द अनुशासनहीनता में अश्लीलता। सर्वोच्च न्यायालय ने 2005 में मौन रहने को भी अनुच्छेद 19(1क) के अधीन विचार अभिव्यक्ति का अधिकार बताया था। राजनीति शब्दों का ही खेल है, लेकिन राजनीतिक शब्दकोष से शालीनता के तत्व गायब हैं। यहां आरोप-प्रत्यारोप हैं। संसद और विधानमंडल में बोले गए शब्दों पर न्यायालय कार्रवाई नहीं कर सकते, इसलिए संसदीय शब्द अराजकता अपनी सीमा पार कर गई है।

वाक् स्वातंत्र्य के अधिकार का सदुपयोग सामाजिक परिवर्तन में होना चाहिए। वाद-विवाद में मधुमय संवाद की प्राचीन संस्कृति को बढ़ाना चाहिए। समाज के छोटे से हिस्से की भी भावनाओं को आहत करने वाले शब्दों का प्रयोग अभिव्यक्ति की आजादी का दुरुपयोग है। इसी तरह बात-बे-बात किसी विचार, संगीत, कला, काव्य या फिल्म को लेकर हल्ला बोलना भी स्वतंत्र समाज के लिए बहुत घातक है। राष्ट्र राज्य अपना कर्तव्य निभाए और नागरिक अपना।

आधुनिकता सच्चाई है। समाज जड़ नहीं होते। गतिशील होना जगत का मूल गुण है। भारती समाज भी आधुनिक है, उसे और भी आधुनिक होना चाहिए, लेकिन आधुनिकता का अर्थ जीवन मूल्यों का यूरोपीयकरण या अमेरिकीकरण नहीं होता। कपड़ा-लत्ता, भाषा, व्यवहार और खानपान, रहन-सहन का अंधानुकरण ही आधुनिक नहीं कहा जा सकता। आखिरकार छात्रों को सोशल मीडिया को ही पूरा समय देना कहां तक उचित है? इसके व्यवस्थित संचालन के लिए नियामक आयोग जैसी संस्था अति आवश्यक है। सुप्रीम कोर्ट की पहल स्वागत योग्य है। भारत शब्द अराजकता से निपट सकता है। केवल सांस्कृतिक परंपरा को ही मजबूत करते हुए स्वस्थ वातावरण बनाया जा सकता है।

मोबाइल फोन बच्चों को बना रहा है आक्रामक

राजस्थान के धौलपुर जिले के कुरेंद्रा गांव में 13 साल के विष्णु ने पिता की मामूली डांट के बाद आत्महत्या कर ली। वजह सिर्फ इतनी थी कि वह मोबाइल गेम खेल रहा था और पिता ने टोक दिया। धौलपुर का यह अकेला मामला नहीं है। मध्यप्रदेश के झांसी में एक महिला ने अपने आठवीं में पढ़ने वाले बेटे की मोबाइल गेम की लत से परेशान होकर आत्महत्या कर ली। मोबाइल में उलझा बच्चा पढ़ाई नहीं करता था, जिससे उसकी मां डिप्रेशन में थी। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में नौवीं कक्षा की एक लडक़ी ने मोबाइल चलाने से रोके जाने पर नदी में कूदकर जान दे दी। थाणे में मोबाइल छीनने पर 16 वर्षीय लड़के ने सुसाइड कर लिया। यूपी के आजमगढ़ के एक गांव में 14 साल का किशोर मात्र इस वजह से फंदे पर झूल गया कि उसे गेम खेलने के लिए फोन नहीं मिला। पिछले साल जयपुर में एक महिला ने बेटी का मोबाइल छिपा दिया। इस बात पर मां-बेटी का झगड़ा हो गया। इसी दौरान मां ने रॉड उठा कर दे मारी, जिससे बेटी की जान चली गई।

अमरपाल सिंह वर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

मोबाइल फोन की वजह से ऐसे मामले अब हर महीने, हर जिले और हर शहर से सामने आ रहे हैं। स्मार्टफोन अब एक उपकरण मात्र नहीं रहा, बल्कि वह बच्चों के दिमाग का मालिक बन गया है और बच्चों के दिमाग को बदल रहा है। इसकी वजह से बच्चों में शारीरिक समस्याएं भी बढ़ रही हैं। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान रायपुर के एक अध्ययन के मुताबिक भारत में पांच साल से कम उम्र के बच्चे औसतन 2.22 घंटे रोज स्क्रीन पर बिताते हैं। ये समय विश्व स्वास्थ्य संगठन और इंडियन एकेडमी ऑफ पीडियाट्रिक्स के सुझाए गए समय से दोगुना है।

यह भी चिंताजनक है कि दो साल से कम उम्र के बच्चे भी स्क्रीन पर रोज 1.23 घंटे बिता रहे हैं, जबकि इस उम्र के बच्चों के लिए डॉक्टर पूरी तरह नो स्क्रीन के पक्ष में हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों में रोज 1-1.5 घंटे से ज्यादा स्क्रीन टाइम उनके दिमाग के विकास को धीमा कर देता है। इससे भाषा सीखने की गति कम होती है। ध्यान और समझने की क्षमता घटती है, सामाजिक कौशल कमजोर पड़ते हैं और मोटापा और नींद आने की दिक्कतें बढ़ती हैं।

भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) के सहयोग से दिल्ली के दो प्राइवेट स्कूलों के छात्रों पर दो वर्ष तक किए गए अध्ययन की ताजा रिपोर्ट के अनुसार बच्चे और किशोर झुककर घंटों मोबाइल या टैबलेट चला रहे हैं। क्लास रूम में भी छह से सात घंटे बैठने और शारीरिक व्यायाम न के बराबर होने से पॉश्चर और मांसपेशियों और हड्डियों की समस्याएं आ रही हैं।

> पिछले कुछ महीनों में मोबाइल फोन की वजह से कई बच्चों ने जान दे दी। इन सभी को मोबाइल फोन के इस्तेमाल से रोका गया था। यही नहीं, एक मां ने इसलिए खुदकुशी कर ली, क्योंकि उसका बच्चा मना करने के बावजूद लगातार फोन यूज कर रहा था।

विशेषज्ञों के अनुसार स्मार्टफोन के कारण व्यवहार में आक्रामकता, एकाकीपन, देर रात जागना, ऑनलाइन चैटिंग और वर्चुअल दुनिया में जीना अब 'सामान्य' बनता जा रहा है। मनोवैज्ञानिकों के अनुसार मोबाइल दिमाग में वही रिएक्शन पैदा करता है, जो नशे में होता है। बार-बार डोपामाइन रिलीज होने से बच्चा वास्तविक दुनिया से कटने लगता है।

सामाजिक समरसता की प्रेरक भूमि

श्री राम जन्मभूमि मंदिर के दिव्य स्वर्णमंडित शिखर पर लहराता भगवा ध्वज हमें अपनी गौरवशाली परंपरा का स्मरण करा रहा है। इस ध्वज के नीचे हमें राम मंदिर के लिए हुए असंख्य बलिदानों का स्मरण हो जाता है। यह ध्वज भारत की आशाओं-आकांक्षाओ का ही नहीं अपितु हिंदू राष्ट्र के तेज पुंज का प्रतीक है। राम मंदिर का पावन प्रांगण सामाजिक समरसता की दिव्यता का अनुभव कराता है।

जाति-पांति पूछे नहिं कोई हरि को भजे सो हरि को होई। यह पंक्ति राम मंदिर में चरितार्थ होती है। रामलला के दर्शन का स्थान नियत है, वहीं से सबको दर्शन करना होता है। श्याम वर्ण की रामलला की मूर्ति जो गर्भगृह में स्थापित है, वह सामाजिक समरसता का प्रतीक है।

श्रीराम मंदिर के परकोटे में महर्षि अगस्त्य व महर्षि वाल्मीकि के अलावा देवी अहिल्या , निषादराज गुहा और माता शबरी का मंदिर बना है। संत तुलसीदास का मंदिर है, तो जटायु और गिलहरी की प्रतिमाएं भी स्थापित की गई हैं। इस नाते श्रीराम की जन्मभूमि सामाजिक समरसता की दिव्य भूमि व एकात्मता की सामार्थ्य भूमि बन गई है। यह संतों की पूजा भूमि, हिंदुओं की पुण्यभूमि, कारसेवकों की शौर्य भूमि, जन-जन की श्रद्धा भूमि, जन कल्याण की प्रेरणा भूमि और भारतीयता की आदर्श भूमि है।

अब यहां से युगों-युगों तक समरसता की सरिता प्रवाहित होती रहेगी। रघुवंश के परम रक्षक व राम के कुलगुरु गुरु वशिष्ठ ने परशुराम के कोप से रघुवंश की रक्षा की थी। राम के समय तक वह सशरीर अयोध्या में रहे। परकोटे में ही महर्षि विश्वामित्र का मंदिर है। यज्ञ की रक्षा के लिए राम व लक्ष्मण को वही वन में लेकर गए। सब प्रकार के अस्त्र-शस्त्र संचालन की विद्या राम को विश्वामित्र ने ही दी। भगवान शंकर से प्राप्त समस्त दिव्यास्त्र उन्होंने ही श्रीराम को दिए।

बृजनंदन राजू
वरिष्ठ पत्रकार

भगवान राम के जीवन चरित्र को सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि ने ही देवर्षि नारद की प्रेरणा से रामायण के रूप में लिपिबद्ध करने का काम किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ध्वजारोहण के दिन सबसे पहले महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर समरसता का संदेश दिया। निषाद राज गुह और राम की मित्रता से कौन परिचित नहीं है। वह राम के सखा हैं, इसलिए उनको भी स्थान दिया गया है।

देवी अहिल्या का उद्धार श्रीराम ने किया था। राम की अनन्य भक्त मां शबरी ने वनवास के दौरान श्रीराम को मीठे बेर खिलाए थे, तो शबरी का भी मंदिर है। म सेतु बंधन के समय गिलहरी ने अपना योगदान दिया था। मंदिर परिसर में एक टीले पर गिलहरी की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। इसके अलावा परिसर में पक्षीराज जटायु की प्रतिमा भी स्थापित की गई है। लंकाधिपति रावण जब माता जानकी का हरण कर आकाश मार्ग से लंका की ओर जा रहा था, तब गिधराज जटायु ने सीता का विलाप सुनकर रावण से घनघोर युद्ध किया था। रावण ने जटायु के पंख काट दिए थे। राम की आंखों के सामने उनका शरीर छूटा। राघव ने अपने हाथों से उनकी अंतिम क्रिया संपनन्न की और पिता का दर्जा उन्हें दिया।

सभी की भूमिका से होगा लोकतंत्र स्वस्थ

देश की सुदृढ़ लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए मतदाता सूचियों का सटीक व वास्तविक होने के लिए चुनाव प्रक्रिया का पारदर्शी होना अतिआवश्यक है। सरकार मतदाता सूचियों के शुद्धिकरण व हर समय किसी न किसी निकाय, विधानसभा, या लोकसभा के चुनाव चलते रहने के कारण आचार संहिता के लागू रहते विकास कार्यों के बाधित होने के प्रति एक राष्ट्र एक चुनाव की अवधारणा को स्पष्ट कर चुकी है। एक राष्ट्र एक चुनाव पर निश्चित स्तर पर संगोष्ठियां, बैठकें आयोजित कर जनता का नजरिया प्राप्त करने का प्रयास किया जा रहा है।

चुनाव आयोग ने मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण कराकर बिहार का चुनाव कराया। विपक्ष के तमाम तर्क-कुतर्क को दर किनार कर बिहार विधानसभा का चुनाव हुआ और उल्लेखनीय बात यह रही कि किसी भी पोलिंग बूथ पर पुनः मतदान की नौबत नहीं आई। एसआईआर के बाद बिहार चुनाव से उत्साहित राष्ट्रीय चुनाव आयोग कई प्रदेशों में एसआईआर करा रहा है। बीएलओ को एसआईआर के संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश दिए गए हैं। विपक्ष एसआईआर को वर्ग विशेष को परेशान करने वाली कार्रवाई बता रहा है, जबकि सत्ता पक्ष इसके माध्यम से घुसपैठियों को चिन्हित कर बाहर करने व एक ही व्यक्ति के एक से अधिक स्थान पर वोट न बनने के लिए उचित व आवश्यक मानता है।

ओमकार सिंह रघुवंशी
अधिवक्ता

देश की लोकसभा में नेता विपक्ष सारे देश में वोट चोरी का राग अलापते व इसके लिए जेन जी को आगे आने का आह्वान करने से भी नहीं हिचकते। मतदाता सूचियों की अशुद्धि पर हाइड्रोजन बम फोड़ रहे हैं, लेकिन एसआईआर में पार्टी कार्यकर्ताओं से सक्रिय सहभागिता की अपील नहीं करते। देश का सर्वोच्च न्यायालय एसआईआर के प्रति अपना नजरिया स्पष्ट कर चुका है तथा आवश्यक दिशा-निर्देश भी निर्गत कर चुका है, जिसके परिणामस्वरूप एसआईआर का कार्य युद्ध स्तर पर जारी है।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण एसआईआर में बेसिक शिक्षा राजस्व विभाग और निकाय कर्मी बतौर बीएलओ जुटे हैं और घर-घर जाकर मतदाताओं की पुष्टि, मृतकों का सत्यापन व पलायन करने वाले मतदाताओं को सूचियों से बाहर कर रहे हैं, क्योकि पारदर्शी व वास्तविक मतदाता सूची समयबद्ध चुनाव आयोग को सौंपनी है।

सवाल यह है कि विशेष गहन पुनर्रीक्षण की आवश्यकता क्यों है? देश के लोकतंत्र के स्थायित्व के लिए मतदाता सूची निर्माण में जुटे कर्मियों का दायित्व निर्धारण कर सेवा शर्तों में दायित्व संयोजन के अनुरूप गांव, नगर पंचायत, नगर पालिका, महापालिका वार्ड नगर निगम में नागरिक रजिस्टर पर जन्म मृत्यु और मतदान की आयु प्राप्त करने वालों को मताधिकार प्रदान करने की प्रक्रिया यदि निरंतर चलाई जाए तो इस कार्य में जुटे किसी भी कर्मचारी अथवा अधिकारी पर न तो अतिरिक्त मानसिक दबाव पड़ेगा और न ही कोई अतिरिक्त व्यय होगा।

> नोटा को प्रभावी बनाने के लिए एक मत प्रतिशत निर्धारण किया जाना चाहिए और निर्धारित मत प्रतिशत नोटा का होने पर उस क्षेत्र का चुनाव रद्द घोषित कर प्रत्याशियों की पार्टियों से चुनाव व्यय वसूल कर नए प्रत्याशियों के बीच चुनाव का प्रावधान करना चाहिए।

लोकतंत्र को स्वस्थ रखना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए देश के प्रत्येक नागरिक से इसमें योगदान की अपेक्षा की जाती है। प्रत्येक नागरिक को मतदान के प्रति जागरूक होना ही चाहिए और मतदान न करने वालों की जवाबदेही भी तय होनी चाहिए। कुछ बुद्धिजीवी तर्क देते हैं कि वोट देना या न देना, उनका मौलिक अधिकार है, तो उनसे निवेदन है कि वे नकारात्मकता को त्याग कर अपने वोट देने को ही मालिक अधिकार मानें।

चुनाव में भाग लेने वाले सभी राजनीतिक दल राजनीतिक व जातीय समीकरण के आधार पर अपना प्रत्याशी उतारते हैं और कभी-कभी तो ऐसा भी देखा गया है कि मतदाता को कोई भी प्रत्याशी चुने जाने के योग्य नहीं लगता, तो उसका चुनाव में भाग लेने का रुझान ही नहीं रहता और वह मतदान से दूर रहकर अपनी हताशा को जाहिर करता है। चुनाव आयोग ने ऐसे लोगों की मनोदशा का आकलन करने से लिए 'नोटा' का विकल्प दिया।

नोटा के विकल्प से यह तो पता चला कि क्षेत्र विशेष में कितने मतदाता किसी प्रत्याशी को चुने जाने के योग्य नहीं समझते, लेकिन नोटा का मत व्यक्त करने वालों को नजरअंदाज कर डाले गए मतपत्रों की गणना के आधार पर बहुमत पाने वाले प्रत्याशी को चयनित घोषित कर दिया जाता है। इस तरह नोटा का कोई अर्थ ही नहीं है, तो ऐसा मतदाता लाइन में अपनी बारी का इंतजार कर मतदान करे ही क्यों?

अंतरशक्तियों के जागरण से मीरा अमृत की तरह पी गईं जहर

भक्तिकाल की कवयित्री तथा संतों की सूची में 'मीराबाई' का नाम शामिल है। मीरा थीं तो राजघराने की, लेकिन मीरा की स्थिति-परिस्थिति देखकर तो प्रतीत होता है कि उनमें शिवत्व का वास था, क्योंकि धर्मग्रंथों में विष का संबंध या तो देवाधिदेव शिव से मिलता है या मीरा से। जहां देव-समूह की रक्षा के लिए शिवजी बड़े आह्लाद के साथ विषपान करते हैं, वहीं कृष्ण की भक्ति के बल पर उन्हें विष दिया गया, तो उसे उसमें देव-तत्व का अमृत मिलाकर मीरा पी गईं।

सलिल पांडेय
मिर्जापुर

मीरा के जीवन का इतिहास है कि उच्चस्तरीय परिवार में उनका विवाह हुआ। राजमहल में रहने वाली मीरा पर जन्म-जन्मांतर की भक्ति का असर था, लिहाजा वह जोगन (योगी) बन गईं। इस कथ्य पर गौर किया जाए तो मनुष्य का शरीर किसी राजमहल से कम नहीं है। इस महल में दस द्वार और सात झरोखे हैं। द्वार के रूप में दस ज्ञानेंद्रियां और कर्मेन्द्रियां हैं तो सात झरोखों में मूलाधार, स्वाधिष्ठान, मणिपुर, अनहत, विशुद्ध, आज्ञा और सहस्रार चक्र शामिल हैं।

मीरा का जोगन बनना यह प्रमाणित करता है कि बाह्यजगत के बजाय अंतर्जगत में स्थित होकर इन चक्रों को उन्होंने जागृत कर लिया। योग दर्शन में इन चक्रों को साधने को ही कुंडलिनी जागरण भी कहते हैं। मीरा के अत्यंत प्रचलित भजन में एक पद 'महलों में पली बन के जोगन चली, मीरा गली गली हरि गुण गाने लगी...' का उल्लेख है, जिसका सीधा अर्थ है कि मीरा ने अंतर्जगत में स्थित आह्लाद रूप में स्थित ईश्वरीय शक्तियों से जब संबंध बनाया तो शरीर की नस-नाड़ियों के रूप में जितनी गलियां हैं, सब से गोविंद शब्द स्वतः निकलने लगा।

योग की सिद्धि में रोम-रोम से 'ऊँ' और 'राम' की गूंज होने लगती है। इसी 'राम' गूंज को डाकू जीवन जी रहे रत्नाकर को महर्षि नारद ने बताया और इसकी साधना कराई तो डाकू प्रवृत्ति छूट गई तथा ऋषित्व भाव जागृत हो गया। फिर तो वाल्मीकि होकर रामायण की रचना की तथा प्रथम कवि कहलाए।

मीरा की अंतरशक्तियों के जागरण का यह परिणाम रहा कि वह जहर को अमृत की तरह पी तो गईं ही, साथ ही समुद्र के खारापन को दूर करने के लिए मीठी सरिता का मिलन करा दिया।

कंपनियों के 'लचीलेपन' से दबाव में काम कर रहे कर्मचारी

दफ्तर अब चहारदीवारों तक सीमित नहीं रह गए हैं। कभी कंप्यूटर स्क्रीन के सामने, तो कभी फोन के कैमरे पर, तो कभी घर के डाइनिंग टेबल पर ही मीटिंग शुरू हो जाती है। वैश्विक प्रतिस्पर्धा, तकनीकी क्रांति और कारोबारी प्राथमिकताओं के बदलते समीकरण ने नौकरी और करियर की दुनिया को बिल्कुल नई शक्ल दी है। एक पीढ़ी पहले जिन अवसरों की कल्पना भी मुश्किल थी, वे आज दरवाज़े पर दस्तक दे रहे हैं, लेकिन इस उजली तस्वीर के पीछे एक साया भी है। लगातार बढ़ता दबाव, अस्थिरता का डर और वह असर, जो हमारे जीवन के बाकी हिस्सों तक पहुंच रहा है।

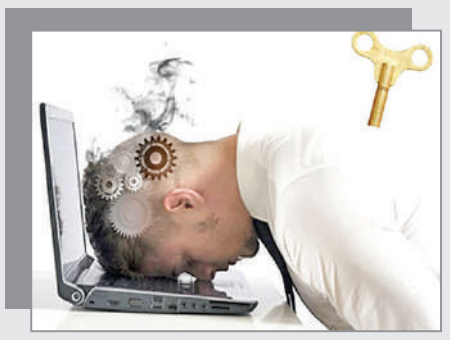

कभी 'पक्की नौकरी' सुनकर मन में एक सुकून उतर आता था। आज यह शब्द बहुतों के लिए बीते समय की कहानी हो चुका है या मूल रूप से सरकारी नौकरियों के संदर्भ में ही उचित लगता है। स्थायी पदों की जगह अब ठेका, कॉन्ट्रैक्ट, आउटसोर्सिंग और गिग वर्कर ने ले ली है। कंपनियां इसे 'लचीलापन' कहती हैं, लेकिन इस लचीलेपन की कीमत कर्मचारी अपने भविष्य की अनिश्चितता और लगातार बढ़ते दबाव से चुकाते हैं। हर समय यह चिंता साथ रहती है, कहीं प्रदर्शन में कमी न रह जाए, कहीं पद न चला जाए। शहरों में लाखों लोग ऊंची डिग्री लेकर भी ऐसे काम कर रहे हैं, जो उनके ज्ञान और योग्यता से मेल नहीं खाते, जबकि दूसरी तरफ़ कंपनियां कहती हैं कि उन्हें सही कौशल वाले लोग नहीं मिल रहे। यह असंगति न केवल नौकरी के आनंद को कम करती है, बल्कि आत्मविश्वास को भी चोट पहुंचाती है।

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर
मथुरा

दफ्तर के माहौल में भी बदलाव साफ़ है। अब समय पर काम पूरा करना 'बेसिक' है। असली अपेक्षा है हर वक्त उपलब्ध रहना, हर संदेश का जवाब तुरंत देना और हर कॉल उठाना। चाहे वह रात हो या छुट्टी का दिन। वर्क-फ्रॉम-होम और तेज़ डिजिटल कनेक्टिविटी ने काम को घर का स्थायी मेहमान बना दिया है। जो मोबाइल और ईमेल कभी सुविधा के प्रतीक थे, अब दबाव के प्रतीक बन चुके हैं।

कहानी यहीं खत्म नहीं होती। इसका असर हमारे परिवार, रिश्तों और सामाजिक जीवन तक जाता है। क्वालिटी ऑफ वर्क लाइफ का मतलब सिर्फ़ अच्छा वेतन या सुविधाजनक दफ्तर नहीं है। इसमें शामिल है सम्मानजनक माहौल, प्रबंधन का व्यवहार, सीखने और आगे बढ़ने के मौके और सबसे अहम, निजी समय का सम्मान। जब काम की मांग इन सब पर हावी हो जाती है, तो घर के दृश्य भी बदल जाते हैं। बच्चों के साथ खेलने का वक़्त, बुजुर्ग माता-पिता की बातें सुनने का सुकून, पति-पत्नी के बीच का खुला संवाद, दोस्तों से मिलने-जुलने का मौका, सब धीरे-धीरे सिमटने लगता है।

दुनिया में इस प्रवृत्ति को बदलने की कोशिशें हो रही हैं। फ्रांस और स्पेन में 'राइट टू डिस्कनेक्ट' कानून है, जो कर्मचारियों को कार्य समय के बाद डिजिटल रूप से अलग रहने का अधिकार देता है। जापान में 'प्रोडक्टिविटी विद वेल-बीइंग' मॉडल पर काम हो रहा है, जिसमें कर्मचारियों का स्वास्थ्य कंपनी की प्रतिस्पर्धा का हिस्सा माना जा रहा है। आइसलैंड और ब्रिटेन में 'फोर डे वीक' के प्रयोग से पता चला कि कार्य-दिवस कम करने से उत्पादन और रचनात्मकता घटती नहीं, बल्कि कई बार बढ़ती है।

भारत के लिए यह चर्चा और भी अहम है, क्योंकि यहां कार्यबल का बड़ा हिस्सा युवा हैं और देश की आर्थिक रफ्तार इन्हीं कंधों पर टिकी है। ऐसे में वर्क-लाइफ़ बैलेंस का सवाल सिर्फ़ कर्मचारियों की सुविधा का नहीं, बल्कि आने वाले दशकों की आर्थिक स्थिरता का है। समाधान के तीन बड़े स्तंभ हैं, शिक्षा और उद्योग के बीच कौशल का मेल, श्रम नीतियों में स्पष्ट और मानवीय सीमाएं और कंपनियों में कर्मचारी कल्याण को प्राथमिकता देना, लेकिन बात केवल नीतियों तक सीमित नहीं है। असली बदलाव तब होगा जब दफ्तर की संस्कृति बदले, प्रबंधन की सोच में परिपक्वता आए और कर्मचारियों के समय और ऊर्जा का सम्मान किया जाए। संतुलन सिर्फ़ व्यक्तिगत आदत नहीं है, यह उस पूरे माहौल का परिणाम है जिसमें व्यक्ति काम करता है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं एलआईजी 23, प्रथम तल, आशियाना फेस-1, कांठ रोड मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- सुनील कुमार सिंह*** 0591-3551286(कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2020/79034 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुरादाबाद होगा)।

इस सर्दी ट्रेंड में रहेंगे ये
ड्रीमी हेयर कलर

सर्दियों का मौसम शुरू हो गया है। इस मौसम में वूमेन फैशनेबल गर्म कपड़ों पर खूब ध्यान देती हैं, लेकिन हेयर कलर को लेकर वह ज्यादा नहीं सोचतीं। यह आपको एक नया और शानदार लुक देने का भी सही समय है। इस सर्दी में हेयर कलरिंग की दुनिया में कुछ रोमांचक बदलाव देखने को मिलेंगे। इस बार सारा जोर ऐसे रंगों पर होगा, जो आपके प्राकृतिक रूप को निखारते हुए शानदार लुक दें। इस सीजन के ट्रेंड्स गहरे, चमकदार रंगों के साथ ही सोच-समझकर किए गए फ्यूजन पर होगा। हेरिटेज गोल्ड (सर्दियों की धूप से प्रेरित) से लेकर गॉथिक ब्रुनेट तक, हर किसी के लिए एक नया हेयर कलर है।

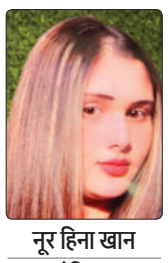

नूर हिना खान
लेखिका

ख्याल रखने वाली बातें

सर्दियों के महीनों में रंगीन बालों को अतिरिक्त देखभाल की आवश्यकता होती है, ताकि वे स्वस्थ और जीवंत बने रहें।

- अपने बालों के रंग को लंबे समय तक बनाए रखने के लिए सल्फेट-मुक्त शैंपू और कंडीशनर का उपयोग करें।
- सर्दियों की शुष्क हवा बालों को सुखा सकती है। हाइड्रेटिंग हेयर मास्क और तेलों का नियमित रूप से उपयोग करें।
- अत्यधिक हीट स्टाइलिंग से रंग फीका पड़ सकता है और बाल खराब हो सकते हैं। हीट प्रोटेक्टेंट स्प्रे का उपयोग करें और कम तापमान पर स्टाइल करें।

गोल्डन स्ट्रॉबेरी ब्लोंड

यह एक ऐसा हेयर कलर है, जिसकी चमक और धूप वाली वाइब्स की वजह से कुछ ऐसा लुक आता है, जो सर्दियों के फीके महीनों को चटख बना देगा। यह शेड ब्लोंड की चमक को कॉपर वार्मथ के साथ मिलाता है, जिससे एक ग्लोइंग लुक मिलता है, जो फ्रेश लगता है। यह उन लोगों के लिए बहुत अच्छा है, जो वार्मथ और डेप्थ चाहते हैं, या उन ब्रुनेट्स के लिए जो थोड़ा लाइटर होना चाहती हैं। बस गोल्डन कॉपर अंडरटोन या फेस-फ्रेमिंग पीस वाला वार्म हनी बेस मांगें।

हेरिटेज गोल्ड

यह हेयर कलर ट्रेंड पुराने ज़माने से लिया गया है। यह एक हल्का ब्लॉन्ड है, जो रेट्रो और नॉस्टैल्जिक लगता है, फिर भी फ्रेश है। ठंडे महीनों के लिए यह एकदम सही है। यह हल्की गर्माहट देता है। यह नेचुरल ब्लॉन्ड या ब्रुनेट के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जो डेप्थ और मीडियम कंट्रास्ट बनाए रखते हुए मैच्योर, एलिगेंट तरीके से गर्माहट जोड़ना चाहते हैं। अपने कलरिस्ट से हाइलाइट्स के बाद म्यूट गोल्डन बैलेज या वार्म ग्लॉस लगाने के लिए कहें, ताकि आपके बालों में रिचनेस वापस आ सके।

म्यूटेड मिड

म्यूटेड मिड असल में सॉफ्ट, न्यूट्रल-वार्म शेड्स जो ब्लॉन्ड, ब्रुनेट और कॉपर के बीच आते हैं, सबसे ऊपर रहेंगे। यह सभी हालिया ट्रेंड्स का एक फ्यूज़न है, लेकिन जानबूझकर हल्का और बिना किसी शर्त के।
इस तरह के शेड्स कम मेंटेनेंस वाले, वर्सेटाइल और शानदार होते हैं। बस अपनी पसंद के शेड के लिए एक नेचुरल मिट्टी जैसा अंडरटोन मांगें और इसे ग्लॉसिंग ट्रीटमेंट से बनाए रखें, ताकि फिनिश रिफाइंड रहे और रंग चमकदार और खास दिखे।

मशरूम मोका

यह अर्थियर शेड एक कूल-न्यूट्रल ब्लेंड है, जो डायमेंशन जोड़ता है और ब्रुनेट बालों को एक क्लासी लुक देता है। यह कई तरह की स्किन टोन पर अच्छा लगता है और आसानी से बढ़ता है, जिससे यह उन लोगों के लिए परफेक्ट है, जो कम मेंटेनेंस वाला कलर चाहते हैं। आप अपने कलरिस्ट से पूरे बालों में ऐश बैलेज के साथ एक न्यूट्रल ब्रुनेट बेस मांगें। इससे मोचा-टोंड ट्रांजिशन में आसानी होगी।

हनी बटर ब्लोंड

हनी बटर ब्लोंड सर्दियों में छा जाने वाला है, क्योंकि वार्म, क्रीमी शेड्स आखिरकार फिर से स्पॉटलाइट में आ रहे हैं। इस शेड को सॉफ्ट कैंडललाइट ग्लो से डिफाइन किया जाता है, जो मूडी मौसम में बालों में चमक और शाइन लाता है। लुक पाने के लिए, अपने कलरिस्ट से वार्म-न्यूट्रल ब्लोंड के लिए कहें, जिसमें हल्का गोल्डन डायमेंशन और ग्लॉसी फिनिश हो, ताकि बटर जैसी गर्माहट बढ़े।

चेरी कोला ब्रुनेट

चेरी कोला ब्रुनेट इस सर्दी में खास तौर से देखने लायक शेड है। यह सब चेरी टोन की गहरी और हल्के हिंट की वजह से है। यह गहरे बालों को बिना पूरी तरह लाल हुए एक मूडी, पॉलिश्ड ग्लो देता है, जो इसे उन ब्रुनेट्स के लिए एक बढ़िया ऑप्शन बनाता है, जो कुछ नया चाहती हैं। अच्छी बात यह है कि चेरी कोला ब्रुनेट सभी पर सूट करता है। अपने स्टाइलिस्ट से डीप ब्रुनेट बेस के लिए कहें, जिसे सॉफ्ट वायलेट-रेड लोलाइट्स या चेरी-टोंड ग्लॉस से बेहतर बनाया गया हो, ताकि कोला जैसी रिचनेस मिल सके।

गॉथिक ब्रुनेट

गॉथिक ब्रुनेट शेड उन लोगों के लिए सबसे अच्छा काम करता है, जिनका बेस नैचुरली डार्क होता है। आप अपने कलरिस्ट से एस्प्रेसो या ब्लैक चेरी-टोंड ग्लॉस मांगें, ताकि आपका नैचुरल कलर एक या दो शेड और गहरा हो जाए। बाल जितने डार्क होंगे, लाइट में उतने ही ग्लॉसी दिखेंगे।

मॉडल ऑफ द वीक

नामः आंचल स्वरूप
टाउनः कानपुर
एजुकेशनः स्नातक
अचीवमेंटः मिस ग्लैम ऑफ उत्तर प्रदेश 1st रनर अप
ड्रीमः प्रोफेशनल मॉडलिंग, एक्टर

जिंदगी का सफर

बॉलीवुड के हीमैन 'गरम धरम'

धर्मेंद्र सिंह देओल बॉलीवुड के 'हीमैन' थे। फिल्मों में उनके गुस्से से भरी खास डायलॉग डिलीवरी की वजह से ही उन्हें 'गरम धरम' भी कहा जाता था। वह भारतीय सिनेमा के सबसे लोकप्रिय और प्रभावशाली अभिनेताओं में से एक थे। पंजाब के एक छोटे से गांव से आकर फिल्मी दुनिया में आला मुकाम बनाना उनकी दृढ़ता और जुनून की कहानी है।

धर्मेंद्र का जन्म आठ दिसंबर, 1935 को पंजाब के लुधियाना जिले के नसराली गांव में हुआ था। उनके पिता, केवल कृष्ण सिंह देओल, सरकारी स्कूल में हेडमास्टर थे। धर्मेंद्र ने अपनी मैट्रिक तक की पढ़ाई पंजाब में ही पूरी की। बचपन से ही उन्हें फिल्मों का शौक था और दिलीप कुमार की फिल्म 'शहीद' देखकर उन्होंने अभिनेता बनने का सपना देखा। अपने सपने को पूरा करने के लिए, वह फिल्मफेयर की 'न्यू टैलेंट' प्रतियोगिता में चुने जाने के बाद मुंबई आ गए।

मुंबई में शुरुआती संघर्ष के बाद, धर्मेंद्र ने 1960 में फिल्म 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' से अपने अभिनय करियर की शुरुआत की। 1960 के दशक में उन्होंने रोमांटिक हीरो की भूमिकाएं निभाईं, लेकिन 1970 के दशक में वह एक्शन हीरो के रूप में उभरे। उनकी बहुमुखी प्रतिभा ने उन्हें हर तरह की भूमिकाओं में चमकने का मौका दिया।

धर्मेंद्र के करियर में मील का पत्थर साबित हुई 1975 की ब्लॉक बस्टर फिल्म 'शोले'। इसमें 'वीरू' का उनका किरदार आज भी अमर है। उन्होंने 300 से अधिक फिल्मों में काम किया, जिनमें 'सत्यकाम', 'चुपके चुपके', 'यमला पगला दीवाना' जैसी कई सफल फिल्में शामिल

हैं। धर्मेंद्र ने आखिरी समय तक अभिनय नहीं छोड़ा था। उनके निधन के बाद उनकी आखिरी फिल्म रिलीज होगी। उसका नाम है 'इक्कीस'। उन्हें 1997 में भारतीय सिनेमा में उनके योगदान के लिए फिल्मफेयर लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड से सम्मानित किया गया। इसके अलावा साल 2012 में उन्हें भारत सरकार ने पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

धर्मेंद्र ने दो शादियां कीं। उनकी पहली पत्नी प्रकाश कौर हैं, जिनसे उन्हें सनी देओल, बॉबी देओल और दो बेटियां हैं। बाद में, उन्होंने अभिनेत्री हेमा मालिनी से शादी की, जिनसे उनकी दो बेटियां ईशा और अहाना देओल हैं। अभिनय के अलावा, वह एक सफल निर्माता और राजनीतिज्ञ भी रहे। उन्होंने 2004 से 2009 तक बीकानेर से संसद सदस्य के रूप में कार्य किया।

इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश गोयल से बातचीत

बरेली का औद्योगिक विकास तभी जब होगा 'साफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क'

निरंतर उन्नति कर रही बरेली में बीते एक दशक में चिकित्सा, शिक्षा व खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में काफी विकास हुआ है। इन क्षेत्रों में आगे भी खूब विकास होगा, साथ ही, इंजीनियरिंग व खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में भी इजाफा होगा, पर इसके लिए यहां 'साफ्टवेयर टेक्नालॉजी पार्क' की बहुत जरूरत है। ऐसा इसलिए है कि यहां के उद्यमियों व उद्यमों में कार्यरत श्रमिकों को समुचित डिजिटल तकनीक का जानकारी नहीं मिल पा रही है। अगर सरकार इसकी व्यवस्था करेगी, तो विकास की दौड़ में बरेली बहुत आगे होगी। इस शहर में पारंपरिक जरी जरदोजी व एग्रो आधारित प्लाईवुड का कारोबार भी बढ़ेगा। इंडियन इंडस्ट्रीज एसोसिएशन के अध्यक्ष दिनेश गोयल का कहना है कि बुनियादी सुविधाओं में बगैर बदलाव के विकसित भारत का सपना पूरा नहीं हो सकेगा। उद्योगों के विकास पर फोकस करते हुए वे कहते हैं कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई के युग में उद्यमियों व उद्योगों में कार्यरत लोगों को बेहतर तकनीकी ज्ञान व प्रशिक्षण मिलेगा, तभी हम चीन व जापान जैसे देशों से प्रतिस्पर्धा की स्थिति में पहुंच पाएंगे। औद्योगिक विकास के लिए 'डिटिजल नॉलेज' वाले युवाओं की बहुत जरूरत है, ताकि उद्यमियों को ऐप समेत अन्य तकनीकी सुविधाएं मिल सकें। अध्यक्ष ने सवाल उठाते हुए कहते हैं कि मोबाइल के पार्ट बाहर से क्यों निर्यात कर रहे हैं। स्वदेश में क्यों नहीं तैयार किये जा रहे हैं। हमें लागत को कम कर 'प्रतिस्पर्धी' बनने की जरूरत है।

चीन व जापान से सीख लेने की जरूरत

भारत व चीन एक समय बराबर पर रहे हैं, पर बीते वर्षों में चीन ने अपनी 'मेगा पॉलिसी' के जरिये तरक्की की। उन्होंने उद्योगों के लिए संपूर्ण बुनियादी ढांचा बनाकर दिया। आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि हमें इन देशों से सीख लेने की जरूरत है। उद्योगों के बुनियादी ढांचे की 'कास्ट' अगर कम होगी, तभी उत्पाद सस्ते होंगे और हम चीन जैसे बाजार से प्रतिस्पर्धा कर सकेंगे। चीन में प्रति व्यक्ति उत्पादन सस्ता है। 'वेंडरिंग' सरल है। चीन में उत्पादों की अच्छी मार्केटिंग होती है। ऐसा भारत व उत्तर प्रदेश में भी होना चाहिए। उद्यमियों को वैश्विक बाजार से प्रतिस्पर्धा करने के लिए हर स्तर पर सुरक्षा की जरूरत है।

गांव-गांव के बजाय लगाए जायं एक जगह उद्योग

गांव-गांव के बजाय एक ही क्षेत्र में उद्योग लगाये जायं तो इससे बुनियादी खर्चा बचेगा और उत्पाद सस्ते होंगे। चारों से ओर से लगभग 250 किलोमीटर दूरी पर स्थित बरेली में अच्छे 'फीचर' डालने होंगे। प्रदेश के औद्योगिक विकास के विजन-2047 में बरेली की भूमिका अहम होगी। सांस्कृतिक व पर्यटन के क्षेत्र में यहां बहुत संभावनाएं हैं। पर एकीकृत विकास जरूरी है। सूचना तंत्र का विकास भी बहुत आवश्यक है। होटल मैनेजमेंट की तरह आईटीआई के छात्रों को उनके संस्थान में रोजगार देना उपलब्ध कराया जाना चाहिए। इससे उन्हें रोजगार मिलेगा, साथ ही, वे उद्योगों की जरूरत से अनुसार वे तैयार हो सकेंगे।

उद्यमियों को उपलब्ध नहीं कराया जा रहा डाटा : विकास के लिए 'नियोजित प्लान' की जरूरी है तो उसके लिए समुचित डाटा भी होना चाहिए। बरेली में उद्योगों के पास विकास के लिए समुचित डाटा नहीं है। सरकार भी डाटा उपलब्ध नहीं करा रही है। बरेली में विकास के 35000 करोड़ के एमओयू हुए, जिसमें सात हजार करोड़ के कार्य लागू हो सके हैं। बाकी फिलहाल नजर नहीं आ रहा है, जबकि जीएसटी देने के मामले में प्रयागराज मंडल पहला है तो बरेली पांचवें स्थान पर है।

परिवहन के लिए शुरू किये जायं रिवर पोर्ट : आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि मान्यताप्राात औद्योगिक संगठनों में कार्यालयों में सरकार को 'नॉलेज बैंक' स्थापित करना चाहिए, साथ ही, माल की बेहतर परिवहन व्यवस्था के लिए राज्य सरकार को 'रिवर पोर्ट' शुरू करना चाहिए। अध्यक्ष ने कहा कि उन्होंने राज्य सरकार को इस सिलसिले में सुझाव दिये गये हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वाराणसी में रिवर पोर्ट शुरू करने की बात कही है। इससे माल के परिवहन व्यवस्था में सुधार आएगा। उन्होंने कहा कि विदेशों में उद्यमियों को प्राथमिकता देने के लिए राज्य सरकार को नोडल एजेंसी बनानी होगी। साथ ही, हमें विभाग के उद्योगों के कार्यालयों को सुसज्जित करना होगा।

साफ्टेवयर टेक्नालॉजी पार्क में होनी चाहिए बड़ी कंपनियां : जैसे प्रदेश के लिए 'साफ्टेवयर टेक्नालॉजी पार्क' का महत्व ज्यादा है, उसी तरह बरेली में यह पार्क बनाना होगा। इसके आपरेशन सिस्टम में बड़ी कंपनियों को आना होगा, ताकि 'जॉब' में आने वाले युवाओं को बेहतर प्रशिक्षण दिया जा सके और इसका लाभ सभी लोगों को मिल सके। आईआईए के अध्यक्ष का कहना है कि आज हमें छोटे उद्योगों में तकनीकी सिस्टम को चलाने के लिए 'वर्क फोर्स' की जरूरत है, पर वह उपलब्ध नहीं है। युवा एनसीआर या अन्य बड़े शहरों में चले जा रहे हैं। जो 'स्किल' पैदा हो रहा है, उसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। इसके लिए जरूरी है कि हम उन्हें स्थानीय उद्योग से जोड़कर रखें।

तो अच्छा हो सकता था प्लास्टिक उत्पादन : बरेली हमेशा से केमिकल व सिंथेटिक उद्योग के लिए जानी जाती है, इस कारण इसके पुराने जानकार भी यहां उपलब्ध हैं, आज अगर बुनियादी ढांचा होता, तो अच्छा प्लास्टिक उत्पादन हो सकता था। इन चीजों का 'क्लस्टर' दे पाते। उनका कहना है कि मेडिकल उपकरण बहुत सा पार्ट केमिकल पर आधारित है, उन चीजों का उत्पादन कर सकते हैं। पूरे प्रदेश में भेज सकते हैं, इसके लिए डाटा सेंटर, कंसल्टेंट व तकनीकी ज्ञान रखने वाले लोगों की जरूरत है।

उद्योगों के विकास के लिए मीडिया की अहम भूमिका : उद्योगों के विकास में मीडिया की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण है। मीडिया पारदर्शिता के साथ जागरूकता फैलाने का कार्य करता है। इसी से चीजें आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि क्रांति तो इसी से आ सकती है। वीडियो व प्रिंट मीडिया के स्वरूप को लेकर उन्होंने कहा कि डिजिटल तो जरूरी है, पर प्रिंट बहुत जरूरी है, क्योंकि 'प्रिंट मीडिया' ही सही तथ्य प्रस्तुत करता है।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

दुनिया को लुभा रहे बरेली के बांस-बेंत के फर्नीचर

बरेली को यू ही बांस बरेली नहीं कहते। यहां के बने बांस-बेंत के फर्नीचर ने धाक जमा रखी है। कारोबारियों के मुताबिक यहां बने बांस-बेंत के फर्नीचर यूरोप, फिलिपींस, डेनमार्क सहित अन्य देशों को भी निर्यात हो रहे हैं। बांस और बेंत से बरेली में अनेक आकर्षक व उपयोगी वस्तुएँ बनती हैं। कुर्सियां, टेबल, सोफ़ा, बेड, स्टूल, रैक, शेल्फ़, झूला, बेबी क्रेडल,ट्रे, लैम्प, होम डेकोर आइटम, कैफ-रिसॉर्ट के लिए थीम आधारित सेट, फूलदान और सजावटी शोपीस, टोकरी, डलिया और स्टोरेज बॉक्स, फाउंटेन, शेड, गार्डन डेकोरेशन व अन्य वस्तुएं यहां के कारगर बनाते हैं।

आसाम, त्रिपुरा से मंगाते हैं बांस : कारोबारी खालिद ने बताया कि आसाम, त्रिपुरा से बांस मंगवाया जाता है। सरकार बांस की खेती को प्रोत्साहन दे रही है। मिशन बैंबू के तहत नवाबगंज और फतेहगंज पश्चिमी के किसान बांस की खेती कर रहे हैं। कुछ साल में ये बांस तैयार हो जाएगा। उन्होंने बताया कि बांस से हर तरह का फर्नीचर नहीं बना सकते। क्योंकि ये अंदर से खोखला होता है। बेंत से हर तरह का फर्नीचर तैयार किया जा सकता है। बेंत का फर्नीचर ज्यादा लुभावना होता है। बरेली के पुराना शहर से लेकर सीबीगंज, पदारथपुर, ठिरिया, उड़ला जागीर, आलमपुर, गरगटा, फतेहगंज पश्चिमी, नवाबगंज के गांवों में बांस-बेंत के फर्नीचर बनाने का काम पीढ़ियों से हो रहा है।

बेहतरी के प्रयास : बांस- बेंत के काम को और निखारने के लिए बरेली में कई तरह के कॉमन फैसिलिटी सेंटर बनाए गए हैं। इसमें किसानों का बांस खरीद कर कंपनियों के माध्यम से बांस के आभूषण, गृह सज्जा, फर्नीचर जैसे तमाम वस्तुएं बनाने का प्रशिक्षण दिया जाने लगा। कारीगरों को प्रशिक्षित करने के लिए आसाम, त्रिपुरा से प्रशिक्षक बुलाए जाते हैं।

घरों में होता है बेंत का काम

फर्नीचर कारोबारी खालिकिन नूर ने बताया कि छोटे कारखानों और घरों में बेंत का काम होता है। कोई कारीगर सोफा, कुर्सी, स्टूल जैसे फर्नीचर बनाने में उस्ताद होता है तो कोई सजावटी सामान में। इसीलिए अलग-अलग कारीगरों से सामान तैयार करवाते हैं। राज्य के कई शहरों के अलावा दूसरे प्रदेशों में भी माल जाता है।

लकड़ी के फर्नीचर का जलवा

बरेली लकड़ी के फर्नीचर की बहुत बड़ी मंडी है। सैकड़ों दुकानें-शोरूम यहां के फर्नीचर की कहानी सुनाते हैं। यह शहर अपने फर्नीचर की गुणवत्ता के लिए जाना जाता है। फर्नीचर की लंबी रेंज ग्राहकों को उनकी जरूरत के अनुसार चुनने की सुविधा देता है। स्थानीय कारीगरों द्वारा बनाए गए बेहतरीन फर्नीचर के साथ अब शहर में ब्रांडेड फर्नीचर के भी शोरूम बड़ी संख्या में खुले हैं।

गुणवत्ता के साथ बनाते हैं डिजाइन

बरेली फर्नीचर डीलर ऐसोसिएशन के अध्यक्ष प्रदीप गोयल कहते हैं कि बरेली के फर्नीचर की सबसे बड़ी खासियत है गुणवत्ता। हम ग्राहक के मनमुताबिक डिजाइन तैयार करवाते हैं, साथ ही गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखते हैं। यही भरोसा बरेली के फर्नीचर बाजार को खास बनाता है। बरेली में बना फर्नीचर आसपास जिलों के अलावा उत्तराखंड समेत दूसरे कई प्रदेशों में जाता है।

मशक्कत से मिला ओडीओपी

ऐसोसिएशन के महामंत्री सौरभ गर्ग भी बरेली के फर्नीचर को खास बताते हैं। वह कहते हैं कि पूरे उत्तर प्रदेश में बरेली से बड़ी फर्नीचर की मंडी नहीं। यहां सैकड़ों छोटे-बड़े प्रतिष्ठान हैं। दिल्ली बहुत बड़ी मंडी है। लेकिन वहां भरोसे की कोई गारंटी नहीं। आप मांगेंगे कुछ, दिखाया जाएगा कुछ और घर पहुंचेगा कुछ और। हमारी सबसे बड़ी पूंजी ही ग्राहकों का विश्वास है। उन्होंने बताया कि एक जनपद एक उत्पाद योजना में फर्नीचर को शामिल कराने के लिए हमें बहुत मशक्कत करनी पड़ी। आडीओपी मिलने से इस कारोबार से जुड़े करोबारियों सहित हजारों कारीगरों को फायदा मिलेगा। वित्तीय सहायता, कौशल विकास, ब्रांडिंग और प्रचार के अलावा रोजगार सृजन होगा।

नई अर्थव्यवस्था का मजबूत केंद्र बरेली

परंपरा बदली, पहचान नहीं

बरेली। एक समय था जब कुमाऊं की रोजमर्रा की जरूरतों की सबसे बड़ी सप्लाई बरेली से ही पूरी होती थी। हल्द्वानी, काठगोदाम, अल्मोड़ा और पिथौरागढ़ तक हर तरह का सामान अनाज, कपड़ा, दवाइयां, मसाले, निर्माण सामग्री बरेली की मंडियों से ही निकलता था। पहाड़ों की रोजमर्रा की जरूरतें, निर्माण सामग्री, कपड़ा, दवाइयां, मसाले, अनाज, मशीनरी और उपभोक्ता वस्तुएं बरेली की मंडियों से ही निकलकर काठगोदाम और हल्द्वानी होते हुए पहाड़ों तक पहुंचती थीं। लंबे समय तक यह संबंध इतना मजबूत था कि बरेली को कुमाऊं की आर्थिक जीवन-रेखा तक कहा जाता था।

वर्ष 2000 में जब उत्तराखंड राज्य का गठन हुआ, तो वह पुरानी व्यापारिक परंपरा में बदलाव आने लगा, जिसके बाद कुमाऊं के बाजार अपने नए व्यापारिक केंद्र खोजने लगे और व्यापार का एक बड़ा हिस्सा बरेली की पकड़ से दूर चला गया। कई लोगों को लगा कि इससे बरेली की बाजार पहचान कमजोर हो जाएगी। लेकिन बरेली की असली ताकत केवल उसकी भौगोलिक स्थिति नहीं, बल्कि उसकी अनुकूलन क्षमता है। बरेली ने अपनी पहचान बनाए रखने के लिए नए क्षेत्रों में खुद को और मजबूत किया। आज यह शहर फिर से पश्चिम यूपी की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार बनकर उभर रहा है।

एक समय था जब कुमाऊं के व्यापारिक केंद्र हल्द्वानी और काठगोदाम बरेली की मंडियों पर निर्भर थे। पहाड़ों में निर्माण कार्य से लेकर त्योहारों और शादी-विवाह की सजावटी चीजें, हर तरह का सामान बरेली से जाता था। इस अवधि में बरेली की ग्रेन मंडी, खैराती लाल मार्केट, सर्राफा मार्केट, सिविल लाइन्स और कोहाड़ापीर जैसे इलाकों की गिनती उत्तर प्रदेश के महत्वपूर्ण व्यावसायिक क्षेत्रों में होती थी। सामान की खरीद-फरोख्त का रूटीन इतना तयशुदा था कि बरेली के बाजारों पर कुमाऊं की मांग सीधा असर डालती थी। पहाड़ों के लोगों का बरेली सिर्फ व्यापार के लिए नहीं, बल्कि रोजगार, शिक्षा, खरीदारी और स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आना आम था।

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद दो बड़े बदलाव हुए। पहला प्रशासनिक और कर व्यवस्था का बंटवारा हुआ और दूसरा कुमाऊं में व्यापारिक केंद्रों का विकास होने लगा। नई राज्य सरकार ने हल्द्वानी, रुद्रपुर, काशीपुर और पंतनगर जैसे क्षेत्रों को विकसित किया। इससे स्वाभाविक रूप से बरेली पर निर्भरता घटने लगी। पहले जहां पहाड़ों की जरुरत के लिए हर बड़े व्यापारी को बरेली का रुख करना पड़ता था, वहीं अब हल्द्वानी और रुद्रपुर में ही बड़े गोदाम, मंडियां और कारोबारी प्रतिष्ठान बनने लगे। टैक्स संरचना बदलने से बरेली से माल भेजना अब पहले जैसा सहज नहीं रह गया। इन कारणों से बरेली का वह पारंपरिक एकाधिकार धीरे-धीरे टूटने लगा। यह बदलाव पूरी तरह स्वाभाविक था। कुमाऊं का बाजार बरेली से काफी दूर होता चला गया। लेकिन बरेली की असली क्षमता इसी मोड़ पर सामने आई। शहर ने बदलते समय के साथ खुद को ढाल लिया और नए क्षेत्रों में व्यापारिक विकास की राह को तलाशना शुरू किया और एक नई रफ्तार के साथ नई ऊंचाई पाया। बरेली की पुरानी मंडियों ने खुद को आधुनिक व्यापारिक जरूरतों के अनुसार ढाला। अनाज, फल-सब्जी और किराना व्यापार आज भी क्षेत्र में मजबूत स्तंभ हैं। इसके अलावा कपड़ा और सर्राफा बाजार का फैलाव बरेली को पश्चिम यूपी का प्रमुख रिटेल और थोक केंद्र बनाए रखता है।

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद बरेली के व्यापार में 20 से 25 प्रतिशत की गिरावट आई। समय के साथ बरेली ने नए केंद्रों की खोज की और खुद को भी बदला लेकिन अपनी परंपरा से दूर नहीं हुआ। बरेली आसपास के सभी नए बाजारों की खोज की और उनमें अपनी गहरी पैठ बनाकर अपनी व्यापारिक क्षमता को साबित किया। **- राजेश जसोरिया, संयुक्त महामंत्री, उप्र उद्योग व्यापार मंडल**

पहले उत्तर प्रदेश व उत्तराखंड एक थे, तब हमारा काम एक ही सिस्टम से होता था। उस समय काम आसान था, लेकिन नए ग्राहकों तक पहुंच सीमित थी। जब उत्तराखंड राज्य बना तो हमें दोनों जगहों पर अलग-अलग काम बढ़ाने का मौका मिला। अब हमारे पास दोनों राज्यों के लिए सप्लाई चैन, तेज डिलीवरी मौजूद हैं। **-रजत मल्होत्रा, सचिव, आईआईए, बरेली**

उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद से बरेली के सर्राफा करोबार में काफी बदलाव आया है, जहां कुमाऊं का मुख्य बाजार बरेली था वहीं आज बरेली अन्य क्षेत्रों के लिए भी बड़ा बाजार बन गया है। कुमाऊं को अलग हुए 25 साल हो गए, लेकिन अब भी कारोबार चल रहा है। बरेली ने खुद को बदला और नए बाजारों की तलाश की। **-संदीप अग्रवाल मिंटू, अध्यक्ष, ज्वेलर्स एंड बुलियन ए.**

25 साल पहले बरेली से अलग हुए उत्तराखंड के कपड़ों की जरूरतों को बरेली ही पूरा करता रहा, लेकिन उत्तराखंड के राज्य बनने के बाद से यहां के कपड़ा कारोबार में गिरावट तो आई लेकिन दिल्ली और लखनऊ के मध्य होने से बरेली को अन्य स्थानों के व्यापारी मिले, जिससे कपड़ा उद्योग पर कोई विशेष असर नहीं पड़ा। **-दर्शनलाल भाटिया, चेयरमैन- उप्रदेश व्यापार मंडल और अध्यक्ष- रेडिमेड** गारमेंट

परंपरा और आधुनिकता का मेल

बड़े बाजार से मॉल तक की यात्रा

बरेली। उत्तर प्रदेश का शहर बरेली तेजी से बदलते व्यापारिक केंद्र का प्रतीक बन चुका है। सदियों पुरानी परंपराओं वाली गलियां जैसे बड़े बाजार, चौक, कोहाड़ापीर, इमामबाड़ा, कुतुबखाना और किला इलाका जहां कभी थोक व्यापार और मोलभाव की रौनक हुआ करती थी, वहां अब आधुनिक मॉल, ब्रांडेड शोरूम और डिजाइनर स्टोर्स का प्रचलन है। यह बदलाव केवल इमारतों या दुकानों का नहीं, बल्कि व्यापार की सोच, ग्राहकों की बदलती पसंद और समय के साथ विकसित बाजार के स्वरूप का पर्याय है। फिनिक्स मॉल, सिटी मॉल और डीडीपुरम रोड जैसे नए आर्थिक केंद्रों ने पुरानी पहचान को नई ऊंचाइयों पर पहुंचा दिया है, जहां खरीदारी अब सिर्फ जरूरत का माध्यम नहीं, बल्कि एक पूर्ण अनुभव बन चुकी है। बरेली का यह व्यापारिक सफर दर्शाता है कि परंपरा बदलती तो है, लेकिन मिटती नहीं बस नया रूप धारण कर लेती है। बड़े बाजार और चौक जैसी जगहें अभी भी सांस्कृतिक जड़ों का प्रतीक हैं, जबकि मॉल और ब्रांडेड स्टोर्स आधुनिकता का चेहरा। दोनों का संगम बरेली को 'संस्कृति और व्यवसाय का संतुलित शहर' बनाता है, जहां आर्थिक विकास के साथ-साथ सामाजिक बदलाव भी झलकता है। यह यात्रा न केवल व्यापारियों की मेहनत का परिणाम है, बल्कि पूरे समाज के अनुकूलन का जीवंत उदाहरण भी। भविष्य में बरेली और भी मजबूत व्यापारिक केंद्र के रूप में उभरेगा, जहां पुरानी यादें नई कहानियों को प्रेरित करती रहेंगी।

ज्वेलरी व्यापार : सोनारों की गलियों से डायमंड शोरूम तक : चौक और कोहाड़ापीर की तंग गलियों में दशकों तक सोना-चांदी की छोटी-छोटी दुकानें चमकती रहीं। यहां हाथ से बनी ज्वेलरी झूमके, हार और चूड़ियां न केवल व्यापार का आधार थीं, बल्कि सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा भी थी। लेकिन आधुनिकता की लहर ने इस क्षेत्र को भी नया रूप दे दिया है। अब तनिष्क, कल्याण ज्वेलर्स, पीएनजी और साराफा मार्केट जैसे ब्रांडेड शोरूम स्थानीय ज्वेलर्स को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। मशीन-कट डिजाइन्स, डायमंड सेक्शन और हॉलमार्क्ड गारंटी अब ग्राहकों की प्राथमिकता हैं। अब ग्राहक सिर्फ डिजाइन नहीं, बिल और वारंटी भी चाहता है, कोहाड़ापीर के एक सुनार ने कहा। यह परिवर्तन न केवल प्रतिस्पर्धा बढ़ा रहा है, बल्कि स्थानीय कारीगरों को भी नई तकनीकों अपनाने के लिए प्रेरित कर रहा है। ज्वेलर्स एण्ड बुलियन एसोसिएशन के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल मिंटू ने बताया कि बरेली ने खुद को बदलते हुए परिवेश में बदला और प्राचीनता और परंपरा के साथ ही आधुनिकता को महत्व दिया। पहले जहां ज्वेलरी की छोटी दुकानें होती थी वहीं आज महानगर में कई बड़े ब्रांड के शोरूम में है। जिसने बरेली को एक अलग ही पहचान दी है।

मिठाई और बर्तन : स्वादिष्ट परंपरा से फ्यूजन सुविधा तक : बरेली की मिठाई रसगुल्ला, पेड़ा, लड्डू और बर्फी हमेशा से शहर की शान रही है। इमामबाड़ा रोड और सिविल लाइंस इलाकों में छोटे हलवाइयों की दुकानें स्वाद का खजाना हुआ करती थीं। लेकिन अब ब्रांडेड चेन जैसे छप्पन भोग, बिकानेरवाला और हल्दीराम ने बाजार में अपनी पैठ बना ली है। फ्यूजन स्वीट्स, ड्राय फ्रूट मिठाइयां और बेकरी प्रोडक्ट्स की मांग बढ़ी है, जहां पैकिंग और प्रेजेंटेशन उतना ही महत्वपूर्ण है जितना स्वाद। स्वाद वही है, लेकिन पैकिंग और प्रेजेंटेशन में बड़ा बदलाव आया है। इसी तरह, बर्तन व्यापार में भी क्रांति आ चुकी है। किला रोड और डीडीपुरम इलाकों में पहले पीतल, तांबे और स्टील के पारंपरिक बर्तन बिकते थे। अब नॉन-स्टिक, माइक्रोवेव-सेफ, डिजाइनर क्रॉकरी और किचन सेट की दुकानें खूब फल-फूल रही हैं। यह बदलाव आधुनिक रसोई की जरुरतों को पूरा करता है, जहां सुविधा और सौंदर्य दोनों का ध्यान रखा जाता है।

इलेक्ट्रॉनिक, फर्नीचर और फोम उद्योग : जीवनशैली की नई मांगें : सिविल लाइंस और डीडीपुरम रोड अब इलेक्ट्रॉनिक्स का मुख्य बाजार है। जहां पहले टीवी और रेडियो तक कारोबार सीमित था, वहीं अब स्मार्टफोन, एलईडी, एसी, फ्रिज, वॉशिंग मशीन और होम ऑटोमेशन प्रोडक्ट्स की भरमार है। ग्राहक ऊर्जा-कुशल और स्मार्ट डिवाइसेस की तलाश में हैं, जो आधुनिक जीवन को आसान बनाते हैं। फर्नीचर और फोम उद्योग भी पीछे नहीं हैं। किला रोड, प्रीतम नगर और अन्य इलाकों में लकड़ी के पारंपरिक काम से निकलकर मॉड्यूलर फर्नीचर, फोम मैट्रेस और डेकोर स्टूडियो उभर आए हैं। स्लीपीहेड, स्लीपवेल जैसे ब्रांड घर-घर पहुंच चुके हैं। अब ग्राहक लकड़ी का वजन नहीं, फर्नीचर की डिजाइन और कम्फर्ट को तवज्जो देता है, एक फर्नीचर निर्माता ने कहा। यह क्षेत्र नई पीढ़ी की आरामप्रिय जीवनशैली को दर्शाता है।

कपड़ा व्यापार: गलियों से ब्रांड्स तक

पुराने दिनों में कुतुबखाना और बड़े बाजार बरेली का थोक और खुदरा व्यापार का केंद्र रहा। हाथों से सिलाई और बुनाई का काम होता था और ग्राहक कपड़े की मजबूती व कीमत पर जोर देते थे। लेकिन अब रेडीमेड गारमेंट्स, डिजाइनर बुटीक और ब्रांडेड फैशन स्टोर्स मॉल्स व मार्केट कॉम्प्लेक्स में फैल चुके हैं। ग्राहक अब क्वालिटी के साथ ब्रांड वैल्यू, स्टाइल और फैब्रिक की चमक भी तलाशते हैं। यह बदलाव बरेली को उत्तर भारत के फैशन हब के रूप में स्थापित कर रहा है। उत्तर प्रदेश व्यापार मंडल के चेयरमैन व रेडिमेड गारमेंट के अध्यक्ष दर्शनलाल भाटिया ने बताया कि पहले बरेली में छोटी दुकानें होती थी और ग्राहकों की खरीदारी की क्षमता भी सीमित हुआ करती थी। अब बड़े ब्रांडों के शोरूम खुल गए हैं और ग्राहकों के सामने कपड़ों के चयन और खरीदने का अवसर बढ़ा है। ग्राहकों की क्षमता और पसंद ने बरेली को एक छोटे बाजार से बड़े बाजार में बदल दिया है। आज बरेली में सभी बड़े ब्रांड मौजूद है।

मॉल संस्कृति : खरीदारी से अनुभव तक का सफर

पिछले एक दशक में मॉल संस्कृति ने बरेली के व्यापार को नया आयाम दिया है। जहां पहले ग्राहक गलियों में मोलभाव करते थे, वहीं अब परिवार के साथ एयर-कंडीशंड मॉल्स जैसे फिनिक्स मॉल और सिटी मॉल में शॉपिंग, फूड कोर्ट, मनोरंजन और समय बिताने का पूरा पैकेज मिलता है। अब शॉपिंग एक अनुभव है, जहां लोग देखना, घूमना और समय बिताना चाहते हैं, एक युवा ग्राहक ने साझा किया। ये मॉल न केवल आर्थिक केंद्र हैं, बल्कि सामाजिक मेलजोल के स्थान भी बन चुके हैं, जो पुरानी मंडियों की रौनक को आधुनिक रूप में जीवित रखते हैं।

प्रस्तुति-सुनील संवेदी/आनंद विश्वकर्मा

न्यूज ब्रीफ

धान, बाजारों किसानों को करोड़ों का भुगतान

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार 48 घंटे के भीतर धान व बाजरा किसानों को भुगतान कर रही है। पहली अक्टूबर से धान खरीद शुरू हुई थी, तबसे 28 नवंबर तक धान किसानों को 1868 .35 करोड़ व बाजरा किसानों को 263 .03 करोड़ रुपये का भुगतान किया गया है। यही कारण है कि किसान अब अपनी उपज का लाभकारी मूल्य प्राप्त करने के लिए फसल की बिक्री राजकीय क्रय केंद्रों पर कर रहे हैं। क्रय केंद्रों पर 17 फीसदी नमी तक का धान खरीदा जा रहा है।

होम्योपेथी व यूनानी कॉलेजों को मिल नहीं रहे छात्र

अमृत विचार, लखनऊ : आयुष कॉलेजों में पीजी सीटों को लेकर अजीब स्थिति बनी हुई है, हालात है कि होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों की सीटों पर दाखिले के लिए अथ्यर्थी ही नहीं मिल रहे हैं। होम्योपेथी में 40 सीटें खाली हैं मात्र तीन अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए स्ट्रे राउंड काउंसिलिंग में पंजीकरण कराया है। यही हाल यूनानी कॉलेजों का है, 18 रिक्त सीटों के लिए मात्र 10 अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। निदेशक यूनानी एवं यूपी आयुष पीजी काउंसिलिंग बोर्ड के सदस्य प्रो. जमाल अख्तर ने बताया कि आयुष के आयुर्वेद, होम्योपैथी और यूनानी कॉलेजों में रिक्त कुल 63 सीटों पर दाखिले के लिए यूपी आयुष पीजी की स्ट्रे राउंड काउंसिलिंग में 67 अभ्यर्थियों की मेरिट लिस्ट जारी कर दी गयी है। रिक्त सीटों का व्यौरा कॉलेजवार वेबसाइट पर उपलब्ध करा दी गयी है।

विद्युत बिल राहत योजना की डे-टू-डे रिपोर्टिंग हो

अमृत विचार, लखनऊ : ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने सभी डिस्कॉम, पावर कॉर्पोरेशन और ट्रांसमिशन निगम के अधिकारियों को निर्देशित किया कि विद्युत बिल राहत योजना के दौरान डे-टू-डे रिपोर्टिंग सुनिश्चित हो। क्षेत्रीय अभियंता प्रतिदिन फील्ड में निरीक्षण करें, ताकि किसी भी उपभोक्ता को आवेदन, पंजीकरण या बिल संशोधन में कोई कठिनाई न हो। ऊर्जा मंत्री ने शक्तिभवन, लखनऊ में शनिवार को 1 दिसंबर से लागू होने वाली विद्युत बिल राहत योजना 2025-26 की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने बताया कि घरेलू उपभोक्ता (2 किलोवाट तक) और दुकानदार उपभोक्ता (1 किलोवाट) को आसान किस्तों में भुगतान, औसत खपत के आधार पर बढ़े हुए बिलों में स्वत: कमी तथा बिजली चोरी से जुड़े पुराने मामलों में भी राहत प्रदान की जाएगी।

एसआईआर में इतनी जल्दबाजी क्यों

अमृत विचार, लखनऊ : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि एसआईआर के काम में जल्दबाजी क्यों की जा रही है। सुना है कि भाजपा ने नोएडा में किसी साफ्टवेयर कम्पनी को हायर किया है वह वोटर लिस्ट पर काम कर रही है। भाजपा एसआईआर के बहाने साजिश रच रही है। सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में बीएलओ की मौतों को लेकर भाजपा पर आरोप लगा रहे थे। लखनऊ में मलिहाबाद के मृतक बीएलओ विजय कुमार वर्मा की पत्नी संगीता को दो लाख रुपये की आर्थिक मदद देते हुए उसके दुख को सार्वजनिक किया। उन्होंने सांसद राजीव राय के एक पत्र का उल्लेख किया जिसमें बताया गया कि घोसी विधानसभा क्षेत्र में 20 हजार मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं।

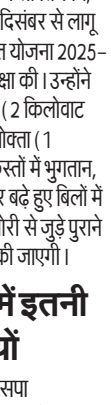

उत्तर प्रदेश से माफिया, कर्फ्यू गायब और दंगे बंद

सीएम योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण के 36वें स्थापना दिवस समारोह को किया संबोधित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार: जीरो टॉलरेंस, केवल एक भाषा ही नहीं बल्कि भाव भी है, जिसे जमीनी धरातल पर सख्ती के साथ उतारा गया। इसका परिणाम है उत्तर प्रदेश आज कानून-व्यवस्था और सुरक्षा की दृष्टि से देश के अंदर एक मॉडल स्टेट के रूप में अपनी स्थापित करने में सफल हुआ है। अब प्रदेश से माफिया गायब हैं। कर्फ्यू गायब, दंगे बंद, अराजकता बंद है। उपद्रव का प्रदेश अब उत्सव का प्रदेश बन गया है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण (गीडा) के 36वें स्थापना दिवस समारोह को संबोधित करते हुए उक्त प्रतिक्रिया दी। सीएम योगी ने कहा कि सुरक्षा का माहौल कैसा होना चाहिए, अपराधियों और माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कैसे होनी चाहिए, इसके लिए लोग उत्तर प्रदेश का उदाहरण देते हैं।

उन्होंने कहा कि यूपी में सुरक्षा का बेहतर वातावरण बना। अन्नदाता किसानों के साथ सीधे संवाद हुआ। जमीन का उन्हें अच्छा मुआवजा देना प्रारंभ हुआ। सरकार का स्पष्ट मानना है कि किसी भी अन्नदाता किसान के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उससे बात की जानी चाहिए। किसी भी गरीब को उजाड़ा नहीं जाना चाहिए, यही सरकार का संकल्प भी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रदेश के अंदर लाखों युवाओं को उनके गृहक्षेत्र में ही नौकरी और रोजगार देने के लिए प्रदेश सरकार ने बड़े पैमाने पर कार्य प्रारंभ किए हैं। इसके लिए सरकार ने काफी प्रयास किए। सुरक्षा का ऐसा बेहतर वातावरण बनाया जहां गुंडागर्दी नहीं चलती। गुंडा टैक्स, माफियाराज, मनमानापन नहीं चलता। बल्कि अपराध और अपराधियों के प्रति तथा भ्रष्टाचार व भ्रष्टाचारियों के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाती है, उसी के अनुरूप कार्रवाई की जाती है। समारोह में मुख्यमंत्री ने गीडा के विभिन्न सेक्टरों में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए 408 करोड़ रुपये के 114 विकास कार्यों का लोकार्पण और शिलान्यास किया। 6139 करोड़ रुपये के प्रस्तावित निवेश के लिए आवंटित 115 भूखंडों में से पांच निवेशकों को अपने हाथों से आवंटन प्रमाण पत्र सौंपा। गीडा स्थित नाइलिट कैम्पस से कौशल विकास का प्रशिक्षण लेने वाले युवाओं को सर्टिफिकेट वितरित किए।

लखनऊ में 34 करोड़ से बनेगी फ्लैटेड फैक्ट्री

- समारोह के दौरान सीएम ने गीडा में आयोजित तीन दिवसीय यूपी स्टेट ट्रेड शो का भी उद्घाटन किया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री ने लखनऊ में 34 करोड़ रुपये से बनने वाली फ्लैटेड फैक्ट्री और गोरखपुर में 3 .91 करोड़ रुपये की लागत वाली ओडीओपी पैकेजिंग सीएफसी का शिलान्यास किया और उद्यमियों को इंसेंटिव और ऋण धनराशि का वितरण किया।

औद्योगिक विकास प्राधिकरण के स्थापना दिवस पर लगाए गए एक स्टॉल पर युवतियों से बातचीत करते मुख्यमंत्री योगी।

दिसंबर में 5 लाख करोड़ रु. का निवेश जमीन पर

- योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश के अंदर डबल इंजन की सरकार आने के बाद 45 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए। 15 लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव जमीनी धरातल पर उतारे जा चुके हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव इसी दिसंबर महीने में हम जमीनी धरातल पर उतारेंगे। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों से लाखों नौजवानों को रोजगार अपने ही जिले में मिलेगा।

प्रॉपर्टी कब्जा करने वालों की कमर कर दी सीधी

- सीएम योगी ने कहा कि सपा और कांग्रेस की सरकारों में प्रॉपर्टी पर कब्जा करने वाले जो थे, उनकी कमर हमने सीधी कर दी है। और, इतनी कुटाई उनकी हुई है कि अब उनके ऊपर हम लोग फैक्ट्री का निर्माण कर रहे हैं।

धर्मध्वजा आरोहण के बाद ही भारत बना तीसरी अर्थव्यवस्था

- सीएम योगी ने कहा कि धर्मध्वजा आरोहित कर प्रधानमंत्री अयोध्या से लौटे और दो दिन बाद ही समाचार आया कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया। उन्होंने कहा कि यह नया भारत अब विकसित भारत बनने के संकल्प की ओर तेजी से आगे बढ़ चुका है। जब भारत आगे बढ़ेगा तो उत्तर प्रदेश पीछे नहीं रह सकता।

20 तक पूरी कर लें विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले की तैयारी

- अमृत विचार, लखनऊ : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि गोरखनाथ मंदिर में मकर संक्रांति पर लगने वाले विश्व प्रसिद्ध खिचड़ी मेले से जुड़े सभी कार्य 20 दिसंबर तक हर हाल में पूरे कर लिए जाएं। खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व सहूलियत प्राथमिकता होनी चाहिए। यह ध्यान रखा जाए कि श्रद्धालुओं को कहीं कोई दिक्कत न हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार पूर्वाह्न गोरखनाथ मंदिर के सभाकक्ष में खिचड़ी मेला की तैयारियों को लेकर महापौर और अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि गोरखनाथ मंदिर के खिचड़ी मेले से न सिर्फ पूर्वी उत्तर प्रदेश वरन बिहार, नेपाल से लगायत देश-दुनिया के सनातन मतावलंबियों की आस्था जुड़ी है। इसके दृष्टिगत मेले में सभी बुनियादी सुविधाओं की व्यवस्था की जाये जिससे मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधा उपलब्ध कराई जा सके। दूरदर्शन व आकाशवाणी के जरिए मेले का सजीव प्रसारण किया जाएगा ताकि वे लोग भी मेले में वर्चुअल सहभागी हो सकें जो किंचित कारणों से इसमें शामिल नहीं हो पा रहे हों।

युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण व रोजगार देना प्राथमिकता : कपिल

अमृत विचार, लखनऊ : कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने कहा कि युवाओं को गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने को राज्य सरकार प्राथमिकता दे रही है। उन्होंने सभी आईटीआई और प्रशिक्षण केंद्रों की रियल-टाइम निगरानी, प्रशिक्षकों की उपस्थिति और प्रशिक्षण गुणवत्ता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उत्कृष्ट संस्थानों को प्रोत्साहन और कमजोर प्रदर्शन करने वालों से स्पष्टीकरण लेने पर भी जोर दिया। कौशल विकास मंत्री, शनिवार को उप्र. कौशल विकास मिशन मुख्यालय में विभागीय कार्यों की समीक्षा बैठक कर रहे थे। उन्होंने बताया गया कि आईटीओटी लखनऊ-सुल्तानपुर में 2015-16 से 2024-25 के बीच 3181 में से 3064 प्रशिक्षार्थियों ने सी-आई-टी-एस परीक्षा पास की है। डीडीयू-जीकेवाई के तहत अब तक 2.59 लाख युवाओं को प्रशिक्षण और 1.52 लाख को रोजगार मिल चुका है। प्रोजेक्ट प्रवीण योजना में इस वर्ष 62,326 के लक्ष्य के विरुद्ध 23,000 से अधिक छात्रों का नामांकन हो चुका है। इंडिया स्किल्स 2025 में प्रदेश से 1,09,249 अभ्यर्थियों ने पंजीकरण कराया है, जो देश में सर्वाधिक है। मंडल स्तरीय प्रतियोगिताएं 1-10 दिसंबर और राज्य स्तरीय प्रतियोगिताएं 20 दिसंबर से 20 जनवरी के बीच आयोजित होंगी।

निलंबित किए गए दो रजिस्ट्रार पर नहीं रूका गिरोह का काम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मदरसा बोर्ड में फर्जी अंकपत्र गिरोह की जड़े इतनी गहराई तक फैली हुई हैं कि दो रजिस्ट्रार के निलंबन हो चुके हैं। इसके बाद भी इस गिरोह पर शिकंजा कसने में विभागीय अधिकारी नाकाम है। खास बात यह कि रजिस्ट्रार पर कार्रवाई तो हो गई, लेकिन इस गिरोह में शामिल विभागीय बाबुओं पर आंच तक नहीं आई। चाहे प्रयागराज का मामला हो या कुशीनगर या फिर बरेली में फर्जी नियुक्ति का मामला। हर जगह बाबुओं की कारस्तानी ने बोर्ड की फजीहत कराई है। चेयरमैन के दबाव में एक बाबू को निलंबित किया गया, पर चार्जशीट नहीं लगाई जा सकी।

मदरसा बोर्ड में फर्जी अंकपत्र गिरोह के खेल में फंसकर दो रजिस्ट्रार निलंबित हो चुके हैं। विजिलेंस की जांच भी हुई। मामला मंडलायुक्त कार्यालय तक पहुंचा। पर बाबुओं पर कोई आंच नहीं आई है। कुशीनगर के बहुचर्चित मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार जगमोहन सिंह बिष्ट ने दो रिपोर्ट दी। जिसमें दो अलग-अलग रिपोर्ट भेजी। शासन ने जांच मंडलायुक्त बस्ती को सौंपी और रजिस्ट्रार साहब डेढ़ साल तक निलंबित रहे। वहीं, प्रयागराज के एक मदरसे में बाबुओं की कारस्तानी के कारण पूर्व रजिस्ट्रार पर विजिलेंस जांच भी बैठ गई। चेयरमैन के दबाव में इस बाबू को एक बार निलंबित भी किया गया, लेकिन चार्जशीट तक जारी न हो सकी और दो महीने में वे बहाल हो गए, जबकि असली खेल करने वाले बाबू, कम्प्यूटर सहायक और गिरोह के अन्य सदस्य टेबलों के पीछे सुरक्षित बचे रहे।

फर्जी अंकपत्र का खेल

- फर्जीवाड़ा गिरोह पर शिकंजा कसने पर पूरी तरह विभाग नाकाम
- प्रयागराज व कुशीनगर अब बरेली में भी बाबूओं की कारस्तानी ने कराई फजीहत

शिक्षक व प्रधानाचार्य बन गए कंप्यूटर सहायक

- मदरसा बोर्ड में फर्जीवाड़ा का आलम यह है कि शाहजहांपुर, बरेली और आगरा में राज्यानुदानित मदरसों में सहायक शिक्षक और प्रधानाचार्य भी फर्जी अंकपत्र के आधार पर बन गये। अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी के कार्यालय में कार्यरत रहे तीन कंप्यूटर आपरेटर फर्जी अंकपत्र गिरोह के कारण प्रधानाचार्य व सहायक शिक्षक आलिया की कुर्सी तक पहुंचे। इन सभी ने न तो कोई पढ़ाई की और न ही कोई अनुभव हासिल किया। सिर्फ फर्जी अंकपत्र गिरोह की कृपा से सरकार से हर माह मोटा वेतन वसूल रहे हैं। इन मामलों की जानकारी होने के बाद पिछले कुछ महीनों में मदरसा बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं निदेशक, अल्पसंख्यक कल्याण अंकित अग्रवाल के हस्तक्षेप से मार्कशीट, टेबुलेशन रजिस्टर और अन्य अभिलेखों के डिजिटाइजेशन की उम्मीद जगी है। इसी कारण बोर्ड का मार्कशीट गैंग और ज्यादा सक्रिय हो गया है। क्योंकि हर सुधार के साथ इनका कारोबार चौपट होने का डर बढ़ता है। वर्तमान रजिस्ट्रार के एक आदेश ने इस गिरोह के काले कारोबार पर रोक लगाने की मजबूत पहल की है। जहाँ सुविधा शुल्क देकर किसी भी वर्ष की मार्कशीट में संशोधन संभव था। वहीं, अब यह अमल में लाया जा रहा है कि सिर्फ एक वर्ष के भीतर निर्गत मार्कशीट में ही संशोधन स्वीकार होगा। द्वितीय प्रति किसी भी समय उपलब्ध कराई जा सकेगी।

अमृत विचार Follow UP

नालियों और सड़कों के निर्माण को दें प्राथमिकता : मौर्य

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मनरेगा के नियमानुसार कार्ययोजना तैयार करें

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में पानी की निकासी के लिए नालियों और सुगम आवागमन के लिए आंतरिक सड़कों का निर्माण जरूरी है। हालांकि ग्रामों में बरसात के दिनों में जलभराव की स्थिति गंभीर रूप ले लेती है, जिससे ग्रामीणों को भारी असुविधा होती है। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए उन्होंने ग्राम्य विकास विभाग को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं।

उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों की समस्याओं के निदान के लिए शनिवार को विभागीय अधिकारियों को निर्देश जारी किए। मनरेगा गाइड लाइन्स में निहित प्राविधानों के तहत कार्य कराने को प्राथमिकता दी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्रामों में जलभराव रोकने हेतु नाली निर्माण तथा नागरिक सुविधाओं के लिए आंतरिक सड़कों का निर्माण प्राथमिकता पर कराया जाए। यह कार्य मनरेगा गाइडलाइन्स में उपलब्ध प्रावधानों के अनुरूप प्राथमिकता से किए जाएं। ग्राम्य विकास आयुक्त जी. एस. प्रियदर्शी ने बताया कि सभी जिलाधिकारियों और जिला कार्यक्रम समन्वयकों (मनरेगा) को निर्देश दिए गए हैं कि ऑपरेशन कायाकल्प के अंतर्गत मनरेगा, राज्य वित्त, चतुर्थ राज्य वित्त तथा 14वाँ वित्त आयोग की निधि का अभिसरण कर प्रत्येक ग्राम पंचायत में वित्तीय वर्ष की कार्ययोजना के अनुसार कार्यस्थलों का चिन्हांकन किया जाए। इसके तहत आवश्यकता अनुसार पक्का खड़ंजा, नाली निर्माण आदि कार्य कराए जाए।

शादी के तीसरे दिन जेवर और नकदी लेकर दुल्हन हो गई लापता

संवाददाता, अयोध्या

अमृत विचार : रुदौली कोतवाली क्षेत्र के शुजागंज पुलिस चौकी अंतर्गत हयातनगर गांव में एक हैरान करने वाला मामला सामने आया है। यहां शादी के मात्र तीसरे दिन ही दुल्हन घर से लापता हो गई। परिजनों का आरोप है कि वह देर रात जेवर, नगदी और कुछ जरूरी सामान लेकर चुपके से घर से निकल गई। मामला तुरंत पुलिस तक पहुंच गया।

हयातनगर निवासी रामतेज के पुत्र मोहित शर्मा की शादी 25 नवंबर को मिल्कीपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम कलंदपुर भट्टपुरवा, पोस्ट अंजरौली निवासी प्रिया शर्मा, पुत्री अंजनी शर्मा के साथ धूमधाम से हुई थी। शादी के तीन दिन बाद ही दुल्हन के अचानक गायब होने की खबर फैलते ही क्षेत्र में चर्चाओं का बाजार गर्म हो गया है। परिवार के लोगों ने बताया कि रात में सभी सदस्य सो रहे थे। इस दौरान मौके का फायदा उठाकर दुल्हन घर में रखे लगभग पांच लाख रुपये कीमत के जेवर और नगदी लेकर निकल गई। सुबह उठकर कमरे की तलाशी लेने पर जब दुल्हन नहीं मिली तो परिजनों ने आसपास तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद वर पक्ष ने नजदीकी थाने में तहरीर देकर पुलिस से मदद मांगी। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। दुल्हन की संभावित लोकेशन ट्रेस की जा रही है और आसपास लगे सीसीटीवी की फुटेज भी खंगाली जा रही है। घटना के बाद परिवार सदमे में है।

रुदौली के हयातनगर में 25 नवम्बर को दूल्हे मोहित शर्मा के साथ बैठी अंजनी शर्मा।

- रुदौली के हयातनगर में हुई थी 25 नवम्बर को शादी, पुलिस कर रही है जांच, परिवार में हड़कंप

संजय निषाद का बेटा साइबर ठगी का शिकार

गोरखपुर, एजेंसी: गोरखपुर में शनिवार को कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के बेटे से जुड़े साइबर धोखाधड़ी का एक बड़ा मामला सामने आया है। एक साइबर धोखेबाज ने कथित तौर पर मंत्री के बेटे अमित कुमार निषाद के मोबाइल नंबर का इस्तेमाल बैंक खाता खोलने और यूपीआई आईडी बनाने के लिए किया। नतीजतन, जब भी कोई अमित के नंबर पर पैसा ट्रांसफर करता है- आमतौर पर पार्टी को दिया जाने वाला दान आदि वह धनराशि धोखेबाज के खाते में चली जाती थी। अमित ने बताया कि उन्हें करीब 20,000 रुपये का नुकसान हुआ। उनकी शिकायत पर शाहपुर पुलिस ने शुक्रवार शाम समरीन अली के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस ने कहा कि जांचकर्ताओं ने मामले की जांच शुरू कर दी है और शनिवार को कथित धोखेबाज के बैंक विवरण तक पहुंच गए। अमित ने कहा कि धोखाधड़ी वाले खाते से जुड़ा सिम कार्ड एयरटेल का नंबर है। उन्होंने कहा कि बार-बार जांच से पता चला कि समरीन अली नाम के एक व्यक्ति ने उनके नंबर का उपयोग करके बैंक खाता खोला था।

वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में विजेता खिलाड़ी।

विश्व चैंपियन बने आगरा के व्यायाम शिक्षक

- अमृत विचार, लखनऊ : श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में आगरा के इटौरा स्थित जयप्रकाश नारायण सर्वोदय विद्यालय के व्यायाम शिक्षक हरीश चंद्र और कक्षा 11 के छात्र रमन कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया है। हरीश चंद्र ने 77 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर विश्व चैंपियन का खिताब हासिल किया, जबकि युवा छात्र रमन कुमार ने 56 किग्रा भार वर्ग में सिल्वर मेडल जीतकर देश का मान बढ़ाया। श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में आयोजित वर्ल्ड पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप 2025 में 40 से अधिक देशों के एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। इस अंतरराष्ट्रीय मंच पर, गुरु और शिष्य की जोड़ी ने देश के लिए गौरव के पल लाए। शिक्षक हरीश चंद्र ने 77 किग्रा भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीतकर विश्व चैंपियन का खिताब हासिल किया। वहीं छात्र रमन कुमार ने 56 किग्रा भार वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए सिल्वर मेडल जीता। राज्य सरकार की खेल नीतियों के कारण दोनों खिलाड़ियों का चयन हाल ही में गुजरात में आयोजित राष्ट्रीय पावरलिफ्टिंग चैंपियनशिप में उनके दमदार प्रदर्शन के आधार पर हुआ था। समाज कल्याण राज्य मंत्री असीम अरुण ने बताया कि कोलंबो में मिली यह ऐतिहासिक उपलब्धि पूरे प्रदेश और देश के लिए गर्व का विषय है। सर्वोदय विद्यालय इटौरा के छात्र और शिक्षक ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर जो प्रदर्शन किया है, वह आने वाले खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगा।

गाजीपुर में 412 ग्राम हेरोइन के साथ चार तस्कर गिरफ्तार

गाजीपुर,एजेंसी: जिले की दिलदारनगर थाना पुलिस और एएनटीएफ की साझा टीम ने 412 ग्राम अवैध हेरोइन के साथ चार अंतरराज्यीय तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि बरामद हेरोइन की कीमत 80 लाख रुपये आंकी गई है। गाजीपुर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) डॉ. ईरज राजा ने बताया कि दिलदारनगर थाने के उपनिरीक्षक सतनारायण शुक्ला तथा एएनटीएफ के प्रभारी सुरेंद्रनाथ सिंह शुक्रवार को दिलदारनगर जंक्शन स्टेशन के निकट स्थित हैंडपंप के पास जांच पड़ताल कर रहे थे, तभी चार संदिग्ध लोग आते दिखे और जांच टीम ने चारों को पकड़ लिया। उन्होंने बताया कि उनकी तलाशी ली गई तो उनके पास से लगभग 412 ग्राम हीरोइन बरामद हुई।

भव्यता का गवाह बने ऐतिहासिक कुबेर, अंगद व नल-नील टीला

अयोध्या कार्यालय

अमृत विचार: राम मंदिर परिसर में कई प्राचीन स्थल हैं। इसमें कुबेर टीला, अंगद टीला और नल नील टीले को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के द्वारा भव्य स्वरूप प्रदान किया गया है। अब यह स्थल दर्शनार्थियों के लिए आकर्षण का केंद्र बन गया है।

70 एकड़ में स्थित राम मंदिर के पश्चिम और दक्षिण दिशा की ओर प्राचीन अंगद टीला जिस पर हरियाली विकसित करने के बाद रामायण काल में लंका विजय प्राप्त करने में अपनी छोटी भूमिका निभाने वाली गिलहरी प्रतिमा को स्थापित किया गया है। राम जन्मभूमि परिसर में दर्शन करने के बाद निकास द्वार के पास स्थापित है। जिसकी भव्यता देख श्रद्धालु निहाल हो रहे हैं।

वहीं, कुबेर टीला राम जन्मभूमि परिसर का सबसे प्राचीन स्थल माना जाता है। जिस पर भगवान शंकर का भव्य मंदिर है। राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान इस स्थान पर दर्शन पूजन करने के लिए आम श्रद्धालुओं को अनुमति थी, उद्यान विभाग ने यहां पर उद्यान भी विकसित किया। वर्ष 2005 में आतंकी हमले के बाद इस स्थान पर भी आम लोगों का प्रवेश बंद कर दिया गया था। राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के बाद इस स्थान को भी भव्यता दी गई। भगवान शंकर के मंदिर का जीर्णोद्धार कराया गया, साथ ही टीले पर जटायु की विशाल प्रतिमा भी स्थापित की गई है।

परिसर में स्थित नल-नील टीला भी अयोध्या के प्राचीन और ऐतिहासिक स्थलों में से एक है। 1902 में एडवर्ड तीर्थ विवेचना सभा के द्वारा इस स्थान को प्राचीनतम स्थान का दर्जा देते हुए एक शिला स्थापित की गई थी।

कुबेर टीला पर स्थापित जटायु की मूर्ति एवं अंगद टीला पर स्थापित गिलहरी की प्रतिमा।

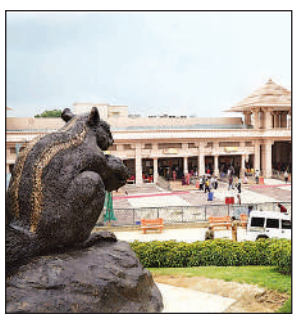

पुनर्वास विवि

राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन में बोले कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत

बौद्धिक दिव्यांग बच्चों का कल्याण सभी की जिम्मेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने कहा कि बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के समग्र कल्याण की जिम्मेदारी समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने गार्जियनशिप से जुड़ी प्रक्रियाओं में अभिभावकों को सहयोग की आवश्यकता पर बल दिया। साथ ही परिवार संगठन द्वारा तीन दशकों से किए जा रहे कार्यों की सराहना की और नीति-निर्माण में उनकी भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

राज्यपाल, शनिवार को लखनऊ स्थित डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय संस्थान बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण द्वारा आयोजित दो दिवसीय 31 वें राष्ट्रीय अभिभावक सम्मेलन 2025 का उद्घाटन करने के बाद संबोधित कर रहे थे। दिव्यांगजन सशक्तिकरण मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि दिव्यांगजनों की शिक्षा, प्रशिक्षण और पुनर्वास के लिए प्रदेश सरकार लगातार कार्य कर रही है। विभिन्न योजनाओं का लाभ पात्र व्यक्तियों तक प्रभावी रूप से पहुंचाया जा रहा है। मुख्यमंत्री सलाहकार अवनीश अवस्थी ने समाज से अपील की कि वे बौद्धिक दिव्यांगजन को अवसर प्रदान कर उन्हें समाज की मुख्यधारा में लाने में सहयोग करें। सम्मेलन का आयोजन पैरिवार – नेशनल कॉन्फेडरेशन ऑफ पेरेंट्स ऑर्गेनाइजेशंस के सहयोग से तथा डॉ. शकुंतला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय और यू.पी. पेरेंट्स एसोसिएशन द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। इस अवसर पर मेजर बी. वी. रामकुमार, राज्य दिव्यांगजन आयुक्त प्रो. हिमांशु शेखर झा और विश्वविद्यालय के कुलसचिव रोहित सिंह उपस्थित रहे।

पैरिवार राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 से सम्मानित हुए

- सम्मेलन में 'पैरिवार' की वार्षिक रिपोर्ट 2024–25 तथा सौम्या उपाध्याय 'तताई' की पुस्तक "हु न्यू द फार्गोटन यू" का विमोचन किया गया। साथ ही रोशनी सोसायटी हल्द्वानी, परिवार पलक्कड़ और मेसेनी पोंग पोंगें को पैरिवार राष्ट्रीय पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया। स्पेशल ओलंपिक्स वर्ल्ड गेम्स में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले आठ बौद्धिक दिव्यांग पैराअथलीटों को भी सम्मानित किया गया।

इंडिगो शुरू करेगी कई नई उड़ानें

नई दिल्ली। इंडिगो ने शनिवार को नवी मुंबई एयरपोर्ट से अतिरिक्त उड़ानों की घोषणा की। वाणिज्यिक उड़ानें 25 दिसंबर से शुरू होंगी। इंडिगो ने बताया कि वह 26 दिसंबर से नवी मुंबई से उत्तरी गोवा (मोपा) के लिए उड़ान शुरू करेगी जो सोमवार और गुरुवार छोड़कर सप्ताह में पांच दिन उपलब्ध होगी। 29 दिसंबर से कोयंबटूर और चेन्नई के लिए दैनिक उड़ानें शुरू की जाएंगी।

अमृत विचार

मुरादाबाद, रविवार, 30 नवंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

कॉरपोरेट प्रावधानों का पालन न करने पर जीआरएसई को नोटिस

कोलकाता। गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) को शनिवार को बताया कि उसे नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और बीएसई से नोटिस मिला है। ये नोटिस 30 सितंबर, 2025 को समाप्त तिमाही में सेबी के सूचीबद्धता नियमों के तहत कंपनी प्रशासन के कई प्रावधानों का पालन न करने के कारण मिला है। शेयर बाजार को दी जानकारी में सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ने कहा कि दोनों शेयर बाजारों ने विनियम 17(1), 18(1) तथा 19(1)/19(2) के उल्लंघन को चिह्नित किया है। इन उल्लंघनों में स्वतंत्र निदेशकों की अनिवार्य उपस्थिति, लेखा परीक्षा समिति तथा नामांकन एवं पारिश्रमिक समिति के गठन से जुड़े नियम शामिल हैं।

लेंसकार्ट का मुनाफा दूसरी तिमाही में 20 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। चश्मे और आंखों की देखभाल से जुड़े उत्पाद बेचने वाली कंपनी लेंसकार्ट सॉल्यूशंस ने शनिवार को बताया कि 30 सितंबर, 2025 को समाप्त हुई चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 19.8 प्रतिशत बढ़कर 103.4 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी ने एक साल पहले इसी अवधि में 86.3 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया था। लेंसकार्ट ने समीक्षाधीन तिमाही में परिचालन से एकीकृत आय में 21 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। यह आंकड़ा सालाना आधार पर 1,735.68 करोड़ रुपये से बढ़कर 2,096.14 करोड़ हो गया।

तेलंगाना को 1.39 लाख मेगावाट बिजली की जरूरत

हैदराबाद। तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क ने शनिवार को कहा कि कांग्रेस सरकार के लक्ष्य के अनुसार तेलंगाना को 2047 तक तीन हजार अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए राज्य को 1,39,310 मेगावाट बिजली की आवश्यकता होगी। उन्होंने कहा कि इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए राज्य को हर साल 13 प्रतिशत आर्थिक वृद्धि और 10 प्रतिशत बिजली मांग वृद्धि दर्ज करनी होगी।

महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, गुजरात के लिए 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा एडीबी

परियोजनाओं के लिए होगा इस्तेमाल, भारत सरकार के साथ एमओयू पर साइन

नई दिल्ली, एजेंसी

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात में विभिन्न परियोजनाओं के लिए लगभग 80 करोड़ डॉलर का ऋण देगा। एडीबी ने इस संबंध में शुक्रवार को भारत सरकार के साथ समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किये। वार्ता के दौरान केंद्र सरकार का प्रतिनिधित्व आर्थिक मामलों के विभाग के संयुक्त सचिव (एडीबी और जापान) ने किया।

भारत की ओर से विभाग के उपसचिव सौरभ सिंह और एडीबी की ओर से भारत में मिशन की निदेशक मियो ओका ने समझौतों पर हस्ताक्षर किए। एक समझौता महाराष्ट्र में बिजली वितरण से जुड़ा है जिसके लिए 50 करोड़ डॉलर का ऋण दिया जायेगा। इंदौर में मेट्रो रेल परियोजना के लिए 19.06 करोड़ डॉलर और गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के लिए करीब 11 करोड़ डॉलर का कर्ज मिलेगा। इसके अलावा, 10 लाख डॉलर की तकनीकी सहायता अनुदान पर भी हस्ताक्षर किए गए जो असम में आगामी सस्टेनेबल वेटलैंड एंड इंटिग्रेटेड फिशरीज ट्रांसफ़ॉर्मेशन (स्विफ्ट) परियोजना के कार्यान्वयन में सहायता प्रदान करेगा। यह परियोजना राज्य के वेटलैंड पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य संसाधनों को सुदृढ़ करने के लिए बनाई गई है।

● महाराष्ट्र को मिलेगा सर्वाधिक 50 करोड़ डॉलर का ऋण

महाराष्ट्र में बिजली परियोजना के तहत ग्रामीण बिजली अवसंरचना का आधुनिकीकरण करना, विकेन्द्रीकृत नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देना और किसानों को सिंचाई के लिए दिन में सौर ऊर्जा आधारित विश्वसनीय बिजली उपलब्ध कराकर कृषि उत्पादकता में सुधार करना है। इंदौर मेट्रो परियोजना के तहत 27,14,72,00,000 जापानी येन (19.06 करोड़ डॉलर) से 8.62 किमी लंबी भूमिगत मेट्रो लाइन के निर्माण के लिए धन उपलब्ध कराया जाएगा। इसमें सात स्टेशन होंगे। यह लाइन इंदौर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्रों को हवाई अड्डे से जोड़ेगी। परियोजना में बस और फीडर सेवाओं के साथ मल्टीमॉडल इंटीग्रेशन शामिल है, जिससे शैक्षणिक संस्थानों और बाजारों तक पहुंच आसान होगी।

गुजरात कौशल विकास कार्यक्रम के तहत राज्य की कार्यशक्ति को ऐसे उन्नत, उद्योग-उन्मुख कौशल प्रदान किया जायेगा जो उच्च-विकास वाले क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों को बढ़ाते हैं। इन क्षेत्रों में लॉजिस्टिक्स, ऑटोमोबाइल, विनिर्माण, सूचना प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा, स्वास्थ्य सेवा और एग्री-टेक शामिल हैं।

अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग 6.6 % बढ़ी

नई दिल्ली। वैश्विक स्तर पर अक्टूबर में हवाई यात्रा की मांग में 6.6 प्रतिशत की वृद्धि हुई जिसमें अंतर्राष्ट्रीय मांग 8.5 प्रतिशत और घरेलू यात्रा की मांग 3.4 प्रतिशत बढ़ी है। हवाई यात्रा की मांग को राजस्व यात्री किमी के रूप में मापा जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय हवाई परिवहन संघ द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, अक्टूबर में 2024 के मुकाबले अक्टूबर 2025 में मांग 6.6 प्रतिशत बढ़ी है। कुल क्षमता (उपलब्ध सीट किमी) 5.8 और लोड फैक्टर (भरी सीटों का अनुपात) 84.6 प्रतिशत पर पहुंच गया जो एक साल पहले के मुकाबले 0.7 प्रतिशत अधिक है।

टीयर-2 शहरों में घरों की बिक्री चार प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। देश के 15 प्रमुख टीयर-2 शहरों में जुलाई-सितंबर तिमाही में घरों की बिक्री मूल्य के लिहाज से चार प्रतिशत बढ़कर 37,409 करोड़ रुपये हो गई, जबकि बिकने वाली इकाइयों की संख्या में गिरावट दर्ज की गई।

रियल एस्टेट डेटा मंच प्रॉपइक्विटी के आंकड़ों के मुताबिक इन 15 शहरों में कुल घरों की बिक्री पिछले साल की समान तिमाही की तुलना में चार प्रतिशत घटकर 39,201 रह गई। इन 15 टीयर-2 शहरों में अहमदाबाद, सूरत, गांधीनगर, वडोदरा, जयपुर, नासिक, नागपुर, मोहाली, भुवनेश्वर, लखनऊ, भोपाल, कोयंबटूर, गोवा, तिरुवनंतपुरम और कोच्चि शामिल हैं। नए आवास आपूर्ति में सालाना 10 प्रतिशत की गिरावट आई और यह सितंबर 2025 को समाप्त तिमाही में 28,721 इकाइयों तक रह गई। प्रॉपइक्विटी के संस्थापक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी समीर जसूजा ने कहा, टीयर-2 शहर भारत की विकास गाथा के प्रमुख इंजन बने हुए हैं।

सरकारी सुधारों, विनिर्माण प्रोत्साहन से दूसरी तिमाही की वृद्धि दर 8.2% हुई

वडोदरा, एजेंसी

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि कारोबारी सुगमता बढ़ाने के लिए सरकार की ओर से उठाए गए अनेक कदमों और सुधारों की वजह से चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में अर्थव्यवस्था ने 8.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। गोयल ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितता के बावजूद देश का निर्यात भी अच्छी वृद्धि दर्ज कर रहा है।

उन्होंने यहां सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर आयोजित राष्ट्रीय पदयात्रा में भाग लिया और इस दौरान कहा, 8.2 प्रतिशत की यह वृद्धि सरकार द्वारा किए गए ढेर सारे सुधारात्मक उपायों को दर्शाती है। घरेलू विनिर्माण को बढ़ावा देने और कारोबार में सुगमता लाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं। गुजरात सरकार इस पदयात्रा का आयोजन करमसद से राज्य के नर्मदा जिले स्थित स्टैच्यू ऑफ यूनिटी तक सरदार पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में कर रही है। उन्होंने कहा कि यह वृद्धि दर उन दावों का खंडन करती है जो कुछ वर्गों द्वारा किए जा रहे थे, और यह दर्शाती है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती बड़ी अर्थव्यवस्था है। गोयल ने कहा, हम निरंतर और मजबूत वृद्धि देखते रहेंगे।

● वडोदरा में आयोजित कार्यक्रम में बोले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री

उन्होंने कहा कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-अक्टूबर अवधि के दौरान भारत के माल और सेवाओं के निर्यात ने भी उच्च वृद्धि दर्ज की है। अप्रैल-अक्टूबर अवधि में माल निर्यात मामूली 0.63 प्रतिशत बढ़कर 254.25 अरब डॉलर हो गया, जबकि आयात 6.37 प्रतिशत बढ़कर 451.08 अरब डॉलर रहा। चालू वित्त वर्ष के पहले नौ महीनों में सेवा निर्यात 237.55 अरब डॉलर रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि

क्रिसिल ने जीडीपी वृद्धि अनुमान बढ़ाकर सात प्रतिशत किया

कोलकाता। क्रिसिल ने चालू वित्त वर्ष के लिए देश की जीडीपी वृद्धि का अनुमान 6.5 प्रतिशत से बढ़ाकर सात प्रतिशत कर दिया है। यह फैसला पहली छमाही में अपेक्षा से ज्यादा आठ प्रतिशत वृद्धि के बाद लिया गया है। क्रिसिल के मुख्य अर्थशास्त्री धर्मकीर्ति जोशी ने कहा कि दूसरी तिमाही में भारत की वास्तविक जीडीपी वृद्धि 8.2 प्रतिशत रही, जो अनुमान से अधिक है। हालांकि मुद्रास्फीति में नरमी के कारण चालू कीमतों पर जीडीपी वृद्धि 8.7 प्रतिशत ही रही। जोशी ने बताया कि पहली छमाही में आठ प्रतिशत वृद्धि हुई है और दूसरी छमाही में अमेरिकी शुल्क बढ़ने के असर से वृद्धि के 6.1 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। क्रिसिल के अनुसार वास्तविक जीडीपी की ऊंची वृद्धि की मुख्य वजह निजी खपत रही। आपूर्ति पक्ष से देखें तो विनिर्माण और सेवा क्षेत्र की वृद्धि में उल्लेखनीय तेजी आई। जोशी ने कहा कि खाद्य मुद्रास्फीति कम होने से देश में वैकल्पिक खर्च बढ़ा है।

एसुस दूसरी तिमाही में भारत की दूसरी सबसे बड़ी कंज्यूमर नोटबुक कंपनी

नई दिल्ली, एजेंसी

ताइवान की प्रमुख टेक्नोलॉजी कंपनी एसुस इंडिया ने वर्ष 2025 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) के लिए भारत में कंज्यूमर नोटबुक कंपनी के रूप में दूसरा स्थान हासिल कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है। आईडीसी क्वार्टरली पर्सनल कम्प्यूटिंग डिवाइस ट्रैकर, 2025 क्यू3 की रैंकिंग में उसने यह उपलब्धि हासिल की है।

कंपनी ने कहा कि इस बात से स्पष्ट है कि एसुस हर साल उल्लेखनीय वृद्धि कर रहा है। यह वृद्धि ब्रांड के प्रति ग्राहकों के भरोसे को बनाए रखने, प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के विस्तार और देश के 600 से अधिक जिलों में खुदरा टचपॉइंट्स बढ़ाने के प्रयासों का परिणाम है। कहा गया है कि एसुस इंडिया ने एसुस एआई पीसी, कंज्यूमर और गेमिंग नोटबुक्स के साथ-साथ एआईओ, डेस्कटॉप और एक्सेसरीज़ श्रेणियों में महत्वपूर्ण नवाचार पेश किए हैं। इस साल कंपनी ने मल्टी-कलर विवोबुक, आरओजी एली एक्स और कई सफल अभियानों की शुरुआत की जो काफी लोकप्रिय हुए। एआईओ सेग्मेंट में भी इसने बाजार में दबदबा बनाये रखा और प्रमुख ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म्स पर सबसे ज्यादा बिकने वाले उत्पाद में शामिल रहा। एसुस इंडिया ने सबसे हल्का कोपायलट प्लस पीसी, आरओजी एली ज़ेनबुक ए14 लॉन्च किया और भारत में एनवीडिया आरटीएक्स 5000 सीरीज़ में नंबर एक बाजार हिस्सेदारी हासिल की।

मछली पालन पर आधारित स्टार्ट अप व इनोवेशन के लिए साझेदारी

कोच्चि। मत्स्य पालन पर आधारित स्टार्टअप्स और इस क्षेत्र में तकनीकी नवाचार को बढ़ावा देने के लिए सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फिशरीज टेक्नोलॉजी ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस साझेदारी के तहत आईसीएआर-सीआईएफटी का जेडटीएम-एबीआई सेंटर राष्ट्रीय स्तर पर समन्वय केंद्र (नेशनल-लेवल कोऑर्डिनेशन हब) की भूमिका निभाएगा। यह केंद्र योग्य उद्यमियों की पहचान करेगा तथा उन्हें तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और मेंटरिंग प्रदान करेगा।

जेडटीएम-एबीआई में पंजीकृत स्टार्टअप्स को एसबीआई से वित्तीय सहायता प्राप्त करने में प्राथमिकता दी जाएगी। इसमें वर्किंग कैपिटल, टर्म लोन तथा स्टार्टअप फाइनेंसिंग जैसी सुविधाएँ शामिल हैं, जो प्रोजेक्ट की पात्रता और बैंक के मानदंडों के अधीन होंगी। अधिकारियों के अनुसार इस सहयोग से मत्स्य पालन क्षेत्र में नवाचार को गति मिलेगी तथा स्टार्टअप्स की वृद्धि और इंडस्ट्री के विकास को मजबूत बढ़ावा मिलेगा।

राष्ट्रीय

शीतकालीन सत्र में भी सुनाई देगी एसआईआर की गूंज

दिल्ली में विस्फोट, वायु प्रदूषण और नए श्रम कानूनों के मुद्दे भी विपक्ष की लिस्ट में, भाजपा बना रही जवाबी रणनीति

नई दिल्ली, एजेंसी

मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विपक्ष के मौजूदा तेवरों को देखते हुए संसद के शीतकालीन सत्र में भी इसके छाए रहने की संभावना है। इस सत्र में विपक्ष दिल्ली कार विस्फोट, राजधानी दिल्ली में प्रदूषण की समस्या और नए श्रम कानूनों जैसे मुद्दों को भी प्रमुखता से उठाएगा। विपक्ष और सरकार ने सोमवार से शुरू हो रहे संक्षिप्त सत्र के लिए कमर कस ली है और दोनों पक्ष अपनी-अपनी रणनीति बनाने में जुटे हैं।

शीतकालीन सत्र एक दिसंबर से 19 दिसंबर तक चलेगा और इस दौरान केवल 15 बैठकें होंगी। विपक्ष सत्र को संक्षिप्त रखे जाने पर भी सरकार पर हमलावर है। सरकार ने जहां इस सत्र में कॉरपोरेट कानून, परमाणु ऊर्जा और शिक्षा सहित दस विधेयकों को पारित कराने का एजेंडा तैयार किया है वहीं विपक्ष एसआईआर, ऑपरेशन सिंदूर को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के लगातार किए जा रहे दावों, चीन के साथ संबंधों, आतंकवाद, प्रदूषण और अन्य मुद्दों पर सरकार को कठघरे में खड़ा करने की तैयारी में है। कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस, द्रमुक, समाजवादी पार्टी और कुछ अन्य दलों ने एसआईआर के मुद्दे पर सरकार और चुनाव आयोग के बीच सांठ-गांठ का आरोप लगाते हुए इसे संसद में जोर शोर से उठाने का संकेत दिया है। एसआईआर के मुद्दे पर तृणमूल के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात भी की है।

विपक्ष एसआईआर के दौरान बूथ स्तरीय अधिकारियों (बीएलओ) पर दबाव का मुद्दा भी उठा रहा है। कांग्रेस ने शीतकालीन सत्र से पहले संसद में पार्टी की रणनीति बनाने के लिए रविवार को पार्टी संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के आवास पर 'संसदीय रणनीतिक समूह' की बैठक बुलाई है। संकेत है कि कांग्रेस अन्य विपक्षी दलों के साथ राज्यसभा और लोकसभा में 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बार-बार किये जा रहे दावों, चीन के साथ व्यावसायिक संबंधों तथा अन्य मुद्दों पर चर्चा की मांग करेगी। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी दिल्ली में प्रदूषण को गंभीर मुद्दा बताते हुए सीधे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इस पर संसद में चर्चा कराने की मांग कर चुके हैं। दूसरी ओर सत्तारूढ़ भाजपा ने भी सत्र की रणनीति बनाने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के आवास पर बुधवार को पार्टी नेताओं के साथ बैठक की। संसदीय कार्य मंत्री किरेण रिजिजू ने संसद सत्र को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार की ओर से रविवार को सर्वदलीय बैठक बुलाई है।

● कल से शुरू होने जा रहे सत्र के लिए बनाई जा रही है रणनीति

एसआईआर के मुद्दे पर चर्चा कराने से इन्कार कर चुकी है सरकार

सरकार की ओर से बार-बार यह स्पष्ट किया जा चुका है कि वह राष्ट्रीय हित के सभी मुद्दों पर नियमानुसार संसद में चर्चा कराने को तैयार है। एसआईआर के मुद्दे को चुनाव आयोग जैसे संवैधानिक निकास की प्रक्रिया का हिस्सा बताते हुए सरकार का कहना है कि इस पर संसद में चर्चा नहीं कराई जा सकती। सरकार का यह भी कहना है कि एसआईआर का मामला उच्चतम न्यायालय के समक्ष भी है। पिछले सत्र में भी इस मुद्दे पर चर्चा कराने की मांग को लेकर विपक्ष ने संसद की कार्यवाही में बाधा डाली थी। सत्र के दौरान सरकार के एजेंडे में 12 विधेयक विचार के लिए सूचीबद्ध हैं जिनमें से दो जनविश्वास (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2025 और दिवालिया एवं दिवालियापन संहिता (संशोधन) विधेयक, 2025 पहले से ही लोकसभा की प्रवर समिति के पास हैं।

इन विधेयक पर होगा फैसला

सत्र के दौरान पेश किये जाने वाले विधेयकों में कॉरपोरेट कानून (संशोधन) विधेयक 2025, सिक्योरिटीज मार्केट्स कोड विधेयक 2025, बीमा कानून (संशोधन) विधेयक 2025, मणिपुर जीएसटी (संशोधन) विधेयक 2025, राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा आयोग विधेयक 2025, परमाणु ऊर्जा विधेयक 2025, राष्ट्रीय राजमार्ग (संशोधन) विधेयक, 2025, निरसन एवं संशोधन विधेयक 2025, मध्यस्थता एवं सुलह (संशोधन) विधेयक 2025 शामिल है।

पुतिन के आने से पहले रूसी संसद भारत के साथ दे सकती है सैन्य समझौते को मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की अगले महीने होने वाली बहुप्रतीक्षित भारत यात्रा से पहले रूसी संसद के निचले सदन स्टेट डूमा में भारत के साथ एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंजूरी दिए जाने की संभावना है। पुतिन 23 वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए चार से पांच दिसंबर तक भारत की दो दिन की यात्रा पर आ रहे हैं।

दोनों देशों के बीच पारस्परिक लॉजिस्टिक्स समर्थन समझौते (आरईएलओएस) को लेकर लंबे समय से बातचीत चल रही है। इसका उद्देश्य लंबे समय से चले आ रहे रणनीतिक सैन्य सहयोग को और सुदृढ़ करना है। इस समझौते पर गत 18 फरवरी को मास्को में भारत के राजदूत विनय कुमार और रूस के तत्कालीन रक्षा उप मंत्री अलेक्ज़ेंडर फोमिन ने हस्ताक्षर किए थे। रूस की आधिकारिक समाचार एजेंसी इतर तास के अनुसार रूसी सरकार ने स्टेट डूमा में इस समझौते के अनुमोदन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया है। इस समझौते में दोनों देश एक-दूसरे की भूमि पर सैन्य कर्मियों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की पारस्परिक तैनाती की प्रक्रिया को निर्धारित किया गया है। इस प्रस्ताव में रूस और भारत के बीच उस समझौते को मंजूरी देने की बात कही गई है जिसके तहत रूसी सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती भारतीय ठिकानों पर और भारत की सैन्य इकाइयों, युद्धपोतों और लड़ाकू विमानों की तैनाती रूसी ठिकानों पर की जा सकती है साथ ही उन्हें तकनीकी और लॉजिस्टिक सहयोग भी प्रदान किया जाएगा।

प्रस्ताव के अनुसार सैन्य बलों को संयुक्त अभ्यासों और प्रशिक्षण कार्यक्रमों, मानवीय सहायता, आपदा राहत तथा दोनों पक्षों द्वारा सहमत अन्य परिस्थितियों में भेजा जा सकता है। रूसी सरकार का मानना है कि इस दस्तावेज के अनुमोदन से भारत और रूस के बीच सैन्य क्षेत्र में सहयोग और मजबूत होगा। भारत इससे पहले अमेरिका के साथ भी इसी तरह का समझौता कर चुका है।

● लॉजिस्टिक समर्थन समझौते पर लंबे समय से चल रही है बातचीत

भारत-रूस के बीच पहले से है सशक्त रक्षा साझेदारी

भारत और रूस के बीच सशक्त रक्षा साझेदारी है जिसे नियमित त्रि-सेवा अभ्यास इंद्र और कई उच्च-स्तरीय संयुक्त सैन्य कार्यक्रमों जैसे ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल परियोजना, पांचवीं पीढ़ी के लड़ाकू विमान (एफजीएफए) कार्यक्रम, और सुखोई-30 एमकेआई लड़ाकू विमान कार्यक्रमों से मजबूती मिल रही है।भारतीय सेनाओं के पास रूसी मूल के अनेक प्लेटफॉर्म जिनसे दोनों देशों के बीच दशकों पुराने घनिष्ठ सहयोग का पता चलता है। इनमें एस- 400 ट्रायंफ वायु रक्षा प्रणाली, मुख्य युद्धक टैंक टी-90, विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य और ए के-203 असॉल्ट राइफल शामिल हैं। इसके अलावा, भारत मेक इन इंडिया पहल के तहत 200 कामोव केए -226 हेलीकॉप्टरों का विनिर्माण करने जा रहा है जो द्विपक्षीय सैन्य-प्रौद्योगिकी सहयोग को और मजबूत करता है।

सिद्धरमैया और शिवकुमार ने एक साथ नाश्ता कर अटकलों को किया खारिज

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने शनिवार को एक साथ नाश्ता किया। इस मुलाकात से कर्नाटक के दोनों कद्दावर नेताओं के बीच सत्ता की खींचतान कम होती दिखी। शिवकुमार शनिवार को सिद्धरमैया के आवास 'कावेरी' पर नाश्ते के लिए पहुंचे थे, जिसके बाद दोनों नेताओं ने एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन को भी संबोधित किया।

दोनों नेताओं ने जोर देकर कहा कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है और भविष्य में भी वे एकजुट रहेंगे।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने कहा कि वे पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। ढाई साल का कार्यकाल पूरा करने वाली कांग्रेस सरकार को परेशान करने वाले इस मुद्दे पर गतिरोध को खत्म करने के लिए कांग्रेस आलाकमान के कहने पर मुख्यमंत्री ने नाश्ते पर शिवकुमार को मिलने के लिए बुलाया था। विपक्षी भाजपा ने चेतावनी दी थी कि अगर मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री के बीच सत्ता संघर्ष जारी रहा तो पार्टी अविश्वास प्रस्ताव लाएगी। सिद्धरमैया ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, मैंने शिवकुमार के साथ नाश्ते पर मुलाकात की क्योंकि कुछ भ्रम पैदा किया गया था। यह मीडिया द्वारा फैलाया गया था। उन्होंने कहा, हमारे बीच कोई मतभेद नहीं हैं। आज भी कोई मतभेद नहीं हैं, भविष्य में भी नहीं होंगे। वे एकजुट हैं और मिलकर 2028 का विधानसभा चुनाव लड़ेंगे।

शिवकुमार ने कहा कि जनता ने कांग्रेस का समर्थन कर उसे सत्ता सौंपी है इसलिए पार्टी को उनकी उम्मीदों पर खरा उतरना होगा। शिवकुमार ने मुख्यमंत्री के साथ मतभेदों को खारिज करते हुए कहा, हमारे बीच कोई गुटबाजी नहीं है। हम साथ चलेंगे, सबको साथ लेकर चलेंगे और पार्टी आलाकमान के फैसले का पालन करेंगे। शिवकुमार ने कहा कि उन्होंने 2028 के विधानसभा चुनावों में विपक्षी दलों और बेलगावी में कर्नाटक विधानसभा के आगामी शीतकालीन सत्र में भाजपा द्वारा अविश्वास प्रस्ताव पेश किए जाने की स्थिति में निपटने के तरीकों पर भी चर्चा की।

● कहा- हमारे बीच कोई मतभेद नहीं भविष्य में भी रहेंगे एकजुट

लेह हिंसाः आयोग ने बयान दर्ज कराने का समय 10 दिन बढ़ाया

लेह/जम्मू। लेह हिंसा की जांच कर रहे न्यायिक जांच आयोग ने बयानों को दर्ज कराने और सबूत जमा कराने की समय-सीमा लेह एपेक्स बॉडी के अनुरोध के बाद 10 दिन बढ़ा दी है।

गृह मंत्रालय ने 17 अक्टूबर को इस उद्देश्य से आयोग का गठन अधिसूचित किया था कि 24 सितंबर को लेह में कानून-व्यवस्था संबंधी गंभीर स्थिति पैदा होने से जुड़े हालात की जांच की जाए, इस स्थिति के दौरान पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा की जाए और उन घटनाओं का मूल्यांकन किया जाए जिनमें 1999 के कारगिल युद्ध के एक पूर्व सैनिक सहित चार लोगों की मौत हुई थी। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख के लिए राज्य के दर्जे की मांग कर रहे प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच हुई झड़पों में चार आम नागरिकों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हुए थे।

दिल्ली विस्फोटः न्यायिक हिरासत में भेजे गए तीन डॉक्टर और एक मौलवी

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली विस्फोट मामले में गिरफ्तार तीन डॉक्टरों और एक मौलवी को शनिवार को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

इन आरोपियों में मुजम्मिल गनई, अदील राठेर और शाहीना सईद के साथ मौलवी इरफान अहमद वागय शामिल था जिन्हें प्रधान एवं सत्र न्यायाधीश अंजू बजाज चांदना के समक्ष पेश किया गया। उन्होंने चारों को 10 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। अब तक, एनआईए ने इस मामले में सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो जम्मू-कश्मीर पुलिस की ओर से भंडाफोड़ किए गए एक सफेदपोश आतंकी मॉड्यूल से जुड़े हैं।

एनआईए ने कहा, एजेंसी आत्मघाती बम विस्फोट के सिलसिले में विभिन्न सुरागों की तलाश जारी रखे हुए है तथा इस बर्बर हमले में शामिल अन्य लोगों की पहचान करने और उनका पता लगाने के लिए संबंधित पुलिस बलों के साथ समन्वय में विभिन्न राज्यों में तलाशी अभियान चला रही है। दस नवंबर को लाल किले के बाहर विस्फोटकों से लदी आई20 कार में विस्फोट हुआ था, जिसे डॉ. उमर-उन-नबी चला रहा था।

सीमा पर सजग प्रहरी

दिल्ली में लाल किले पर आत्मघाती हमले के बाद हाई अलर्ट के दौरान जम्मू के बाहरी इलाके में नियंत्रण रेखा (एलओसी) अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर गश्त करते हुए सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवान।

ए 320 : सुरक्षा पर फिर उठे सवाल

दुनिया भर की विमानन कंपनियों ने शनिवार को वाणिज्यिक विमान ए320 के सॉफ्टवेयर को अपडेट किया, जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा। पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आ जाना इसके पीछे वजह बताई जा रही है। जेटब्लू की उस घटना को लेकर विमानों के साफ्टवेयर को अपडेट करने के निर्देश दिए गए जिसके बाद अमेरिका सहित तमाम देशों में संचालित इन विमानों के साफ्टवेयर अपडेशन का काम शुरू कर दिया गया जिसका असर विमानों के संचालन पर पड़ा। भारत में भी इसका प्रभाव पड़ा। भारत में एयर इंडिया और इंडिगो एयरलाइन एयरबस का संचालन करती हैं।

भारत में 462 एयरबस हो रहे संचालित

भारत सहित दुनिया भर में एयरबस के ए320 परिवार के विमानों के लिए अनिवार्य हार्डवेयर और सॉफ्टवेयर अपडेट के आदेश जारी किए गए जिससे उड़ानें प्रभावित हुई हैं। एयर इंडिया के बेड़े में ए320 परिवार के 104 विमान हैं। इंडिगो के पास 318 और एयर इंडिया एक्सप्रेस के पास 40 विमान ए320 परिवार के हैं। इस प्रकार देश में इस समय ए320 परिवार के कुल 462 विमान परिचालन में हैं। 300 विमानों पर मॉडिफिकेशन की जरूरत होगी।

दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी विमान निर्माता कंपनी

एयरबस 320 का निर्माता यूरोपीय विमान निर्माता कंपनी एयरबस है, जो दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी विमान निर्माता कंपनी है। एयरबस 320 एक विश्वसनीय विमान है, लेकिन वर्तमान सॉफ्टवेयर संकट ने इसकी सुरक्षा पर सवाल उठाए हैं। भारत में कई एयरलाइन्स एयरबस 320 का संचालन करती हैं, और वर्तमान सॉफ्टवेयर संकट के कारण कई फ्लाइट्स रद्द या देरी से चल रही हैं। डीजीसीए ने आवश्यक कदम उठाए हैं और एयरलाइन्स को सॉफ्टवेयर अपडेट करने के लिए कहा गया है।

सॉफ्टवेयर का अपडेशन वर्तमान संकट की वजह

विमानों के सॉफ्टवेयर में अपडेशन वर्तमान संकट का कारण रहा। जिसके चलते कई उड़ानों में देरी हुई और कई को रद्द करना पड़ा। जांच में पता चला कि पिछले महीने जेटब्लू के एक विमान के ऊंचाई से अचानक नीचे आने में कंप्यूटर कोड की गड़बड़ी शामिल हो सकती है। एयरबस ने बताया कि जेटब्लू की उस घटना की जांच से पता चला कि सूरज की तेज किरणें (सोलर रेडिएशन) ए320 बेड़े के विमानों के उड़ान नियंत्रण को खराब कर सकती हैं। संघीय विमानन प्रशासन ने यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) के साथ मिलकर विमानन कंपनियों को नया सॉफ्टवेयर अपडेट करने का निर्देश दिया है।

करीब 6000 विमान प्रभावित

छह हजार विमानों को वापस बुलायाएक रिपोर्ट के मुताबिक 30 अक्तूबर को जेटब्लू की एक फ्लाइट कैनकन, मेक्सिको से नेवार्क, न्यू जर्सी जा रही थी। अचानक फ्लाइट काफी तेजी से ऊंचाई से गिरने लगी। इसकी वजह से कई यात्री घायल हो गए थे। फ्लाइट 1230 ने जहाज के कंट्रोल में दिक्कत और अचानक बिना किसी कंट्रोल के ऊंचाई गिरने के बाद टैम्पा, फ्लोरिडा में इमरजेंसी लैंडिंग की, जिसके बाद यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने जांच शुरू की। एयरबस के मौजूदा समय में करीब 11,300 ए320 विमान संचालित हो रहे हैं, जिनमें से कंपनी करीब 6000 ए320 विमानों को वापस बुलाया है।

वर्ल्ड ब्रीफ

नेपाल में विमान से पक्षी टकराया, यात्री सुरक्षित

काठमांडू। नेपाल में पोखरा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर शनिवार को उतरते समय एक निजी एयरलाइन के विमान से एक पक्षी टकरा गया। सभी यात्री और चालक दल के सदस्य सुरक्षित हैं। हवाई अड्डा प्राधिकरण के एक अधिकारी ने बताया कि काठमांडू से पोखरा जा रहा बुद्धा एयरलाइंस का 9एन एओसी विमान अपराह्न 3.45 बजे उतरते समय एक पक्षी से टकरा गया। घटना में विमान का प्रोपेलर ब्लेड थोड़ा क्षतिग्रस्त हो गया।

पाकिस्तान में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

लाहौर। पाकिस्तान की पंजाब पुलिस ने अनजाने में देश में घुसे एक कथित भारतीय नागरिक को गिरफ्तार करने का दावा किया है। पाकिस्तान रेंजर्स ने बिना किसी कानूनी औपचारिकता के उसे 100 दिनों से अधिक समय तक हिरासत में रखा। पुलिस के अनुसार, कथित भारतीय नागरिक बी जे सिंह 16 अगस्त को भारतीय बचन सिंह पोस्ट के सामने अजमल शहीद पोस्ट के पास से पाकिस्तान में प्रवेश कर गया। सिंह (31) असम का रहने वाला है।

धुरंधर के ट्रेलर पर आपत्ति जताई

कराची। कराची में आतंकवादी और आपराधिक गिरोहों के खिलाफ अपनी बहादुरी और एनकाउंटर विशेषज्ञ के रूप में मशहूर हुए पाकिस्तानी पुलिस अधिकारी दिवंगत चौधरी असलम की पत्नी ने धमकी दी है कि अगर उनके पति को आगामी बॉलीवुड फिल्म धुरंधर में गलत और नकारात्मक तरीके से चित्रित किया गया तो वह कानूनी कार्रवाई करेंगी। रणवीर सिंह अभिनीत और आदित्य धर द्वारा निर्देशित यह फिल्म जासूसी पर आधारित है। इस महीने की शुरुआत में जारी किया गया फिल्म का आधिकारिक ट्रेलर कराची के कुख्यात ल्यारी इलाके की कहानी की झलक पेश करता है। फिल्म में दिग्गज अभिनेता संजय दत्त चौधरी असलम का किरदार निभा रहे हैं।

बदमाशों ने एटीएम से 12 लाख रुपये लूटे

जयपुर। राजस्थान के नागौर जिले में अज्ञात बदमाशों ने शनिवार को एक सार्वजनिक बैंक की स्वचालित गणक मशीन (एटीएम) से 12 लाख रुपये लूट लिए और वहां से भागते समय मशीन में आग लगा दी। पुलिस के अनुसार, यह घटना पंचोड़ी पुलिस थाने के भेड़ गांव में हुई। इसने बताया कि जब स्थानीय लोगों ने शनिवार सुबह जले हुए एटीएम को देखा तो बैंक और पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे।

तूफान दितवा ने पकड़ी गति, आज आधी रात पहुंचेगा तमिलनाडु तट

श्रीलंका में तबाही मचाने के बाद 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से बढ़ रहा आगे

- रविवार तड़के आंध्र, पुडुचेरी और बंगाल की खाड़ी तक पहुंचेगा

चेन्नई, एजेंसी

बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना चक्रवाती तूफान 'दितवा' अब तेज हो गया है और 10 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से आगे बढ़ रहा है। यह चेन्नई से लगभग 350 किलोमीटर दूर केंद्रित है और शनिवार आधी रात तक तमिलनाडु के तट से टकरा सकता है। मौसम कार्यालय ने नवीनतम जानकारी में बताया कि यह इस तूफान ने पहले श्रीलंका में तबाही मचाई थी जहां 100 से अधिक लोगों की जान चली गई थी और बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ था। यह तूफान पहले 8 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से आगे बढ़ रहा था लेकिन अब इसने रफ्तार पकड़ ली है।

दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी और उससे सटे उत्तरी श्रीलंका के ऊपर स्थित चक्रवाती तूफान पिछले 6 घंटों के दौरान 10 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उत्तर की ओर बढ़ा और शनिवार सुबह 11:30 बजे उसी क्षेत्र पर केंद्रित था। यह अब जाफना (श्रीलंका) से लगभग 80 किलोमीटर पूर्व-उत्तरपूर्व, वेदारन्नियम (तमिलनाडु) से 110 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, कराईकल (पुडुचेरी) से 150 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व, पुडुचेरी से 250 किलोमीटर दक्षिण-दक्षिणपूर्व और चेन्नई (तमिलनाडु) से 350 किलोमीटर दक्षिण में केंद्रित है। इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और रविवार सुबह तड़के उत्तरी तमिलनाडु, पुडुचेरी और आस-पास के दक्षिण आंध्र प्रदेश के तटों के पास दक्षिण-पश्चिम बंगाल की खाड़ी तक पहुंचने की अत्यधिक संभावना है।

श्रीलंका में मृतकों की संख्या 123 हुई : उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'दितवा' के श्रीलंका से टकराने के बाद 120 से अधिक लोगों की मौत हो गई है, जबकि 130 से अधिक लोग अभी भी लापता हैं। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने पुष्टि की है कि अब तक 123 मौतें दर्ज की गई हैं, और देश भर में 3,73,430 लोग प्रभावित हुए हैं। इसमें 43,000 से अधिक लोग विस्थापित हुए हैं और वर्तमान में 488 अस्थायी आश्रयों में रह रहे हैं। चक्रवात 'दितवा' शनिवार तड़के श्रीलंका से निकल गया, लेकिन गंभीर मौसम अभी भी द्वीप को प्रभावित कर रहा है।

चक्रवात दितवा के मद्देनजर तेज हवाओं के बीच शनिवार को चेन्नई के कासिमेदु बंदरगाह तट पर खड़ी मछली पकड़ने वाली नावें।

आंध्र प्रदेश के कई जिलों में हाईअलर्ट

विजयवाड़ा। आंध्र प्रदेश में साइक्लोन दितवा के मद्देनजर राज्य के मुख्य सचिव पी. विजयानंद ने चित्तूर, तिरुपति, अन्नामाया, श्री सत्य साईं, नेल्लोर, बापटला और प्रकाशम जिलों के जिलाधीशों को हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश जारी किया है। विजयानंद ने शनिवार को जिलाधीशों के साथ वीडियो पर बातचीत कर साइक्लोन के दौरान अगले मंगलवार तक किसी भी मछुआरे के समुद्र क्षेत्र में नहीं जाने का निर्देश दिया।

वायु सेना ने 21 टन राहत सामग्री पहुंचाई : भारतीय वायु सेना ने श्रीलंका में विनाशकारी बाढ़ से विस्थापित लोगों की सहायता के लिए शनिवार को 21 टन राहत सामग्री, राष्ट्रीय आपदा मोचन बल के 80 से अधिक कर्मियों एवं आठ टन उपकरण पहुंचाए। भारतीय वायु सेना ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि श्रीलंका में चक्रवाती तूफान दितवा के कारण मची तबाही के मद्देनजर भारत ने राहत कार्यों में तेजी लाने के लिए ऑपरेशन सागर बंधु' शुरू किया।

बांग्लादेश लौटने का फैसला अकेले मेरे बस में नहीं

ढाका/नई दिल्ली। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के स्व निर्वासित कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान ने शनिवार को कहा कि बेहद गंभीर बीमारी से जूझ रहीं उनकी मां और पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया से मिलने के लिए उनका वतन वापस लौटना पूरी तरह उनके हाथ में नहीं है। बीएनपी की 80 वर्षीय प्रमुख जिया को छाती में संक्रमण के कारण हृदय और दोनों फेफड़े प्रभावित होने के बाद 23 नवंबर को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

साल 2008 से लंदन में रह रहे रहमान (60) ने शनिवार को फेसबुक पर कहा कि किसी भी बच्चे की तरह वह इस मुश्किल समय में मां के पास रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि लेकिन दूसरों की तरह, इस बारे में एकतरफा फैसला लेना सिर्फ मेरे हाथ में नहीं है और न ही केवल मेरे बस में है। इस मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए ज्यादा बात नहीं कही जा सकती। रहमान ने कहा कि उनके परिवार को अब भी उम्मीद है कि एक बार राजनीतिक उथल-पुथल शांत हो जाए तो उनका स्वदेश लौटने का इंतजार खत्म हो जाएगा।

भारत ने सबसे अधिक वोट के साथ एक बार फिर आईएमओ परिषद का चुनाव जीता

लंदन, एजेंसी

- भारत पर भरोसा करने के लिए उच्चायोग ने अदा किया धन्यवाद

भारत आगामी दो वर्षों के लिए एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) की 40 सदस्यीय परिषद के लिए के लिए चुना गया है। लंदन में आईएमओ की सभा के दौरान हुए चुनाव में भारत को उसकी श्रेणी में सबसे अधिक वोट मिले।

भारत ने शुक्रवार को 'बी' श्रेणी में चुनाव जीता है, जिसमें ऑस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, नीदरलैंड्स, स्पेन, स्वीडन और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) शामिल हैं। आईएमओ ने कहा कि नव निर्वाचित परिषद का 136वां सत्र चार दिसंबर को होगा, जिसमें अगले दो साल के लिए अध्यक्ष और सह अध्यक्ष चुने जाएंगे। लंदन में स्थित भारतीय उच्चायोग ने चुनाव के बाद कहा, भारत बी श्रेणी में सबसे अधिक 154 वोट हासिल कर दोबारा आईएमओ परिषद के लिए चुना गया है। उच्चायोग ने कहा, हम भारत पर भरोसा करने के लिए अपने साझेदारों को धन्यवाद देते हैं, और वैश्विक समुद्री क्षेत्र के लिए काम करते रहने का वादा करते हैं।

आईएमओ दुनिया की सबसे बड़ी संस्था है जो दुनिया के समुद्री क्षेत्र की देखरेख करती है। परिषद आईएमओ का कार्यकारी अंग है जो संगठन के काम की देखरेख के लिए जिम्मेदार है।

इस्कॉन ब्रिटेन ने ऐतिहासिक लंदन स्थल प्राप्त करने का जश्न मनाया

लंदन। ब्रिटेन में अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) इस सप्ताह एक नीलामी में लंदन में अपने मूल मंदिर स्थल को प्राप्त करने का जश्न मना रहा है। मध्य लंदन के ब्लूम्सबरी क्षेत्र में 7 बरी प्लेस स्थित ऐतिहासिक इमारत का इतिहास 1968 से जुड़ा है, जब इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद ने तीन अमेरिकी दम्पतियों को ब्रिटेन में एक मिशन स्थापित करने के लिए भेजा था। अंतत: बीटल गायक जॉर्ज हैरिसन जैसे समर्थकों की मदद से इसे हासिल किया गया, जिन्होंने मूल पट्टे पर सह-हस्ताक्षर किए थे और यह ब्रिटेन में इस्कॉन के शुरुआती कार्यों का आधार बना। इस्कॉन ब्रिटेन के शासी निकाय आयोग (जीबीसी) के प्रघोष दास ने कहा, सात बरी प्लेस को पुन: प्राप्त करना, ब्रिटेन में हमारे आध्यात्मिक जन्मस्थान को पुन: प्राप्त करना है।

इंडोनेशिया में मृतक संख्या 279 हुई

अगम। इंडोनेशिया में बाढ़ और भूस्खलन के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 279 हो गई है तथा अधिकारियों ने मृतकों की संख्या और बढ़ने की आशंका जताई है। उत्तरी सुमात्रा प्रांत में सड़कें खराब होने और संचार बाधित होने से इन इलाकों से संपर्क कट गया है और राहत सामग्री पहुंचाने के लिए विमानों पर निर्भर रहना पड़ा। भारी उपकरणों की कमी के कारण बचाव कार्य भी बाधित हुए। प्रांतीय पुलिस प्रवक्ता फेरी वालिंटुकन ने बताया कि उत्तरी सुमात्रा में बचावकर्मियों ने शनिवार को 31 शव बरामद किए, जिससे मृतकों की संख्या 279 हो गई। लापता लोगों की तलाश हो रही है।

इमरान खान के जीवित होने का सरकार दे सबूत

लाहौर, एजेंसी

- बेटे कासिम खान ने सोशल मीडिया पर लिखी पोस्ट

पाकिस्तान की जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेटे ने सरकार से इसका सबूत पेश करने की मांग की है कि पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक जिंदा हैं। खान के बेटे कासिम खान ने शुक्रवार शाम एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि हम इमरान खान के जीवित होने का सबूत मांगते हैं।

ऐसी अटकलें हैं कि क्रिकेटर से नेता बने इमरान खान (73) की जेल में हत्या कर दी गई है, क्योंकि ना तो उनके परिवार के सदस्यों और ना ही उनके वकीलों एवं पार्टी के लोगों को एक महीने से उनसे मिलने दिया गया है। खान कई मामलों में दो साल से अधिक समय से रावलपिंडी की अदियाला जेल में बंद हैं। खान की तीन बहनें, पीटीआई के कार्यकर्ता और खैबर पख़्तूनख़्वा के मुख्यमंत्री सोहेल अफ़रीदी कुछ दिनों से अदियाला जेल के बाहर डेरा डाले हुए हैं और शहबाज शरीफ सरकार पर खान के परिवार के सदस्यों को उनसे मिलने की इजाजत देने का दबाव बना रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पीएम अल्बनीस ने किया विवाह

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीस ने शनिवार को राजधानी केबनरा में अपने आधिकारिक आवास पर करीबी लोगों की मौजूदगी में अपनी संगिनी जोडी हेडन से विवाह कर लिया। ऑस्ट्रेलिया की संघीय सरकार के 124 साल के इतिहास में वह ऐसे पहले व्यक्ति हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री पद पर रहने के दौरान विवाह किया है। विवाह समारोह में ऑस्कर पुरस्कार विजेता अभिनेता रसेल क्रो और कई कैबिनेट मंत्रियों समेत करीब 60 मेहमान शामिल हुए। अल्बनीस और हेडन ने कहा कि हम अपने परिवार के साथ खुश हैं।

जी-20 में अफ्रीका को न बुलाना अनुचित

जोहानिसबर्ग, एजेंसी

- राष्ट्रपति रामाफोसा ने की ट्रंप के फैसले की निंदा

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा ने कहा है कि अमेरिका की अध्यक्षता के दौरान दक्षिण अफ्रीका को जी-20 में आमंत्रित नहीं किए जाने की उनके अमेरिकी समकक्ष डोनाल्ड ट्रंप की घोषणा अफसोसजनक है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल में घोषणा की कि दक्षिण अफ्रीका को अगले वर्ष फ्लोरिडा में उनके देश की अध्यक्षता में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने का निमंत्रण नहीं मिलेगा।

अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका से जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण की है और वह एक दिसंबर, 2025 से 30 नवंबर, 2026 तक इस समूह का नेतृत्व करेगा। ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर लिखा कि अमेरिका ने दक्षिण अफ्रीका में जी-20 में भाग नहीं लिया क्योंकि दक्षिण अफ्रीका पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा जर्मन प्रवासियों के मानवाधिकार हनन को स्वीकार नहीं करता है।

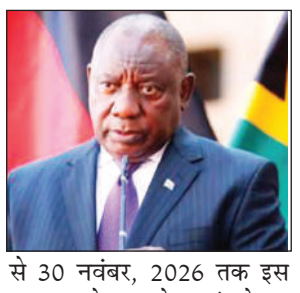

अमेरिका ने किया था बैठक का बहिष्कार

परंपरा के अनुसार, मेजबान देश जी-20 की अगली अध्यक्षता संभालने वाले राष्ट्र को लकड़ी का एक प्रतीकात्मक हथौड़ा सौंपता है लेकिन बैठक के बहिष्कार के कारण दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा से इसे लेने के लिए कोई अमेरिकी अधिकारी मौजूद नहीं था। अमेरिका अपने दूतावास से एक प्रतिनिधि भेजना चाहता था। दक्षिण अफ्रीका ने इसे अस्वीकार कर दिया था कि रामाफोसा के लिए एक कनिष्ठ अधिकारी को प्रतीक सौंपना अपमानजनक होगा। दक्षिण अफ्रीका द्वारा राजनयिक संबंधों को पुनर्स्थापित करने तमाम प्रयासों के बावजूद ट्रंप दंडात्मक कदम उठाते रहे हैं।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 30 नवंबर, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, दशमी 21.29 तक तत्पश्चात एकादशी।

आज का पंचांग

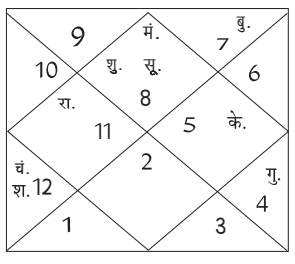

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तर भाद्रपद 01 दिसंबर 01.11 तक तत्पश्चात रेवती।

मेष — आज आपसे लोग नाराज हो सकते हैं। अपने बड़ों की अवमानना न करें। अनावश्यक कार्यों में समय बर्बाद होगा। स्वास्थ्य को लेकर बिल्कुल लापरवाही न करें। निम्न रक्तचाप के कारण समस्या हो सकती है। शाम को मित्रों से चर्चा कर सकते हैं।

वृष — आज व्यवसाय में आय बढ़ सकती है। आपका आत्मविश्वास बढ़ा हुआ रहेगा। महत्वपूर्ण विषयों को लेकर जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं। लंबित पड़ी योजनाओं को दोबारा क्रियान्वित करने के अवसर मिलेंगे। आपका पूरा ध्यान घर-परिवार पर रहेगा।

मिथुन — आज परिवार में सुख-शांति का वातावरण रहेगा। कार्यक्षेत्र में आपको बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। प्रेम संबंधों में एक-दूसरे की भावनाओं का सम्मान करें। मानसिक रूप से शांति महसूस करेंगे। आपको अपने आत्मसम्मान की चिन्ता रहेगी।

कर्क — आज विद्यार्थियों के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। उच्च शिक्षण संस्थान में प्रवेश के अवसर मिल सकते हैं। कारोबारी यात्रा से लाभ प्राप्त होगा। उच्चाधिकारियों के बीच आपकी काफी चर्चा होगी। विदेश यात्रा में आ रही बाधा दूर होगी।

सिंह — आज व्यापार को लेकर अधिक सावधानी रखें। इसीलिए थोड़ा सोच-विचारकर ही काम करें। भावनात्मक रूप से थोड़ा कमजोर रहेंगे। बीमारियों पर धन खर्च अचानक से बढ़ सकता है। ससुराल पक्ष से शुभ समाचार मिलने के योग बन रहे हैं।

कन्या — आज जीवनसाथी आपको भावनात्मक रूप से काफी सहयोग देगा। व्यावसायिक यात्रा होने के योग बन रहे हैं। अविवाहित लोगों का विवाह तय हो सकता है। उच्च अधिकारियों से मित्रता हो सकती है। प्रभावशाली व्यक्तियों के बीच आपका सामंजस्य बढ़ेगा।

तुला — आज व्यवसाय में उन्नति के लिए प्रयास करेंगे। लोन से जुड़े हुए अवरोध दूर होंगे। आपकी आर्थिक स्थिति बहुत अच्छी रहेगी। मित्रों के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। पुराने अनुभव आज आपके काफी काम आने वाले हैं।

वृश्चिक — आज आपके द्वारा कही गई बात सत्य होगी। आपकी सेहत काफी अच्छी रहने वाली है। नये विषयों के अध्ययन व अनुसंधान में रुचि लेंगे। बच्चों के साथ कहीं घूमने की योजना बना सकते हैं। व्यावसायिक लक्ष्यों को सरलता से प्राप्त कर लेंगे।

धनु — आज अपनी जीवनशैली में सुधार करें। कुछ लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। घर के बड़े बुजुर्गों का सम्मान करें। परिजनों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। एआई क्षेत्र से जुड़े लोगों को बड़े प्रोजेक्ट्स में काम करने का अवसर मिल सकता है।

मकर — आज सकारात्मक ऊर्जा से भरपूर रहेंगे। विवेक और संयम से निर्णय लेने से आपको लाभ होगा। आयात-निर्यात के व्यवसाय में बड़ा लाभ हो सकता है। विद्यार्थी किसी नये कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। अपने विचारों को दूसरों पर न थोपें।

कुंभ — आज कार्यक्षेत्र में आपका वर्चस्व बढ़ेगा। नई जॉब ढूंढ रहे हैं तो आज सफलता मिल सकती है। विरोधियों के बीच में आपकी चर्चा होगी। परिस्थितियां आपके पक्ष में रहेंगी। जीवनसाथी को उपहार देने से तनाव दूर होगा। त्वचा विकार की समस्या हो सकती है।

मीन — आज आपके आकर्षक व्यक्तित्व की लोग प्रशंसा करेंगे। फाइनेंस को लेकर परेशानियां दूर होंगी। व्यवसाय को लेकर अपनी रणनीति बदल सकते हैं। युवाओं को प्रेम प्रस्ताव मिल सकते हैं। शेयर मार्केट के माध्यम से आपको बड़ा लाभ होगा।

सुडोकू-176

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

						2		
				5				
6								
		2						
					7	6		
	8			4				
		9						

सुडोकू - 175 का हल

1	2	3	4	9	7	8	5	6
8	5	4	1	3	6	2	9	7
6	9	7	5	2	8	4	3	1
3	8	6	7	1	9	5	2	4
9	4	5	6	8	2	1	7	3
7	1	2	3	5	4	9	6	8
4	7	1	9	6	5	3	8	2
5	3	8	2	7	1	6	4	9
2	6	9	8	4	3	7	1	5

जिस तरह की पिचों पर हम खेल रहे हैं, उनमें किसी को गेंदबाज बनाने की जरूरत नहीं है क्योंकि हर गेंद स्पिन होती है या कुछ सीधी हो जाती है। एक गेंदबाज को तभी अच्छा माना जा सकता है जब वह अच्छी पिचों पर विकेट लेता है।

-हरभजन सिंह

स्टेडियम

मुरादाबाद, रविवार, 30 नवंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

ऐसा लगता है, मानो भारत के पास ऑफ स्पिनर नहीं है : भज्जी

मुंबई। दक्षिण अफ्रीका से हाल में खत्म हुई टेस्ट सीरीज में हारने के बाद महान स्पिनर हरभजन सिंह को लगा कि भारतीय टीम के पास पांच दिन के मैच के लिए कोई विशेषज्ञ ऑफ-स्पिनर ही नहीं है और उन्होंने वाशिंगटन सुंदर का कार्यभार बढ़ाने की बात कही। आर अश्विन के संन्यास के बाद एसईएनए देशों (दक्षिण अफ्रीका, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ पहली घरेलू श्रृंखला में भारत के स्पिनर दक्षिण अफ्रीका के सामने कमजोर पड़ गए। मेहमान टीम के स्पिनरों ने दो टेस्ट में 25 विकेट हासिल किए। हरभजन से जब पूछा गया कि क्या भारत के पास दाएं हाथ का कोई विशेषज्ञ स्पिनर नहीं है तो उन्होंने जवाब में 'पीटीआई' से कहा ऐसा ही लगता है।

दक्षिण अफ्रीका को सुधार करना होगा: प्रिंस

रांची। दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाजी कोच एशवेल प्रिंस ने शनिवार को कहा कि उनकी वनडे टीम को अब भी 'क्लच मोमेंट्स' को बेहतर बनाने की जरूरत है क्योंकि वे 2027 विश्व कप से पहले संयोजन का परीक्षण करना जारी रखे हैं। प्रिंस ने माना कि पिछले एक साल में टीम का फोकस टेस्ट क्रिकेट और आने वाले टी-20 विश्व कप पर रहा है जिससे 50 ओवर का प्रारूप प्रयोगात्मक चरण में है। भारत के खिलाफ पहले वनडे से पहले प्रिंस ने कहा हम 50 ओवर में अलग-अलग संयोजन आजमा रहे हैं और अंतिम टीम के करीब पहुंचने से पहले हमारे पास अब भी समय है। बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों की गहराई से संतुष्ट होने के बावजूद प्रिंस ने कहा अगर कोई क्षेत्र है जहां हमें सुधार करना है तो वह है 'क्लच मोमेंट्स'। सफेद गेंद का क्रिकेट हमेशा दबाव भरे माहौल भरा होता है। रविवार को यहां भारी ओस पड़ने की उम्मीद है इसलिए टॉस अहम भूमिका निभा सकता है।

रोहित और कोहली की होगी कड़ी परीक्षा

दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पहला एकदिवसीय मुकाबला आज दोपहर 1:30 बजे से

रांची, एजेंसी

अब केवल वनडे में खेल रहे रोहित शर्मा और विराट कोहली भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच रविवार से यहां शुरू होने वाली तीन एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट मैचों की श्रृंखला में आकर्षण का केंद्र होंगे जिससे वह 2027 में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा भी मजबूत करने की कोशिश करेंगे।

भारतीय टीम प्रबंधन इस श्रृंखला से चयन संबंधी समस्याओं का समाधान भी करना चाहेगा। उसे दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ हाल में समाप्त हुई टेस्ट श्रृंखला के दौरान चयन संबंधी मसलों के कारण आलोचना का सामना करना पड़ा था। रोहित और कोहली दोनों अब केवल एक ही अंतर्राष्ट्रीय प्रारूप में खेलते हैं। भारत को अगले दो महीनों में केवल छह एकदिवसीय मैच खेलने हैं। दक्षिण अफ्रीका के बाद भारतीय टीम तीन जनवरी से न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू धरती पर तीन वनडे मैच की श्रृंखला खेलेगी। ऐसे में सभी की निगाह भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों रोहित और कोहली पर टिके रहना स्वाभाविक है। इन मैचों में उनके प्रदर्शन का 2027 के वनडे विश्व कप में उनकी संभावनाओं पर सीधा असर पड़ सकता है। हो सकता है कि यह उनके विश्व कप के भाग्य को पक्का न करे, लेकिन यह मैच उनके लिए ऑडिशन की तरह हो सकते हैं जिससे उनके भविष्य की राह भी सुनिश्चित होगी। संयोग से 2013 में इसी जेएससीए स्टेडियम में रोहित शर्मा पहली बार पूर्णकालिक सलामी बल्लेबाज के तौर पर खेले थे जिससे सीमित ओवर की क्रिकेट में उनका करियर ही बदल दिया। यह 37 वर्षीय खिलाड़ी एक दशक से भी अधिक समय बाद फिर से यहां पहुंचा है जहां वह अपने करियर को फिर से नहीं दिशा देने की कोशिश करेगा।

भारत की यह एकदिवसीय श्रृंखला अगले वर्ष घरेलू मैदान पर होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले खेली जा रही है जिसमें खिलाड़ियों का प्रदर्शन उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप के आईसीसी टूर्नामेंट के लिए भारतीय टीम में जगह दिलाने में अहम भूमिका निभा सकता है।

दक्षिण अफ्रीका से टेस्ट श्रृंखला में दोनों मैच में हारने के बाद मुख्य कोच गौतम गंभीर भी जांच के दायरे में हैं हालांकि उनके पद को किसी तरह का खतरा नहीं है क्योंकि उनका अनुबंध 2027 में होने वाले वनडे विश्व कप तक है। टेस्ट में मिली हार के बाद उनके रणनीतिक फैसलों और टीम चयन पर सवाल उठे।

मुख्य कोच का पद संभालने के बाद से उनकी यह दूसरी बड़ी विफलता थी। ऐसे में यहां वनडे श्रृंखला गंभीर के लिए अपनी स्थिति मजबूत करने और सीमित ओवरों में भारत की दिशा को स्पष्ट करने का एक अहम मौका है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर की निगरानी में अभ्यास करते कुलदीप यादव, तिलक वर्मा व अन्य भारतीय खिलाड़ी। एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीट्जके (दाएं) और टोनी डी जॉर्जी। एजेंसी

टीम

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मार्क्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यानसन, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्जके, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

मेरे पास स्पिन के खिलाफ परेशानी का कोई पक्का जवाब नहीं : राहुल

रांची : कार्यवाहक वनडे कप्तान केएल राहुल ने शनिवार को स्वीकार किया कि उनकी टीम की स्पिन के खिलाफ लगातार संघर्ष करना विशेषकर घरेलू पिचों पर, चिंता का विषय है लेकिन उनके पास भारत की पारंपरिक रूप से मजबूती में आई गिरावट का कोई जवाब नहीं है। उनकी यह टिप्पणी पिछले दो सत्र में टेस्ट क्रिकेट में घरेलू पिचों पर स्पिनरों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाजी लाइन-अप के बार-बार कमजोर पड़ने के चिंताजनक पैटर्न के बीच आई है जिसमें कभी भारत का दबदबा हुआ करता था। न्यूजीलैंड ने 2024 में और फिर दक्षिण अफ्रीका ने हाल में भारत को क्रमशः 3-0 और 2-0 से हराया। राहुल ने कहा हमने पिछले कुछ सत्र में स्पिन अच्छी तरह नहीं खेली है। मुझे सच में नहीं पता कि हम पहले क्यों कर पाते थे और अब क्यों नहीं कर पा रहे। मेरे पास कोई निश्चित जवाब नहीं है। हम बस इतना कर सकते हैं कि व्यक्तिगत रूप से और बतौर बल्लेबाजी समूह यह देखें कि कैसे बेहतर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि बल्लेबाजों को तकनीकी और रणनीतिक बदलावों की तलाश करनी होगी और यह एक लंबी प्रक्रिया होगी। राहुल ने कहा यह रातोंरात नहीं बदलने वाला। हम सुधार की जरूरतों को देखेंगे और उम्मीद है कि श्रीलंका और ऑस्ट्रेलिया सीरीज तक हम बेहतर तरीके से तैयार रहेंगे।

मिथुन पर रोमांचक जीत के साथ श्रीकांत फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

सैयद मोदी इंटरनेशनल बैडमिंटन चैंपियनशिप

- त्रिशा- गायत्री महिला युगल में खिताब के लिए करेंगी दावेदारी
- महिला एकल के सेमीफाइनल में तन्वी शर्मा को मिली हार

महिला डबल्स सेमीफाइनल में त्रीसा जॉली (दाएं) और गायत्री गोपीचंद। एजेंसी

अमृत विचार : पूर्व वर्ल्ड नंबर वन के.श्रीकांत ने सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल एचएसबीसी वर्ल्ड टूर सुपर 300 बैडमिंटन चैंपियनशिप में रोमांचक जीत के साथ फाइनल में प्रवेश कर भारतीय चुनौती को कायम रखा।

दूसरी ओर महिला युगल में पिछली विजेता शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद पी. ने फाइनल में प्रवेश के साथ खिताब बचाने की अपनी दावेदारी पेश की। भारतीय बैडमिंटन एसोसिएशन (बीएआई) के देखरेख में उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन की ओर से योनेक्स सनराइज बाबू बनारसी दास बैडमिंटन अकादमी में आयोजित चैंपियनशिप में शनिवार को सेमीफाइनल खेले गए। चैंपियनशिप के सेमीफाइनल में उन्नति व तन्वी की हार के साथ महिला एकल में भारत का सफर समाप्त हो गया। मिश्रित युगल में भारत के हरिहरन अम्साकरुनन व त्रिशा जॉली की जोड़ी को हार मिली। पुरुष एकल में पांचवीं वरीयता प्राप्त भारत के के.श्रीकांत ने 59 मिनट चले तीन गेम के रोमांचक मैच में हमवतन मिथुन मंजूनाथ के खिलाफ 21-15, 19-21, 21-13 से जीत दर्ज की। श्रीकांत ने पहले गेम में कुछ संघर्ष के बाद जीत हासिल की। दूसरे गेम में वो आगे रहने के बाद पिछड़ गए और 9-15 के स्कोर पर फाउल के चलते प्रतिद्वंद्वी को फायदा मिला। यह गेम मिथुन मंजूनाथ ने तेज सर्विस की बदौलत अपने नाम की। तीसरे और निर्णायक गेम में श्रीकांत ने बेहतरीन कोर्ट कवरेज की बदौलत जीत से फाइनल में जगह बनाई। 2016 के चैंपियन के.श्रीकांत अब चैंपियनशिप में अपने दूसरे खिताब की दावेदारी करेंगे। मलेशियाई मास्टर्स के उपविजेता रहे श्रीकांत की कल लंबे समय बाद घरेलू टूर्नामेंट में खिताब और साथ में साल के शानदार समापन पर निगाह होगी। श्रीकांत ने इससे पूर्व फ्रेंच ओपन 2017 में खिताबी जीत दर्ज की थी। श्रीकांत की अब फाइनल में हांगकांग के जेसन गुनावन से भिड़ंत होगी जो प्रतिद्वंद्वी जापान के मिनोरू कोगा के मैच छोड़ने से फाइनल में पहुंच गए। पहला गेम कोगा ने 21-12 से जीता। दूसरे गेम में जेसन ने जीत दर्ज की। तीसरे गेम में जब जेसन 11-0 से आगे थे तब जापानी खिलाड़ी ने मैच छोड़ने का फैसला किया। वहीं, महिला एकल के पहले सेमीफाइनल मे जापान की हीना अकेची ने भारत की तन्वी शर्मा को 21-17, 21-16 से हराया। तुर्किये की नेस्लिहान अरीन ने शीर्ष वरीयता प्राप्त भारत की उन्नति हुड्डा को 21-15, 21-10 से हराया।

किदांबी श्रीकांत। एजेंसी

मुंबई इंडियंस और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच होगा पहला मैच

मुंबई, एजेंसी

हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली गत चैंपियन मुंबई इंडियंस की टीम चौथी महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के उद्घाटन मैच में नौ जनवरी को नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 2024 की विजेता रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) का सामना करेगी।

डब्ल्यूपीएल का फाइनल पहली बार सप्ताहांत पर नहीं होगा। इस बार प्रतियोगिता का फाइनल गुरुवार (पांच फरवरी) को खेला जाएगा। ऐसा पुरुषों के टी-20 विश्व कप से टकराव से बचने के लिए किया गया है जो उसी सप्ताह भारत और श्रीलंका में शुरू हो रहा है। टी20 विश्व कप की शुरुआत सात फरवरी (शनिवार) को कोलंबो में पाकिस्तान और नीदरलैंड के बीच मैच से होगी। इस बार डब्ल्यूपीएल 28 दिन तक चलेगा और इसमें 22 मैच खेले जाएंगे।

महिला प्रीमियर लीग कार्यक्रम

9 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
10 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम गुजरात जायंट्स और मुंबई इंडियंस बनाम दिल्ली कैपिटल्स
11 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम गुजरात जायंट्स
12 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम यूपी वॉरियर्स
13 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम गुजरात जायंट्स
14 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
15 जनवरी : मुंबई इंडियंस बनाम यूपी वॉरियर्स
16 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम गुजरात जायंट्स
17 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम मुंबई इंडियंस और दिल्ली कैपिटल्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
19 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
20 जनवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम मुंबई इंडियंस
22 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम यूपी वॉरियर्स
24 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम दिल्ली कैपिटल्स
26 जनवरी : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु बनाम मुंबई इंडियंस
27 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम दिल्ली कैपिटल्स
29 जनवरी : यूपी वॉरियर्स बनाम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु
30 जनवरी : गुजरात जायंट्स बनाम मुंबई इंडियंस
01 फरवरी : दिल्ली कैपिटल्स बनाम यूपी वॉरियर्स
एलिमिनेटर : तीन फरवरी
फाइनल : पांच फरवरी।

दृष्टिबाधित महिला टीम ने राष्ट्रपति से मुलाकात की

नई दिल्ली, एजेंसी

टी-20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय दृष्टिबाधित महिला टीम ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात की और उन्हें ऑटोग्राफ वाला क्रिकेट बल्ला उपहार में दिया।

राष्ट्रपति ने टीम सदस्यों को टी20 विश्व कप जीतने पर बधाई दी और कहा कि उनकी सफलता दूसरों को करियर में नयी ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करेगी। राष्ट्रपति ने टीम की तरफ से भेंट की गई क्रिकेट गेंद पर भी हस्ताक्षर किए। भारत ने हाल में कोलंबो में फाइनल में नेपाल को हराकर पहला टी20 दृष्टिबाधित महिला विश्व कप जीता था।

ओलंपिक हॉकी के दिग्गजों को सम्मानित किया गया

चेन्नई : तमिलनाडु के उप मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन ने शनिवार को 14वें पुरुष हॉकी जूनियर विश्व कप के उद्घाटन के दौरान ओलंपिक खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले भारतीय और तमिलनाडु हॉकी टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया। राज्य सरकार ने शनिवार को आधिकारिक विज्ञप्ति में इसकी जानकारी दी।

अंतर्राष्ट्रीय हॉकी महासंघ द्वारा 1979 में शुरू किए गए जूनियर पुरुष हॉकी विश्व कप का 14वां चरण अभी चेन्नई और मदुरै में चल रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया कि उप मुख्यमंत्री ने 28 नवंबर को चेन्नई में टूर्नामेंट के शुरुआती मैच भारत बनाम चिली का औपचारिक उद्घाटन किया। उप मुख्यमंत्री ने भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों को सम्मानित किया जिसमें तमिलनाडु के ओलंपिक में हिस्सा लेने वाले हॉकी खिलाड़ी भी थे।

अजलन शाह हॉकी | जुगराज सिंह ने किए चार गोल, बेल्जियम से आज होगी खिताबी भिड़ंत

कनाडा को 14-3 से रौंदकर भारत फाइनल में

इपोह, एजेंसी

जुगराज सिंह के चार गोल की मदद से भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने शनिवार को यहां बड़े स्कोर वाले मुकाबले में कनाडा को 14-3 से हराकर पूल तालिका में शीर्ष स्थान हासिल कर सुल्तान अजलन शाह कप के फाइनल में जगह बनाई। भारतीय टीम को टूर्नामेंट में अभी तक सिर्फ बेल्जियम से एक गोल से हार मिली लेकिन पिछले मैच में न्यूजीलैंड पर 3-2 की शानदार जीत के बाद खिलाड़ी आत्मविश्वास से ओतप्रोत थे। भारतीय टीम रविवार को फाइनल में बेल्जियम से भिड़ेगी।

नीलकांत शर्मा ने मैच की शुरुआत चौथे मिनट में गोल दागकर की जिसके बाद सीनियर टीम में पदार्पण करने के बाद अच्छी फॉर्म में चल रहे राजिंदर सिंह ने 10वें मिनट में गोल कर दिया। यह रोमांचक शुरूआत रही। कनाडा ने शुरुआती गोल का जवाब पेनल्टी कॉर्नर हासिल करके उसे गोल में बदलकर दिया।

11वें मिनट में ब्रेंडन गुरालियुक ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। फिर अगले कुछ मिनटों में जुगराज सिंह और अमित रोहिदास ने क्रमशः 12वें और 15वें मिनट में गोल कर किए जिससे भारत की बढ़त 4-1 हो गई। इस टूर्नामेंट के लिए टीम के सीनियर स्टार खिलाड़ियों को आराम दिया गया था इसलिए बेहतर प्रदर्शन करने की जिम्मेदारी युवा खिलाड़ियों पर थी और उन्होंने कनाडा के डिफेंस को दबाव में रखकर अच्छा प्रदर्शन किया।

दूसरे क्वार्टर में गोलों की झड़ी लगी रही जिसमें राजिंदर ने 24वें मिनट में, दिलप्रीत सिंह ने 25वें मिनट में और जुगराज ने 26वें मिनट में गोल कर दिए। अब भारतीय टीम 7-1 से आगे थी जिससे कनाडा ने तीसरे क्वार्टर में अपने आक्रमण में थोड़े बदलाव किए जिससे 35वें मिनट में उन्हें पेनल्टी स्ट्रोक मिला। मैथ्यू सरमेंटो ने इसे पोस्ट में डालकर स्कोर 7-2 कर दिया। इस बीच जुगराज ने इसी क्वार्टर में 39वें मिनट में गोल करके हैट्रिक बनाई। जिसके बाद सेल्वम कार्ति ने 43वें मिनट में गोल करके भारत की बढ़त को 9-2 तक पहुंचा दिया। आखिरी क्वार्टर बस एक औपचारिकता मात्र थी लेकिन इसी में दोनों टीमों ने ज्यादा गोल किए। इस क्वार्टर में छह गोल हुए। रोहिदास ने 46वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर और इसके बाद 50वें मिनट में जुगराज के पेनल्टी स्ट्रोक को गोल में तब्दील किया।

चिली और स्विट्जरलैंड (लाल जर्सी) के खिलाड़ी।

जूनियर विश्व कप : मलेशिया और नीदरलैंड्स की विजयी शुरुआत

मदुरै : मलेशिया और नीदरलैंड ने शनिवार को यहां पूल ई के मैचों में क्रमशः ऑस्ट्रिया और इंग्लैंड को हराकर एफआईएच पुरुष जूनियर विश्व कप हॉकी टूर्नामेंट में अपने अभियान की सकारात्मक शुरुआत की। मलेशिया ने दिन के पहले मैच में ऑस्ट्रिया को 5-1 से जबकि नीदरलैंड ने इंग्लैंड को 5-3 से हराया। मलेशिया के लिए दानिश खैरिल (56वें और 57वें मिनट) ने दो जबकि हैरिस उस्मान (28वें मिनट), एडम जोहरी (47वें मिनट) और नवीनेश पनिकर (55वें मिनट) ने एक-एक गोल किया। ऑस्ट्रिया का एकमात्र गोल 56वें मिनट में जूलियन कैसर ने पेनल्टी कॉर्नर पर किया। इससे पहले नीदरलैंड की इंग्लैंड पर जीत में जान वैनट लैंड (दूसरे और 49वें मिनट) ने दो मैदानी गोल करके महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनके अलावा कैस्पर वैन डेर वीन (26वें मिनट) ने भी एक मैदानी गोल किया, जबकि जोप्पे वोलबर्ट (39वें मिनट) ने पेनल्टी स्ट्रोक पर और डैनिलो ट्राइलिंग (54वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर पर गोल करके नीदरलैंड की जीत सुनिश्चित की। इंग्लैंड के लिए गोल कैडेन ड्रेसी (11वें), माइकल रॉयडेन (29वें) और जॉर्ज फ्लेचर (49वें) ने किए। बाद में दक्षिण अफ्रीका ने यहां पूल ए मैच में आयरलैंड को 2-1 से हराया। दक्षिण अफ्रीका के लिए रूबेन सेंडजुल (43वें मिनट) और रॉस मोंटगोमरी (54वें मिनट) ने मैदानी गोल किए।